www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, गुरुवार, 7 दिसम्बर, 2023 | वर्ष-16 | अंक -242 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

हमारा गारंटी देने का एजेंडा चोरी कर रहे अब दूसरे ... 03

■ किसानों ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय घेरा
■ दूधेश्वरनाथ वेद विद्यापीठ के छात्र मोहित पांडेय ... 04

■ गाजा में कोई सुरक्षित जगह नहीं : दुजारिक
■ एक-दूसरे के लिए विकास का अवसर हैं ... 07

कृति सेनन ने अपने प्रोडक्शन 'दो पत्ती' ... 10

सार संक्षेप

अंबेडकर को पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित सांसदों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने संसद भवन परिसर में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। संविधान के शिल्पकार कहे जाने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर बुधवार को संसद भवन परिसर में एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

डीएमके सांसद ने विवादित टिप्पणी पर खेद जताया

नई दिल्ली। डीएमके सांसद डीएनवी सेंथिलकुमार एस. ने उत्तर भारत के राज्यों के लिए मंगलवार को लोकसभा में की गई अपनी विवादित टिप्पणी पर खेद व्यक्त करते हुए इसे वापस ले लिया है। डीएमके सांसद डीएनवी सेंथिलकुमार एस. ने बुधवार को लोकसभा में खड़े होकर अपनी विवादित टिप्पणी के लिए खेद व्यक्त करते हुए कहा कि कल उनके द्वारा अनजाने में दिए गए बयान से सदस्यों और लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो वे इसे वापस लेना चाहेंगे।

झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 15 दिसम्बर से

रांची। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 15 दिसंबर से प्रारंभ होगा। इससे संबंधित प्रस्ताव पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। सत्र 22 दिसंबर तक चलेगा और इसमें छह कार्य दिवस होंगे। यह सत्र कई मायने में अहम होगा। सरकार इस सत्र में डोमिसाइल, आरक्षण वृद्धि और एंटी मॉब लिंचिंग बिल फिर से ला सकती है।

कश्मीर में लश्कर के आतंकवादी सहयोगी की भूमि कुर्क

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में लश्कर-ए-तैयबा के एक कथित आतंकवादी सहयोगी की आवासीय भूमि को कुर्क कर लिया है। आतंकवादी सहयोगी इरफान अहमद भट के परिवार की 14 मरला आवासीय भूमि को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत अष्टेंगू बांदीपोरा में कुर्क किया गया।

जोरमथांगा ने पार्टी प्रमुख पद से दिया इस्तीफा

आइजोल। मिजोरम के निवर्तमान मुख्यमंत्री ज़ोरमथांगा ने एमएनएफ की चुनाव में हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पार्टी प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया।

मिचौंग तूफान से तबाही, 20 की मौत

■ वायु सेना हेलिकॉप्टर से पहुंचा रही खाना ■ 72 घंटे से बिजली नहीं, इंटरनेट भी है बंद ■ एक दिन में सबसे ज्यादा 50 सेमी बारिश दर्ज

चेन्नई, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी से 2 दिसंबर को उठा साइक्लोन मिचौंग 5 दिसंबर को आंध्र प्रदेश तट से टकराया। उससे पहले तूफान ने चेन्नई में काफी तबाही मचाई। यहां एक दिन में सबसे ज्यादा 50 सेमी बारिश हुई। बारिश के चलते कई इलाके पिछले दो दिनों से बाढ़ में डूबे हैं। कई इलाकों में 72 घंटे से बिजली नहीं आ रही, इंटरनेट बंद है। भारतीय वायु सेना के हेलिकॉप्टर से बाढ़ में फंसे लोगों तक खाना पहुंचाया जा रहा है। तमिलनाडु में तूफान की वजह से राज्य में 2 दिनों में 3 महीने की बारिश हुई। चेन्नई शहर पानी में डूब गया, जिससे 20 लोगों की मौत हो गई। राज्य के चेन्नई, चेंगलपट्टू, तिरुवल्लूर और कांचीपुरम जिलों में स्कूलों में होने वाली छमाही परिक्षाएं पोस्टपोन कर दी गईं। पीएम मोदी ने एक्स (पहले ट्विटर) पर चक्रवात के चलते जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना जताई। मौसम विभाग के महानिदेशक ने बुधवार को कहा- तूफान

मिचौंग कमजोर हो गया है। अब इससे किसी नुकसान का खतरा नहीं है। उधर, साइक्लोन के चलते ओडिशा में बारिश हो रही है।

राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को द्रमुक के वरिष्ठ सदस्य टीआर बालू ने शक्तिशाली चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण तमिलनाडु और राजधानी चेन्नई में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण हुई तबाही को देखते हुए इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की गयी। श्री बालू ने शून्य काल में कहा कि चक्रवाती तूफान के प्रकोप के कारण तमिलनाडु के कई इलाकों और राज्य की राजधानी चेन्नई में भारी बारिश के कारण भारी नुकसान हुआ है।

स्टालिन ने केंद्र से मांगी 5,060 करोड़ की मदद

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर 5,060 करोड़ रुपए की अंतरिम राहत देने और चक्रवात मिचौंग से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए एक केंद्रीय टीम भेजने की भेजने की अपील की । मिचौंग तूफान के कारण चेन्नई और उसके तीन पड़ोसी जिलों में भारी बारिश हुई। श्री स्टालिन ने कहा कि राज्य सरकार ने भी चक्रवात से हुए नुकसान का आकलन करना शुरू कर दिया है और एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी तथा केंद्र सरकार से अतिरिक्त धन का अनुरोध करेगी। यहां एक आधिकारिक

विज्ञप्ति में कहा गया है श्री स्टालिन ने श्री मोदी को बताया कि चक्रवात के कारण चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में अभूतपूर्व भारी बारिश हुई। इसके कारण सड़कों, पुलों, सार्वजनिक भवनों और अन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान हुआ।

विधानसभा चुनाव जीतने वालों ने छोड़ी सांसदी

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कुल 21 सांसदों को मैदान में उतारा था। इनमें से 12 सांसद चुनाव जीते, जबकि 9 हार गए। जीते हुए 12 सांसदों में से 11 ने बुधवार को लोकसभा सांसद पद से इस्तीफा दे दिया। सिर्फ राजस्थान से चुनाव जीतने वाले बालकनाथ ने अभी इस्तीफा नहीं दिया है। संसद सदस्यता छोड़ने वालों में मध्य प्रदेश से नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल, राकेश सिंह, उदय प्रताप और रीति पाठक हैं। वहीं छत्तीसगढ़ से अरुण साव, रेणुका सिंह और गोमती साय जबकि राजस्थान से राज्यवर्धन सिंह राठौड़, दीया कुमारी और किरोड़ी लाल मीणा शामिल हैं।

तेलंगाना में विधानसभा चुनाव जीते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने भी संसद सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। रेवंत कल तेलंगाना के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। राजस्थान से बीजेपी की तरफ से सात सांसदों ने चुनाव लड़ा। जिनमें बाबा बालकनाथ, किरोड़ीलाल मीणा, दीया कुमारी, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, भागीरथ चौधरी, नरेंद्र

■ सांसदी से अब तक 11 ने दिया इस्तीफा
■ भाजपा के 21 सांसद चुनाव लड़े थे, 12 जीते

खीचड़ और देवजी पटेल शामिल थे। इन सात में से सिर्फ चार ही चुनाव जीत सके। चुनाव जीतने वालों में राज्यवर्धन, बालकनाथ, दीया कुमारी और किरोड़ीलाल का नाम है। राजस्थान से जिन तीन सांसदों ने इस्तीफा दिया है, वे संसद सदस्यता छोड़कर विधानसभा की सदस्यता लेंगे। पार्टी इन तीनों विधायकों को मंत्री पद दे सकती है।

राजस्थान से बाबा बालकनाथ ने सांसद पद से इस्तीफा अभी लोकसभा स्पीकर को नहीं सौंपा है। ऐसे में वह या तो आने वाले दिनों में इस्तीफा देंगे। अगर नहीं देते हैं तो उन्हें विधायक पद छोड़ना पड़ेगा। जहां पर उपचुनाव कराए जाएंगे।

रेवंत रेड्डी आज लेंगे तेलंगाना के मुख्यमंत्री पद की शपथ

रेड्डी ने लोगों को अपने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया

हैदराबाद, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। तेलंगाना के मनोनीत मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य के लोगों को गुरुवार को अपने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। ए. रेवंत रेड्डी ने लोगों को लिखे एक खुले पत्र में उन्हें दोपहर 1.04 बजे एल.बी. स्टेडियम में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया। कांग्रेस नेता ने कहा, तेलंगाना में इंदिराम्मा राज्यम का समय आ गया है जो छात्रों के संघर्ष, शहीदों के बलिदान और सोनिया गांधी की दृढ़ इच्छाशक्ति से बनाया गया था। रेवंत ने पत्र में यह भी कहा, लोकतांत्रिक,

■ दिल्ली में शीर्ष कांग्रेस नेताओं से की मुलाकात

पारदर्शी शासन प्रदान करने और कमजोर वर्गों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं तथा युवाओं के कल्याण के लिए सरकार बनाने के लिए वह 7 दिसंबर को हैदराबाद के एल.बी. स्टेडियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

सोनिया, खड़गे को भी बुलाया

इस बीच, रेवंत ने दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी से मुलाकात की और उन्हें व्यक्तिगत रूप से समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। रेवंत ने कर्नाटक के सीएम सिद्दारमैया, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार, हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू, राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल, अशोक चव्हाण, दिग्विजय सिंह, वीरप्पा मोइली, पी. चिदंबरम और अन्य कांग्रेस नेताओं को भी आमंत्रित किया है।

➤ लोकसभा में बोले गृह मंत्री अमित शाह

जम्मू-कश्मीर ने नेहरू की गलतियों की वजह से समस्याएं झेलीं

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। लोकसभा से जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 को मंजूरी मिल गई। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि जम्मू कश्मीर से संबंधित जिन दो विधेयकों पर सदन में विचार हो रहा है, वे उन सभी लोगों को न्याय दिलाने के लिए लाए गए हैं, जिनकी 70 साल तक अनदेखी की गई और जिन्हें अपमानित किया गया। अमित शाह ने देश के पहले प्रधानमंत्री पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर ने जवाहर लाल नेहरू की

पूर्व प्रधानमंत्री ने सही कदम उठाए होते, तो पीओके हमारा होता

■ कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले जाना थी गलती
■ जम्मू कश्मीर से जुड़े विधेयक लोकसभा में पास

दो गलतियों की वजह से समस्याओं को झेला है। इनमें पहली संघर्ष विराम की घोषणा और फिर कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले जाना शामिल था। यदि जवाहरलाल नेहरू ने सही कदम उठाए होते, तो पीओके हमारा हिस्सा होता। उन्होंने सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों का दर्द समझते हैं तथा एकमात्र ऐसे नेता हैं जिन्होंने पिछड़ों के आंसू पोंछे हैं।

लोगों को न्याय दिलाने के लिए लाए विधेयक

उन्होंने कहा कि मैं यहां जो विधेयक लेकर आया हूं, वह उन लोगों को न्याय दिलाने और उनका अधिकार दिलाने से संबंधित है, जिनके खिलाफ अन्याय हुआ, जिनका अपमान हुआ और जिनकी उपेक्षा की गई। किसी भी समाज में जो लोग वंचित हैं उन्हें आगे लाना चाहिए, यही भारत के संविधान की मूल भावना है। उन्हें इस तरह से आगे लाना होगा जिससे उनका सम्मान कम न हो। अधिकार देना और सम्मानपूर्वक अधिकार देना दोनों में बहुत अंतर है। इसलिए इसका नाम कमजोर और वंचित वर्ग की बजाय अन्य पिछड़ा वर्ग किया जाना जरूरी है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कुछ लोगों ने इसे कम आंकने की भी कोशिश की। किसी ने कहा कि सिर्फ नाम बदल रहा है। मैं उन सभी से कहना चाहूंगा कि अगर हमारे अंदर थोड़ी सी भी सहानुभूति है तो हमें देखना होगा कि नाम के साथ उनका सम्मान जुड़ा है।

शाह ने तथ्यों को तोड़ मरोड़कर पेश किया : अधीर

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के मंत्री और बीजेपी के कई नेता कश्मीर की बात आने पर पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की अनावश्यक आलोचना करने लगते हैं। कांग्रेस नेता ने यहां तक कहा कि इस मुद्दे पर सदन में एक बार पूरे दिन चर्चा करा ली जाए तो 'दूध का दूध और पानी का पानी' हो जाएगा। अधीर ने कहा कि शाह ने तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया।

कांग्रेस के बुलावे पर इंडिया गठबंधन की बैठक हुई

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद इंडिया गठबंधन पर उठ रहे सवालों के बीच 6 दिसंबर गठबंधन की बैठक हुई। मल्लिकार्जुन खड़गे के बुलावे पर हुई इस बैठक में नेताओं ने लोकसभा चुनाव को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में आम आदमी पार्टी, सपा, डीएमके, जेडीयू और आरजेडी समेत 17 दलों के नेता शामिल हुए। इंडिया अलायंस की इस बैठक में कांग्रेस से पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रमोद तिवारी, अधीर रंजन चौधरी, जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल, सैयद नसीर हुसैन, रजनी अशोकराव पाटिल, गौरव गोगोई और सुरेश कोडुक्कुन्निल शामिल हुए हैं। कांग्रेस के अलावा, जिन पार्टियों के नेता इस बैठक में शामिल हुए, उनमें जेडीयू से ललन सिंह, डीएमके से तिरुचि शिवा और टीआर बालू, सीपीआईएम से इलामारम करीम, आरजेडी से डॉ. फैयाज अहमद, समाजवादी पार्टी से डॉ. रामगोपाल यादव, जावेद अली खान और एस टी हसन, एनसीपी से वंदना चव्हाण, आप से राघव चड्ढा, सीपीआई से बिनॉय विश्वम, आईयूएमएल से अब्दुल वहाब और ईटी मोहम्मद बशीर, एमडीएमके से वाइको, आरएलडी से जयंत चौधरी, केरल कांग्रेस (एम) से जोस के मणि, झामुमो से महुआ माजी, एनसी से हसनैन मसूदी, आरएसपी से एनके प्रेमचंद्रन, शामिल हुए।

■ आप, सपा समेत 17 दलों के नेता शामिल हुए
■ कई नेता व्यस्तता की वजह से नहीं हुए शामिल

गोगामेड़ी हत्याकांड के विरोध में राजस्थान बंद

जयपुर, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। श्रीराष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में राजस्थान बंद के आह्वान के तहत बुधवार सुबह राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में बाजार बंद रहे वहीं जगह जगह लोग सड़कों पर उतर आये और टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। बंद का काफी असर देखने को मिल रहा है कि और जयपुर में सी स्कीम , राजा बाजार सहित विभिन्न स्थानों पर

विभिन्न शहरों में बाजार बंद रहे

बाजार बंद है वहीं खातापुरा मोड़ सहित विभिन्न जगहों पर प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी तरह जोधपुर सहित अनेक जगहों पर बाजार बंद है और प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। बंद का व्यापारी सहित अन्य लोगों का समर्थन मिल रहा है।

जांच के लिए एसआईटी गठित

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में दिन दहाड़े श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या कर देने के मामले की सघन जांच के लिए एसआईटी गठित की गई हैं। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने इस मामले की सघन जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) दिनेश एन एम के पर्यवेक्षण में एसआईटी गठित की।

मायावती ने अन्न योजना पर उठाए सवाल

गरीबों को सरकारी अन्न का मोहताज बना दिया

लखनऊ, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की मुफ्त राशन योजना पर कटाक्ष करते हुए बहुजन समाज पार्टी मायावती ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी के चलते देश की 81 करोड़ से अधिक गरीब आबादी का जीवन सरकारी अन्न का मोहताज बनाना संविधान निर्माता बाबा साहब डा भीमराव अंबेडकर के विकसित भारत के सपने को तोड़ने के समान है। डा अंबेडकर की जयंती के मौके पर सुश्री मायावती ने कहा कि रोटी-रोजी के अभाव से ग्रसित 81 करोड़ से अधिक गरीब व जरूरतमन्द परिवारों को पेट पालने के लिए सरकारी अन्न के जीवन पर मोहताज बना देना ना तो देश की आज़ादी का सपना था और ना ही डा. भीमराव अम्बेडकर ने भी कभी ऐसा सोचा था।

मौसम *केदारनाथ धाम में 1 फीट तक बर्फ जमी*

पहाड़ों पर बदला मौसम, जमकर बर्फबारी

बागेश्वर, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में मौसम बदल गया है। राज्य के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का दौर जारी है। केदारनाथ, बदरीनाथ में बर्फबारी के चलते पहाड़ों पर सफेद चादर बिछ गई है। पहाड़ियां चांदी सी चमक रही हैं। केदारनाथ धाम में तो 1 फीट तक बर्फ जम गई है, जिसके कारण वहां चल रहे निर्माण कार्य को रोकना पड़ा है।

इतना ही नहीं केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में रात का तापमान माइनस 8 तक पहुंच गया है, जिसके कारण वहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इसके अलावा उच्च पहाड़ी इलाकों में भी बर्फबारी का दौर जारी है। बागेश्वर जिले में भी बर्फबारी हो रही है। बागेश्वर जिले के कपकोट तहसील के पिंडर घाटी में ऊंचाई वाले स्थानों में बर्फबारी हुई है। बागेश्वर के चिल्ठा चॉप की चोटियां बर्फ से ढक गई हैं। राज्य में तापमान तेजी से गिरता जा रहा है, मैदानी इलाकों में भी

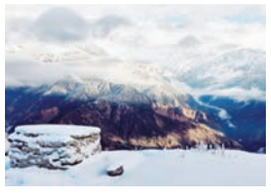

■ रात का तापमान माइनस 8 तक पहुंच गया

तापमान कम होने लगा है। बारिश के साथ ही हिमपात से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ठंड से बचने के लिए लोगों ने गर्म कपड़े पहनने शुरू कर दिए हैं। साथ ही हीटर और अलाव का भी उपयोग कर रहे हैं। मंगलवार को मौसम विभाग ने पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का अलर्ट जारी किया था। जिसके बाद मंगलवार शाम को आसमान में बादल छाए और रात में सभी क्षेत्रों में बारिश हुई। साथ ही जातोली, बैलुनी बुग्याल, फुरकिया और पिंडारी जीरो प्वाइंट में हिमापात हुआ है।

श्रीनगर में पारा शून्य से दो डिग्री नीचे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बुधवार को माइनस 2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ इस मौसम की अब तक की सबसे सर्द रात दर्ज की गई। मौसम विभाग ने कहा कि बुधवार तड़के श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो इस मौसम का अब तक का सबसे कम तापमान है। गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान माइनस 2.2 डिग्री और पहलगाम में माइनस 5.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

उत्तराखण्ड शासन | G20 | आज़ादी का अमृत महोत्सव

DESTINATION UTTARAKHAND
GLOBAL INVESTORS SUMMIT 2023

8th - 9th December, 2023 Dehradun (Uttarakhand) Peace To Prosperity

उत्तराखण्ड में असीम संभावनाओं का अनावरण
आपकी समृद्धि का प्रवेश द्वार

माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड की आर्थिकी और पर्यटन विकास में वृद्धि हुई है। हमारा राज्य व्यापार के लिये सदैव खुला है, जो निवेशकों को व्यापक अवसर प्रदान करता है । सुव्यवस्थित उद्योग की मंजूरी से लेकर निवेशकों को प्रोत्साहित करने तक हम सदैव प्रतिबद्ध हैं । अपने उद्यमों के लिये एक सम्पन्न पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हमारी प्राथमिकता है । आइये मिलकर उत्तराखण्ड के भविष्य को नया आकार प्रदान करें !

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

> "21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभो को लगातार मजबूत कर रहा है।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

IT/ITeS Policy 2023

पात्र परियोजनाएँ/परियोजनाओं के प्रकार

- निम्नलिखित निवेश सीमाओं के साथ आईटी इकाइयाँ/आईटी परिसर/जीसीसी:
- मैदानी क्षेत्र – ईसीए में 9 वर्षों के भीतर 100 करोड़ से अधिक का निवेश और 1,000 कर्मियों का न्यूनतम स्थायी प्रत्यक्ष रोजगार
- पर्वतीय - ईसीए में 9 वर्षों के भीतर 50 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश और 500 कर्मियों का न्यूनतम स्थायी प्रत्यक्ष रोजगार

प्रोत्साहन विवरण

- प्रतिबद्ध निवेश के 25% तक कैपेक्स सब्सिडी
  या
- सरकारी भूमि बैंक से भूमि का आवंटन
  या
- सरकारी भूमि बैंक से भूमि का आवंटन + कैपेक्स सब्सिडी का संयोजन
  (प्रतिबद्ध निवेश के 25% तक सीमित)

संस्थागत समर्थन

1. सिंगल विंडो सिस्टम
2. ईज ऑफ डूईंग बिज़नेस
3. निवेशक सुविधा केंद्र
4. सरकारी भूमि बैंक से भूमि आवंटन

Pumped Storage Policy 2023

पात्र परियोजनाएँ/परियोजनाओं के प्रकार

पम्प भंडारण नीति के तहत पम्प स्टोरेज उत्पादों को सहायता प्रदान जायेगी :

- ऑन-स्ट्रीम परियोजनाएँ - नदी की धारा पर स्थित कम से कम एक भंडारण
- ऑफ-स्ट्रीम परियोजनाएँ - नदी की धारा पर कोई भंडारण स्थित नहीं

नीति में दिये गए दिशानिर्देशों के आधार पर उपरोक्त श्रेणी की परियोजनाएँ आवंटित की जायेगी।

प्रोत्साहन विवरण

छूट

- पीएसपी डेवलपर्स को परियोजना सीओडी से 5 साल की अवधि के लिए इंट्रास्टेट ट्रांसमिशन शुल्क का 50% से अधिक बिल नहीं दिया जाना है। शर्तों के अनुसार परियोजना सीओडी वित्तीय वर्ष 2033-34 के पहले पूर्ण हो।
- स्थानीय क्षेत्र विकास निधि उन परियोजनाओं के लिए ऑफ-स्ट्रीम पीएसपी पर लागू नहीं होगी जहां बिजली राज्य सरकार द्वारा खरीदी जाती है।
- राज्य सरकार, पम्प भंडारण परियोजनाओं से कोई भी मुफ्त रॉयल्टी बिजली एकत्र नहीं करेगी।
- जल कर केवल भंडारण स्थलों में पानी के शुद्ध प्रवेश पर लागू होता है, बिजली उत्पादन के लिए भंडारण स्थलों के बीच पानी के पुनर्चक्रण पर कर लागू नहीं होगा।

भूमि

- निजी भूमि पर स्थानांतरण / निस्तारण की अनुमति आवेदन के 8 सप्ताह के भीतर दी जाएगी।

संस्थागत समर्थन

- राज्य सरकार इस नीति के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार होगी और ऊर्जा सेल द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी।

Drone Policy 2023

पात्र परियोजनाएँ

1. ड्रोन सिस्टम डिज़ाइन और विनिर्माण (डीएसडीएम) उद्यम
2. ड्रोन सक्षम सेवाएँ (डीईएस) उद्यम।

डीएसडीएम और डीईएस उद्यमों के लिए प्रोत्साहन

1. **विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए सब्सिडी,**
   डीपीआर तैयार करने के लिए भुगतान की गई लागत के 50% की प्रतिपूर्ति, तकनीकी/सिविल कार्यों/प्लांट और मशीनरी निवेश में प्रमाणन के साथ अधिकतम सीमा 5 लाख
2. **गैर-मनोरंजक ड्रोन-उपयोग प्रोत्साहन**
   गैर-मनोरंजन / गैर-पर्यटन ड्रोन उपयोग या सेवाओं में शामिल डीईएस उद्यम प्रोत्साहन के लिए पात्र होंगे - विशुद्ध एसजीएसटी भुगतान + नकद प्रोत्साहन, भुगतान किए गए विशुद्ध एसजीएसटी की राशि के बराबर।
3. **सरकारी विभागों द्वारा पायलट परियोजनाओं के लिए समर्थन**
   पायलट कार्यक्रमों के लिए धन की आसान उपलब्धता के लिए राज्य सरकार एक कोष बनाएगी।
4. **लीज रेंटल के लिए सब्सिडी**
   - आईटीडीए अपने स्वयं के भवनों और कार्यालयों में डीएसडीएम और डीईएस उद्यमों को ऐसे भवनों और कार्यालयों में अधिसूचित दरों से 50% छूट पर कार्य स्थान प्रदान करेगा।
   - गैर- आईटीडीए के लिए भी लीज किराये का प्रावधान
5. **राज्य सरकार द्वारा निर्मित 200 करोड़ रुपए के स्टार्टअप वेंचर फण्ड में 15% ड्रोन हेतु ।**
6. **स्थानीय उद्यम को प्राथमिकता**
   ड्रोन की खरीद के लिए, सार्वजनिक और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए ड्रोन-घटक और ड्रोन सक्षम सेवाएँ

क्षमता निर्माण के लिए प्रोत्साहन

1. ड्रोन सीओई के लिए कैपेक्स सब्सिडी ड्रोन सीओई के लिए आईटीआई की स्थापना/नवीनीकरण करने वाले निजी उद्यमों को कैपेक्स सब्सिडी
2. ड्रोन पाठ्यक्रम शुरू करने/ड्रोन स्कूल/आरपीटीओ स्थापित करने के लिए सब्सिडी, ऐसे पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए ड्रोन-उपकरण और ड्रोन-संबंधित सॉफ़्टवेयर लागत पर 50% की कैपेक्स सब्सिडी, प्रति संस्थान 1 करोड़ रुपये की सीमा के अधीन।

अनुकूलित प्रोत्साहन

अनुकूलित पैकेज नीति के तहत लाभ उन ड्रोन निर्माताओं के लिए उपलब्ध है जो न्यूनतम 100 करोड़ रुपये का निवेश करते हैं या संचालन के पहले वर्ष से 250 लोगों या अधिक का प्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न करते हैं।

प्रदेश की समृद्धि में भागीदार बनें

अधिक जानकारी के लिए
investuttarakhand.uk.gov.in
पर लॉग ऑन करें

टोल फ्री
☎ 18003097225

/ukgis2023

QR कोड स्कैन करें

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023
8-9 दिसंबर 2023
वन अनुसंधान संस्थान (FRI), देहरादून

हमारा गारंटी देने का एजेंडा चोरी कर रहे अब दूसरे राजनीतिक दल : केजरीवाल

मुख्यमंत्री ने महापरिनिर्वाण दिवस पर डा. अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी के राउज एवेन्यू रोड स्थित राष्ट्रीय कार्यालय पर बुधवार को महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत कई नेताओं ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को उनके सामाजिक योगदानों के लिए श्रद्धांजलि दी और नमन किया। केजरीवाल ने इस दौरान भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले सिर्फ केजरीवाल गारंटी देता था। अब अन्य पार्टियों ने भी हमारा एजेंडा चुरा लिया। अब वह भी गारंटी देने लगे हैं। लेकिन फ्री शिक्षा की कोई गारंटी नहीं दे रहा है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम केजरीवाल ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर बहुत ही गरीब थे। वह स्कूल जाते तो अपना टाट साथ ले जाते थे। उन्हें अन्य बच्चों के साथ क्लास में बैठकर पढ़ने नहीं दिया जाता था। उन्हें उस घड़े में पानी नहीं पीने दिया जाता था, जिसमें अन्य बच्चे पानी पीते थे। विषम परिस्थितियों में उन्होंने पढ़ाई की और सन 1913 में अमेरिका के कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पढ़ने के लिए चले गए। जो दुनिया की सबसे अच्छी यूनिवर्सिटी में से एक है। इसमें एडमिशन लेना आसान काम नहीं है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि अंबेडकर कितने इंटेलिजेंट थे। जिन्होंने मुश्किल हालातों में पढ़ाई की और कोलंबिया यूनिवर्सिटी में दाखिला पाया था। यहां से उन्होंने पीएचडी की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से दूसरी पीएचडी की। उन्होंने कहा कि हम लोग आम लोग हैं। हम लोग आम आदमी की समस्या समझते हैं। यदि एक परिवार के बच्चे को शिक्षा मिल जाती है तो उसकी कई समस्याएं दूर हो जाती हैं। यदि किसी परिवार के बच्चे को शिक्षा नहीं मिलती है तो आने वाली पीढ़ी पीछे हो जाती है।

केवल आम आदमी पार्टी दे सकती है निशुल्क शिक्षा की गारंटी : केजरीवाल

कोई पार्टी नहीं चाहती कि देश के गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले : मुख्यमंत्री

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि आजादी के 75 सालों में इन लोगों ने मिलकर देश के सरकारी स्कूलों का बेड़ा गर्ग कर दिया। कोई पार्टी नहीं चाहती कि देश के गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले। आज सारी पार्टियों ने हमारा एजेंडा चोरी कर लिया। पहले हम कहा करते थे केजरीवाल की गारंटी देता है। आज अन्य पार्टियों के घोषणा पत्र, संकल्प पत्र अब हर जगह गारंटी दी जा रही है।

मेट्रो में सीट को लेकर दो यात्री आपस में भिड़े

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली मेट्रो में सिर्फ सीट को लेकर दो यात्री आपस में भिड़ गए। दोनों के बीच हाथापाई इतनी बढ़ गई कि मेट्रो कोच में मौजूद लोगों को बचाने के लिए बीच बचाव करना पड़ता है। जारी वीडियो में दो लोगों को एक दूसरे से लड़ते हुए देख सकते हैं। दोनों एक दूसरे को मुक्के ही मुक्के मार रहे हैं। वहीं वहां मौजूद लोग दोनों को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ लोग इस वीडियो को रिकॉर्ड कर रहे हैं। इस वीडियो को अब तक 155000 लाख लोगों ने देखा है और इसके साथ ही रिएक्शन भी दिए हैं। कमेंट करने वाले एक यूजर ने लिखा कि इस तरह के लोगों की मेट्रो में एंट्री बंद होनी चाहिए। दूसरे यूजर ने लिखा कि ये तो सस्ता डब्ल्यूडब्ल्यूई है। वहीं कुछ दिन पहले ही दिल्ली में मेट्रो में जल्दबाजी में ट्रैक पार करने से एक शख्स की दर्दनाक मौत हो गई थी। घटना 12 नंवबर की है। इस घटना का वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया था। मृतक की शिनाख्त उत्तर प्रदेश के कानपुर के रहने वाले भूरा सिंह के रूप में हुई थी। वीडियो वायरल होने पर दिल्ली मेट्रो को बयान जारी करना पड़ा था। इससे पहले दिल्ली मेट्रो में एक कपल के रोमांच का वीडियो सामने आया था। वीडियो में एक युवक और युवती मेट्रो कोच के अंदर यात्रियों के बीच रोमांस कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर दिल्ली मेट्रो के दर्जनों वीडियो वायरल हो चुके हैं। जिसमें अश्लीलता की हदों को पार करने वाले वीडियो भी शामिल हैं। एक शख्स का मेट्रो कोच में टॉयलेट करते हुए भी वीडियो वायरल हुआ था।

निर्माण कार्य में किसी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं : आतिशी

आनंद विहार फ्लाईओवर को अप्रैल तक तैयार करने का दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने बुधवार को आनंद विहार के निर्माणाधीन फ्लाईओवर का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने निर्माण कार्य में चल रही देरी को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने अधिकारियों को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि बचा हुआ काम अप्रैल तक पूरा करें। निर्माण में किसी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दरअसल, अनुमान है कि आनंद विहार के निर्माणाधीन फ्लाईओवर पर प्रतिदिन करीब 1.48 लाख वाहन गुजरेंगे। एक बार सफर करने पर वाहन चालकों का करीब 11.07 मिनट बचेगा।

साथ ही, 42, 700 घंटे प्रतिदिन मैन पावर की बचत होगी। कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन 1.50 लाख टन कम होगा। सालाना 16.57 लाख लीटर ईंधन की बचत होगी और प्रति वर्ष लोगों के 144.78 करोड़ रुपए की बचत होगी। यह फ्लाईओवर पूर्वी दिल्ली को जाम-मुक्त बनाने की दिशा में एक अहम प्रोजेक्ट है। उन्होंने अधिकारियों को बचा हुआ काम तेजी

के साथ पूरा करने को कहा। साथ ही इसका प्रोग्रेस रिपोर्ट हर सप्ताह सौंपने का आदेश दिया।

फ्लाईओवर के निर्माण कार्य के निरीक्षण के दौरान पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि निर्माण तय समय से पीछे चल रहा है जिसके कारण हर दिन हजारों वाहनों को जाम की समस्या से जुझना पड़ता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वर्तमान में इस रोड स्ट्रेच पर प्लानिंग के साथ बेहतर ढंग से ट्रैफिक मैनेजमेंट किया जाए, ताकि यहां आवाजाही करने वालों को कोई परेशानी न हो। उन्होंने विभाग को अपने प्लानिंग और मॉनिटरिंग प्रोसेस को बेहतर बनाने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में किसी भी परियोजना में होने वाली देरी से बचा जा सके।

सार संक्षेप

अमेजन फैशन की वॉर्डरोब रिफ्रेश सेल, आठ दिसम्बर से

नई दिल्ली। सर्द हवाएं धीरे-धीरे करीब आ रही हैं। वहीं अमेजन फैशन की बहुप्रतीक्षित वॉर्डरोब रिफ्रेश सेल अपने 13वें संस्करण के साथ वापस आ गई है। इस सेल के साथ आप अपनी वॉर्डरोब को एक बार फिर से रिफ्रेश कर सकते हैं। यह सेल 8 दिसम्बर से 13 दिसम्बर के बीच आयोजित की जा रही है। इस छह दिवसीय शॉपिंग फेस्टिवल में टॉप इंटरनेशनल और घरेलू फैशन ब्रांडों की एक विस्तृत श्रृंखला पर अनूठी डील्स और ऑफर का लाभ उठा सकते हैं। इन ब्रांड में वैन ह्यूसेन, लिवाइज, वेरो मोडा, एडिडास, प्यूमा, फॉसिल, टाइटन, अमेरिकन टूरिस्टर, मोकोबारा, , ज़ेनेमी, लैक्मे, लोरियल पेरिस, फॉरेस्ट एसेंशियल्स, द बॉडी शॉप आदि शामिल हैं। सौरभ श्रीवास्तव, वाइस प्रेसिडेंट, अमेजन फैशन ने कहा कि हम अमेजन फैशन पर अपनी बहुप्रतीक्षित वॉर्डरोब रिफ्रेश सेल के 13वें संस्करण को पेश करते हुए बेहद रोमांचित हैं। पिछले 12 एडिशन की सफलता के आधार पर, हमने टॉप इंटरनेशनल और घरेलू ब्रांडों का विशाल संग्रह तैयार किया है।

प्लेटिनम इवारा ने लॉन्च की प्लेटिनम ज्वैलरी पीसेज कलेक्शन

नई दिल्ली। साल खत्म होने जा रहा है, यह जश्न, छुट्टियां और खुशियां मनाने का समय है। नए साल के स्वागत में हर सेलिब्रेशन में सबसे ग्लैमरस दिखना चाहते हैं। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए प्लेटिनम इवारा के नए कलेक्शन के प्लेटिनम ज्वैलरी पीसेज़ आपको स्टाइलिश बनाने के लिए तैयार हैं, जो पार्टी के इस सीजन आपके चिक एन्सेम्बल्स को कम्पलीट करने में स्टाइलिश साथी की भूमिका निभाएंगे। प्लेटिनम इवारा की ओर से आईलिंग प्लेटिनम ईयररिंग्स, स्टाइलिंग प्लेटिनम रिस्टवियर, प्लेटिनम नेकवियर स्टाइलिंग, स्टाइलिंग प्लेटिनम रिंग पेश की हैं। सीजन का नया प्लेटिनम इवारा कलेक्शन महिलाओं के लिए शानदार डिजाइन की प्लेटिनम ज्वैलरी पेश करता है, जो देश भर में प्रमुख ज्वैलरी रीटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है।

गोदरेज ने नए होम लॉकर्स की एडवांस रेंज लॉन्च की

नई दिल्ली। गोदरेज सिक्योरिटी सॉल्यूशंस ने दिल्ली-एनसीआर में अपनी होम लॉकर्स श्रेणी का रणनीतिक विस्तार किया है। इस रणनीति के तहत कंपनी ने नवीनतम इनोवेशन की सीरीज की शुरुआत के साथ होम लॉकर की एक बेहतर रेंज-एनएक्स प्रो प्लस, एनएक्स एडवांस्ड और वर्ज सीरीज को लॉन्च किया है।

दिल्ली नगर निगम में रबर स्टांप बन कर रह गया महापौर व नेता सदन का पद : राजा इकबाल

आम आदमी पार्टी के एक वर्ष के शासन पर की कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व महापौर राजा इकबाल सिंह ने दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी के एक वर्ष के शासन पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

राजा इकबाल सिंह ने कहा कि आप पार्टी के शासन में महापौर एवं नेता सदन का पद केवल रबर स्टांप बन कर रह गया है और निगम से संबंधित सभी फैसले दिल्ली के मुख्यमंत्री के रहे हैं। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि आप पार्टी निगम एक्ट 1957 की अवहेलना करते हुए पूर्णत असंवैधानिक तरीके से निगम का कार्य चला रही है। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि निगम इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब आप पार्टी के घमंड एवं अज्ञान के चलते बिना स्थाई समिति एवं अन्य अनिवार्य समितियों के बिना निगम का कार्य चल रहा है। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि आप पार्टी ने निगम की दिल्ली सरकार का दोयम दर्जे का विभाग बना कर रख दिया है। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि आप पार्टी के निगम में एक वर्ष के शासन में निगम द्वारा किए जाने वाले विकास कार्यों रुक गए हैं और गलियों की मरम्मत जैसे छोटे छोटे कार्य भी बंद पड़े हैं। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि आप पार्टी निगम में अनुबंध आधार पर कार्य कर रहे कर्मचारियों को पक्का करने की गारंटी देकर निगम की सत्ता पर काबिज हुई थी लेकिन पक्का करना तो दूर अनुबंधित कर्मचारियों विशेषकर मालियों का अनुबंध का भी नवीकरण नही हुआ है जिससे दिल्ली की कॉलोनियों के बाग बगीचे बदहाल हालत में पड़े हैं। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली की शिक्षा मंत्री अपनी नाकामी छिपाने के लिए निगम विद्यालयों का निरीक्षण कर रही हैं जबकि सच्चाई है कि निगम विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की किताब, कापी, वर्दी कुछ नहीं मिल रहा है।

राजा इकबाल सिंह ने कहा कि एक साल से सामाजिक पेंशन ,विधवा पुत्री विवाह राशि जैसे सामाजिक कल्याण के कार्य बंद पड़े है। पिछले एक वर्ष में आप पार्टी एवं उसके निगम पार्षदों ने बिल्डिंग, लाइसेंसिंग एवं संपत्ति कर विभाग को अवैध उगाही का अड्डा बना रखा है।

■ नई दिल्ली में जानवरों पर क्रूरता के खिलाफ जानवरों की पोशाक पहनकर विरोध प्रदर्शन जताते मर्सी फॉर एनिमल्स के कार्यकर्ता। फोटो इम्तियाज खान

मॉडर्न विद्या निकेतन स्कूल में व्यायाम व खेल अकादमी का हुआ उद्घाटन

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। अकादमी जो हमारे युवा और ऊर्जावान अध्यक्ष वरुण शर्मा का एक ड्रीम प्रोजेक्ट था का उद्घाटन हमारे मुख्य अतिथि पुलेला गोपीचंद (पद्म भूषण) प्रसिद्ध भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी और भारतीय टीम के मुख्य कोच अर्जुन पुरस्कार विजेता एचएस प्रणय, ट्रैक और फील्ड एथलीट और स्वर्ण पदक विजेता ज्योति याराजी, बैडमिंटन गुरुकुल अकादमी की संस्थापक और प्रबंध निदेशक सुप्रिया देवगन द्वारा किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, पुलेला गोपीचंद ने वरुण शर्मा को एक विश्व स्तरीय इनडोर व्यायाम और खेल अकादमी प्रदान करने के लिए बधाई दी और कहा, 'शिक्षा और खेल को संतुलित करने के लिए एमवीएन की प्रतिबद्धता शारीरिक साक्षरता को बढ़ावा देने के साथ पूरी तरह से मेल खाती है।'

दिल्ली जल बोर्ड के रिकॉर्ड के ऑडिट का आदेश

धन के दुरुपयोग के लग रहे हैं आरोप

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक से दिल्ली जल बोर्ड के रिकॉर्ड के ऑडिट का आदेश दिया गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कोई अनियमितता हुई है या नहीं। केजरीवाल ने पत्रकारों से कहा कि धन जारी नहीं होने की स्थिति में आगामी दिनों में दिल्ली में पानी एवं सीवेज संबंधी संकट पैदा हो सकता है। कुछ हफ्ते पहले दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने दावा किया था कि वित्त विभाग द्वारा दिल्ली जल बोर्ड को धनराशि रोके जाने के कारण राष्ट्रीय राजधानी मानव निर्मित जल संकट से जूझ रही है और उन्होंने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी। केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि हमने दिल्ली जल बोर्ड के पिछले 15 साल के रिकॉर्ड का कैग से ऑडिट करने का आदेश दिया है। कैग एक तीसरी पार्टी और देश की सबसे बड़ी एजेंसी है। चीजें अब स्पष्ट हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने अनियमितता की है तो उसे सजा मिलनी चाहिए। अगर कोई अनियमितता नहीं हुई है तो बेबुनियाद आरोप लगाने वालों को पता चल जाएगा। दिल्ली जल बोर्ड में कोष संकट और जारी कार्यों पर इसके संभावित प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर नौकरशाही सरकार के प्रति जवाबदेह नहीं होगी, तो सरकार चलाना असंभव होगा। कोष जारी नहीं होने से जल संकट और सीवर संकट हो सकता है।

दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सोमनाथ भारती ने ऑडिट का आदेश देने के सरकार के फैसले का स्वागत किया। भारती ने कहा कि इससे बेहतर कोई बात नहीं हो सकती। यह दिल्ली सरकार की पारदर्शिता को दर्शाता है कि मुख्यमंत्री ने खुद कैग ऑडिट का आदेश देने का विकल्प चुना। उन्होंने कहा कि यह दिल्ली जल बोर्ड का राजनीतिकरण करने के प्रयास को भी विफल कर देगा। डीजेबी में हम सभी दिल्ली के लोगों की सेवा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं लेकिन भाजपा उन मुद्दों को लाने की कोशिश कर रही है जिनका कोई महत्व नहीं है।

उर्वरकों के बारे में गलत अवधारणाओं को दूर करना जरूरी : कृष्णन

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। दुनिया भर में कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि उर्वरकों ने अनाज की उत्पादकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उर्वरकों के इस्तेमाल के बारे में गलत अवधारणाओं को दूर करना जरूरी है। यह कहना है फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया एफएआई के चेयरमैन एन. सुरेश कृष्णन का। दरअसल, एफएआई 6-8 दिसम्बर के दौरान दिल्ली में 59वें सालाना सेमिनार का आयोजन करने जा रहा है, जिसका विषय 'इनोवेशन इन फर्टिलाइजर एंड एग्रीकल्चर सेक्टर यानि उर्वरक एवं कृषि क्षेत्र में इनोवेशन्स' होगा। इसके मद्देनजर प्रेस सम्मेलन में जानकारी देते हुए कृष्णन ने बताया कि सेमिनार का उद्घाटन केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया करेंगे। उद्घाटन सत्र के दौरान अतिथि भगवंत खुबा, रसायन एवं उर्वरक मंत्री और नवीन एवं नवीकरणीय उर्जा राज्य मंत्री तथा रजत कुमार मिश्रा, सचिव (उर्वरक) विशेष अतिथि होंगे। एफएआई ने कृषि उत्पादकता में सुधार के लिए अनुसंधान एवं विकास में वैज्ञानिकों के योगदान तथा उत्पादन, पर्यावरण प्रदर्शन, सुरक्षा, लघु पोषक तत्वों के विपणन आदि के लिए पुरस्कारों की घोषणा भी की है, जिनका वितरण मुख्य अतिथि द्वारा किया जाएगा। बता दें कि इस कांफ्रेंस के दौरान एफएआई के को-चेयरमैन एस. सी. मेहता, डायरेक्टर जनरल अरविंद चौधरी आदि मौजूद रहे।

■ राजधानी में सेमिनार का आयोजन करेंगा एफएआई

ग्लोबल समिट को भव्य बनाने में प्रशासन ने झोंकी पूरी ताकत

देहरादून, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट की तैयारियां जोर शोर से जारी है। समिट में प्रधानमंत्री और गृहमत्री शिरकत करेंगे। इस वजह से कार्यक्रम को और भी भव्य बनाने की कोशिश की जा रही है। आठ दिसम्बर को उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह के नौ दिसम्बर को समापन कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। इस मामले में उत्तराखण्ड भाजपा संगठन प्रधानमंत्री व अमित शाह के जोरदार स्वागत के लिए पूरी तरह से तैयार है। समिट की तैयारियों में पूरा शासन प्रशासन जुटा हुआ है। एक तरफ राजधानी दून के उस क्षेत्र को जहां से वीआईपी का आना जाना होगा। दून के उस हिस्से सजाने संवारने का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल स्थल एफआरआई के ग्राउंड में समिट की तैयारियां दिन रात की जा रही है। मंच निर्माण से लेकर मेहमान उद्योगपतियों के बैठने के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। पंडाल में डेस्टीनेशन उत्तराखण्ड की झलक दिखाने के लिए तमाम अच्छे व दर्शनीय स्थलों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। प्रधानमंत्री के आने के कारण सुरक्षा एजेंसिया पूरे देहरादून की गतिविधियों पर अपनी नजर गढ़ाए हुए है।

उद्घाटन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री व समापन कार्यक्रम में गृहमंत्री करेंगे शिरकत

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, उत्तर रेलवे, कश्मीरी गेट, दिल्ली-6 निम्नलिखित कार्य के लिए दो पैकेट प्रणाली के अंतर्गत ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:-

1.	कार्य का नाम एवं स्थान	दिल्ली मण्डल के गाज़ियाबाद-मेरठ शहर सेक्शन पर गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण (जी डी ए) की मधुबन बापूधाम योजना के अंतर्गत 45 मीटर चौड़ी सड़क पर कि.मी. 31/21-23 पर समपार फाटक सं. 7-सी/ई-2 के बदले कि.मी. 31/27-29 के बीच परिवर्तित स्थान पर 4 लेन वाले सड़क उपरी पुल का निर्माण (डिपोजिट कार्य)
2.	अनुमानित/निदेशात्मक परियोजना लागत	रुपये 2309.90 लाख
3.	कार्य पूरा करने की अवधि	18 माह
4.	जमा की जाने वाली जमानती राशि	रुपये 13,05,000/-
5.	ई-निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खुलने की तिथि और समय	निविदा दस्तावेज दिनांक 05.12.2023 से 29.12.2023 11:30 बजे तक आईआरईपीएस की वेबसाइट अर्थात् www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
6.	निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि/समय	29.12.2023 को 11:30 बजे तक निविदाकर्ता द्वारा 15.12.2023 से 29.12.2023 तक आईआरईपीएस की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेज अपलोड की जा सकती है।
7.	ई-निविदा खुलने की तिथि एवं समय	11:30 बजे दिनांक 29.12.2023 को खोली जाएंगी। उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी विस्तृत सूचना देखी जा सकती है।

सं0-74-डब्लु/4/1/467/डब्लु.ए./एस.सी. रोड-II दिनांक : 05.12.2023 3817/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पारसौल के परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 46/एस0टी0-एस0डी0एम0-2021 दिनांक 05.10.2021 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है:-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग (वर्ष मे)	मृतक से संबंध
उस्मानपुर	678	ओमवीर पुत्र श्री सुल्लड नि0 ग्राम पारसौल परगना दनकौर तहसील व जिला गौमतबुद्धनगर	श्रीमती गुड्डी	55	पत्नी
			श्री सुमित मलिक	23	पुत्र
मिर्जापुर	678		कु0 आरती	20	पुत्री
पारसौल	204 514		कु0 परी मलिक	13	पुत्री

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड या प्राधिकरण द्वारा अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है उप जिलाधिकारी सदर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 1093/एस0टी0- एस.डी.एम./2023 दिनांक 27.11.2023 स्व0 रमेश पुत्र सेवादास व श्रीमती रज्जो देवी उर्फ राजवती देवी नि0 ग्राम मौहल्ला नयाबास गढी दनकौर परगना, तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु दिनांक 22.06.2019 19.11.2022 हो चुकी है, मृतक के एक पुत्र धर्मवीर व पुत्रवधु स्व0 बबीता पत्नी स्व0 धर्मवीर की मृत्यु दिनांक 29.12.2020 को हो चुकी है, जिसके अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग	मृतक से संबंध
गुनपुरा	435 576 573	स्व0 रमेश पुत्र सेवादास नि0 ग्राम मौहल्ला नयाबास गढी दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर।	श्री जयभगवान	33	पुत्र
			श्री संदीप	27	पुत्र
			श्री गजेन्द्र	22	पुत्र
			कु0 मधु0 पुत्री स्व0 धर्मवीर	08	पुत्री विवाहित
			कु0 प्रिया पुत्री स्व0 धर्मवीर	06	पुत्री विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमशियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गुनपुरा व गौरंगपुर में उप जिलाधिकारी सदर द्वारा प्रस्तुत परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र-578/एस.टी.-एस.डी.एम./2016 दिनांक 22.08.2016 व परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 866 एस.टी.-एस.डी.एम./2023 दिनांक 23.11.2023 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग	मृतक से संबंध
गुनपुरा	420	स्व0 रामपत सिंह पुत्र घिंग्गा व स्व0 विक्रम सिंह पुत्र रामपत व स्व0 विद्याराम पुत्र स्व0 रामपत नि0 ग्राम औरंगपुर परगना दनकौर, तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर हाल नि0 ग्राम ई-95/6 गली न0 6 शारदा कुंआ जगजीत नगर तीसरा पुस्ता घोंडा उत्तरी पूर्वी दिल्ली	श्रीमती रामपाली पत्नी स्व0 रामपत सिंह	61	पत्नी
			देवेन्द्र पुत्र स्व0 रामपत सिंह	44	पुत्र
			कृष्ण पुत्र स्व0 रामपत सिंह	33	पुत्र
औरंगपुर	685 615क 680 682अ 682ब		श्रीमती अंजू पत्नी स्व0 विक्रम सिंह	40	पत्नी
			श्री अरूण चौधरी पुत्र स्व0 विक्रम सिंह	23	पुत्र
			श्री गौरव चौधरी पुत्र स्व0 विक्रम सिंह	14	पुत्र
			आंचल चौधरी पुत्री स्व0 विक्रम सिंह	21	पुत्री
			तन्नू चौधरी पुत्री स्व0 विक्रम सिंह	17	पुत्री
			श्रीमती सरोज पत्नी स्व0 विद्याराम	37	पत्नी
			श्री निखिल चौधरी पुत्र विद्याराम	19	पुत्र

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर या प्राधिकरण द्वारा अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमशियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचि किया जाता है कि ग्राम जगनपुर अफजलपुर में उप जिलाधिकारी, सदर गौतमबुद्धनगर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण प्त्र संख्या 1060/एस0टी0/एस0डी0एम0/2023, दिनांक 07.11.2023 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक स्व0 नत्थू पुत्र स्व0 श्री कलवा निवासी ग्राम नवादा, परगना-दनकौर, तहसील व जिला-गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग
जगनपुर अफजलपुर	964, 965, 967, 968, 963, 952, 969, 962, 960, 961, 967, 997	स्व0 नत्थू पुत्र स्व0 श्री कलवा निवासी ग्राम नवादा, परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती कैलाशी	पत्नी	79 वर्ष
			श्री देशराज सिंह	पुत्र	56 वर्ष
			श्री वीरपाल	पुत्र	51 वर्ष
			श्री प्रेम सिंह	पुत्र	48 वर्ष
			श्री पीतम सिंह	पुत्र	45 वर्ष
			श्रीमती सुगम	पुत्री विवाहित	50 वर्ष
			श्रीमती प्रेमवती	पुत्री विवाहित	41 वर्ष
			श्रीमती अनीता	पुत्री विवाहित	39 वर्ष

उपरोक्त परिवार सदस्यों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व अन्य अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा। यदि उच्च स्तरीय जाँच के कम्र में प्रश्नगत भूमि पर किसी न्यायालय या आदेश द्वारा कृषक का स्वत्त समाप्त होता है अथवा क्षेत्रफल कम किया जाता है तो कम हुए क्षेत्रफल अथवा सम्पूर्ण क्षेत्रफल के सापेक्ष इस वारिसान को स्वतः निरस्त समझा जाये।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

कैपिटल ज़ोन

उवाच

कमल यादव के नेतृत्व में छलेरा, अगाहपुर, मोरना, बरौला, गिझौड़, नयाबास, हरौला, झुंडपुरा सदरपुर आदि के सैकड़ो किसानों ने नोएडा स्थित सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय का घेराव किया। इस मौके पर उन्होंने 6 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा साथ ही सीएम के नोएडा आने पर उनसे 21 सदस्य दल की मुलाकात मुख्यमंत्री से कराने का अनुरोध भी किया :

चौधरी बाली सिंह, किसान एकता संघ

किसानों ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय घेरा

सीएम के नाम दिया 6 सूत्रीय मांग पत्र, बोले अब प्राधिकरण का करेंगे घेराव

नोएडा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। प्राधिकरण की वादाखिलाफी और मांगों को लेकर बुधवार को किसानों ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय का घेराव करते हुए मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में 1976 से 1997 तक के किसानों की समस्या से अवगत कराया गया। सिटी मजिस्ट्रेट ने आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को सीएम तक पहुंचाया जाएगा। हालांकि किसानों ने ये भी कहा कि जल्द ही प्राधिकरण का घिराव भी किया जाएगा। क्योंकि प्राधिकरण सिर्फ लिखित आश्वासन ही देता है।

किसान एकता संघ के चौधरी बाली सिंह, कमल यादव के नेतृत्व में छलेरा, अगाहपुर, मोरना, बरौला, गिझौड़, नयाबास, हरौला, झुंडपुरा सदरपुर आदि के सैकड़ो किसानों ने नोएडा स्थित सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय का घेराव किया। इस मौके पर उन्होंने 6 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा साथ ही सीएम के नोएडा आने पर उनसे 21 सदस्य दल की मुलाकात मुख्यमंत्री से कराने का अनुरोध भी किया।

किसानों की छह सूत्रीय मांग

1997 से पूर्व जिन किसानों की कृषि योग्य भूमि अधिग्रहण की गई थी। उन किसानों को भी उनकी कुल अधिग्रहण भूमिका 10 फीसदी भूमि विकसित कर उनकी आबादी के लिए दी जाए।

साल 1976 से नोएडा प्राधिकरण के गांव की कृषि योग्य भूमि का अधिग्रहण अलग-अलग दर से किया गया। सभी किसानों को 297 रुपए प्रति गज की दर से मुआवजा राशि वितरित की जाए। भूमिहीन किसान व मजदूर जिनकी आजीविका किसानों के कारण चलती थी, जैसे हरिजन कुमार, नाई, धोबिपाल, लोहार आदि परिवारों के सदस्यों को 50 वर्ग गज का आवासीय प्लाट दिया जाए।

जिन किसानों की कृषि योग्य भूमि का अधिग्रहण रोजगार के नाम पर किया गया था। उनके परिवार के एक-एक सदस्य को नौकरी दी जाए। प्राइवेट शिक्षण एवं स्वास्थ्य संस्थानों में किसानों एवं गरीबों के लिए कोटा तय किया गया है। लेकिन प्रशासन कोटा के तहत किसानों एवं गरीबों के बच्चों का दाखिला करवाने के बजाय उन्हीं का उत्पीड़न कर रहे हैं। इसकी गोपनीय जांच कराई जाए। 1976 से 1991 तक के नोएडा प्राधिकरण के फाउंडर गांवों में आबादी निस्तारण प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत किया जाए।

पुलिस गिरफ्त में 3 शातिर बदमाश

नोएडा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। थाना फेस-2 पुलिस ने तीन शातिर बदमाशो को गिरफ्तार किया। तीनों जन सेवा केंद्रों के शटर को तोड़कर चोरी की घटना करते थे। तीनो पहले भी कई बार जेल जा चुके है। जमानत पर बाहर आते ही ये लोग दोबारा से चोरी का करते थे। पुलिस ने इनसे चोरी की मॉल, बाइक और कार बरामद की है। इनकी पहचान शमशाद, अरुण और विकास कश्यप हुई है। तीनों को नोएडा के कुलेसरा बार्डर से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में तीनों बदमाशों ने बताया कि ये रात में बाइक से रेकी करते थे। बाइक चोरी की है जिसे तीनों ने मिलकर डेढ़ साल पहले नवजीवन अस्पताल के पास से चोरी की थी। इसी तरह बरामद किए गए दोनों लैपटॉप कुलेसरा में ही जन सेवा केंद्र तोड़कर चोरी किए थे। वहीं बरामद किया गया मोबाइल और करीब 4.50 लाख रुपये 2 महीने पहले ग्राम छोटी मिलक में एक जन सेवा केन्द्र से चोरी किए थे। इसी पैसों से इको कार खरीदी थी। जिससे ये चोरी की घटना को अंजाम दे रहे थे। इन तीनों पर इकोटेक-3, सेक्टर-39, खोड़ा, सेक्टर-58, बिसरख , फेस-2 में एक दर्जन मुकदमे दर्ज है। पुलिस इनका आपराधिक रिकार्ड भी खंगाल रही है। ये भी देख रही है कि ये तीनों पहले किन-किन मामलों में जेल जा चुके है। पूछताछ में बताया कि ये देररात करीब 1 बजे दुकानों के आसपास रेकी करते थे। इसके बाद शटर तोड़कर सामान चोरी करते थे। सामान को इको कार में रख कर फरार हो जाते थे। जिसे दिल्ली व अन्य स्थानों पर सस्ते दामों पर बेचते थे।

जन सेवा केंद्र को बनाते थे निशाना, चोरी के पैसों से खरीदी थी इको कार

जिले में श्रद्धा के साथ मनाया गया डॉ. अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस

■ जिलाधिकारी समेत सरकारी कार्यालयों में कार्यक्रमों का आयोजन

गाजियाबाद, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। जिले में बुधवार को संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस श्रद्धा के साथ मनाया गया। कलक्ट्रेट में जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने तो नगर निगम में आयोजित कार्यक्रम में निगम अधिकारियों व कर्मचारियों ने डॉ. अंबेडकर को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अंबेडकर गरीबों वंचित ऑन के मसीहा थे उन्होंने संविधान के जरिए इन सबको के अधिकारों के लिए व्यवस्था की वक्ताओं ने कहा कि डॉ आंबेडकर ने देश निर्माण में बहुत बड़ा कार्य किया और वह किसी एक जाति धर्म के नहीं बल्कि समस्त भारत के थे। कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने कहा कि डॉ अंबेडकर ने राष्ट्र निर्माण के लिए बहुत बड़ा कार्य किया जिसे कभी बुलाया नहीं जा सकता उन्होंने कानून के जरिए लोगों के अधिकारों के साथ-साथ दायित्व के निर्वहन की भी व्यवस्था दी। नगर निगम सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों ने डॉ आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव ने कहा कि डॉक्टर अंबेडकर ने राष्ट्र के निर्माण में बहुत कार्य किया था उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वह संविधान को अवश्य ही पढ़े ताकि उन्हें संविधान के मुताबिक अपने अधिकारों और दायित्व के निर्वहन करने के जानकारी हो सके।

कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने कहा कि आज डॉक्टर अंबेडकर को हमें पढ़ने की ज्यादा जरूरत है ताकि हम अपने संवैधानिक अधिकारों के बारे में बेहतर जागरूक हो सके कार्यक्रम का संचालन पशु समाज कल्याण अधिकारी डॉक्टर अनुज कुमार सिंह ने किया इस मौके पर संयुक्त नगर आयुक्त ओमप्रकाश, सहायक नगर आयुक्त श्रीमती रश्मि त्रिपाठी, कर्मचारी नेता अरविंद त्यागी, चोब सिंह, अजय कुमार हरित सम्मान समेत तमाम अधिकारी व कर्मचारी नेता उपस्थित रहे।

सक्रिय क्षय रोगी खोज अभियान में मिले टीबी के 54 नए मरीज

■ करीब 4.31 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई ■ 914 लोगों के बलगम के सैंपल की जांच की गई

नोएडा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अन्तर्गत 23 नवंबर से पांच दिसंबर तक चले सक्रिय क्षय रोगी खोज अभियान में जनपद में टीबी के 54 नए रोगी मिले। सभी को पोर्टल पर दर्ज कर उनका उपचार शुरू कर दिया गया है। जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटीओ) डा. आर.पी. सिंह ने बताया कि घर-घर, अनाथालय वृद्धाश्रम, नारी निकेतन, बाल संरक्षण गृह, मदरसा, नवोदय विद्यालय, कारागार, सब्जी मंडी, फल मंडी, लेबर मार्केट, निर्माणाधीन प्रोजेक्ट, ईंट भट्ठों, स्टोन क्रेशर, साप्ताहिक बाजारों में अभियान चला कर क्षय रोगियों की खोज की गई। इसके लिए 4.31 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई, जिसमें 914 लोगों में टीबी से मिलते-जुलते लक्षण पाए गये। इसके सभी के बलगम की जांच की गई, जिसमें 54 लोग पॉजिटिव पाये गये।

डा. सिंह ने बताया कि अभियान के तहत जनपद की करीब 18.5 लाख आबादी के सापेक्ष करीब 3.92 लाख आबादी की टीबी की स्क्रीनिंग किये जाने का लक्ष्य शासन से निर्धारित किया गया था, जिसके सापेक्ष दो दिसम्बर को लक्ष्य से अधिक करीब 4.31 लाख लोगों की स्क्रीनिंग कर ली गई। जनपद में 195 टीम अभियान में जुटीं। हर टीम में तीन सदस्य रहे। 39 सुपरवाइजरों ने निगरानी की। पीपीएम कोऑर्डिनेटर पवन भाटी ने बताया कि 23 नवम्बर को 42903 लोगों की स्क्रीनिंग की गई, जिसमें टीबी के लक्षणों के आधार पर 38 लोगों के बलगम के सैंपल लिए गये, जिसमें एक पॉजिटिव मरीज मिला। 24 नवंबर को 42143 लोगों की स्क्रीनिंग में 83 लोगों के सैंपल लिये गये, जिसमें तीन मरीज मिले। 25 नवम्बर को 42636 लोगों की स्क्रीनिंग हुई, 76 सैंपल लिये, तीन मरीज मिले। 26 नवम्बर को 40975 लोगों की स्क्रीनिंग में 77 सैंपल लिये गये, एक भी पॉजिटिव नहीं निकला। इसी तरह 27 नवंबर को 45574 लोगों की स्क्रीनिंग की गई, 90 लोगों के बलगम के सैंपल लिये गये, जिसमें पांच नये मरीज चिन्हित हुए। 28 नवंबर को 43439 लोगों स्क्रीनिंग, 91 की सैंपल जांच में सात मरीज, 29 नवंबर को 42074 लोगों की स्क्रीनिंग, 101 लोगों के सैंपल जांच में 11 मरीज, 30 नवंबर को 42683 लोगों की स्क्रीनिंग, 124 सैंपल जांच में 10 मरीज, एक दिसम्बर को 43341 लोगों की स्क्रीनिंग, 99 सैंपल जांच में पांच मरीज, दो दिसम्बर को 46228 लोगों की स्क्रीनिंग, 135 सैंपल जांच में नौ मरीज पॉजिटिव पाये गये। उन्होंने बताया- शासन ने करीब 3.92 लाख आबादी की टीबी की स्क्रीनिंग किये जाने का लक्ष्य दिया था, जिसके सापेक्ष दो दिसम्बर को ही लक्ष्य से अधिक करीब 4.31 लाख लोगों की स्क्रीनिंग कर ली गई।

एक्टिव केस फाइंडिंग अभियान एक नजर में

दिनांक	स्क्रीनिंग	सैंपल	पॉजिटिव
23 नवम्बर	42903	38	01
24 नवम्बर	42143	83	03
25 नवम्बर	42636	76	03
26 नवम्बर	40975	77	00
27 नवम्बर	45574	90	05
28 नवम्बर	43439	91	07
29 नवम्बर	42074	101	11
30 नवम्बर	42683	124	10
एक दिसम्बर	43341	99	05
दो दिसम्बर	46228	135	09
कुल	**431996**	**914**	**54**

दूधेश्वरनाथ वेद विद्यापीठ के छात्र मोहित पांडेय का अयोध्या में राममंदिर के पुजारी के लिए चयन

गाजियाबाद, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। गाजियाबाद के लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। यहां की ऐतिहासिक पीठ दूधेश्वरनाथ मंदिर की दूधेश्वरनाथ वेद विद्यापीठ के छात्र मोहित पांडेय का अयोध्या में राममंदिर के पुजारी के लिए चयन हुआ है। जिस पर मंदिर के महंत नारायण गिरी जी महाराज ने प्रसन्नता व्यक्त की है। साथ ही उन्होंने इसे गाजियाबाद जिले के लिए गौरव का पल बताया है। मोहित पांडेय वे पुजारी हैं जिसके लिए लगभग 3000 हजार पुजारियों के साक्षात्कार हुआ और 50 पुजारियों का चयन किया गया है। इस सभी चयनित सभी पुजारियों को छह माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा उसके बाद नियुक्ति की जाएगी।

महंत नारायण गिरी ने बताया कि कि मोहित सीतापुर का रहने वाले हैं। उन्होंने दूधेश्वरनाथ वेद विद्यापीठ में सात वर्ष तक सामवेद की शिक्षा ली। सामवेद की शिक्षा पूरी होने के बाद आचार्य की पढ़ाई के लिए तिरुपति चले गए। आचार्य की डिग्री लेने के बाद वह पीएचडी की तैयारी भी कर रहे हैं। उन्होंने इस बीच राम मंदिर के पुजारी के लिए भी आवेदन किया था, जिसमें उन्हें सफलता मिल गयी है। महंत नारायण गिरि ने बताया कि इससे पहले आचार्य तयोराज उपाध्याय और आचार्य नित्यानंद को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का आमंत्रण आया है। महंत नारायण गिरि ने बताया कि श्री दूधेश्वर वेद विद्या पीठ आज उत्तर भारत का सबसे बड़ा वेद व कर्मकांड का विद्यालय है। विद्यालय में देशभर के शिक्षार्थी वेद व कर्मकांड की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। विद्यालय उत्तर प्रदेश व भारत का गौरव बढ़ते हुए पूरे विश्व में सनातन संस्कृति का परचम फहरा रहे हैं।

एलिवेटड या पुश्ता रोड को चौड़ा कर एक्सप्रेस वे के भार को किया जाएगा कम

नोएडा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे के विकल्प के तौर पर एक और रास्ता बनाने के लिए विकल्प तलाशने को एक समिति गठित कर दी गई है। एसीईओ की अध्यक्षता में

- **एक्सप्रेस वे के विकल्प के तौर पर रास्ता बनाने के लिए बनाई गई समिति**
- **12 दिन में समिति सीईओ को सौंपेगी रिपोर्ट**

नौ सदस्यीय समिति बनाई गई जिसमें प्राधिकरण, सिंचाई विभाग, पीडब्ल्यूडी, एनएचएआई आदि विभागों के प्रतिनिधि है। यह समिति 10-12 दिन में रिपोर्ट सीईओ को दे देगी।

समिति का हेड एसीईओ संजय खत्री को बनाया गया है। समिति फील्ड में जाकर सर्वे कर बताएगी कि यमुना पुश्ता रोड को चौड़ा किया जाए या इसके ऊपर से एलिवेटेड रोड बनाया जाए। अभी बने नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे के ऊपर भी एलिवेटेड रोड बनाने का विकल्प है। इसके लिए मौके पर कितनी जमीन उपलब्ध है और क्या चुनौतियां होंगी। यह सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। दोनों शहरों के बीच यह यह एक्सप्रेसवे बनाने की तैयारी एनएचआई ने की है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले समय में जेवर में शुरू होने जा रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए दिल्ली व नोएडा से सीधी कनेक्टिविटी दी जानी है। इसको लेकर पिछले दिनों दिल्ली में एनएचएआई ने नोएडा, ग्रेनो, यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों व जिला प्रशासन के साथ बैठक की थी। इस बैठक में एनएचएआई के अध्यक्ष संतोष यादव भी मौजूद थे। एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसको देखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने विकल्प तलाशने की तैयारी शुरू की थी। मार्च में विकल्प तलाश कर रिपोर्ट देने के लिए एजेंसी चयन को टेंडर भी जारी हुआ था। लेकिन फिर यह कवायद रुक गई थी।

डॉग पार्क का सीईओ लोकेश एम ने किया निरीक्षण

यहां बनाया जाएगा स्टेज, दिसम्बर में होगा पहला डॉग शो

नोएडा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। सेक्टर-137 में डॉग पार्क बना हुआ है। इसे 3 एकड़ में बनाया गया है। पार्क में अब डॉग का रखरखाव होगा, इनका पूरा मेडिकल चेकअप भी होगा। इसके लिए सीईओ लोकेश एम पार्क के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए। इसके अलावा डॉग शो के लिए स्टेज बनाया जाए। इस पार्क में दिसंबर में ही डॉग शो का आयोजन भी किया जाए। उनके साथ महाप्रबंधक (उद्यान), उप निदेशक, वरिष्ठ प्रबंधक आदि उपस्थित रहें।

यहां बनी वॉटर बाडी में पानी भरा जाए और डॉग्स के खेलने के लिए उपकरण एवं हर्डल कोर्स बनाने के लिए निर्देशित किया। घूमने आने वाले डॉग के लिए पीने की पानी की व्यवस्था कराई जाए। डॉग पार्क की चारदिवारी पर थीम पेंटिंग कराई जाए। यहां आने वाले लोगों के लिए पार्किंग की व्यवस्था की जाए। पॉड को फिल्टरेशन किया जाए।

इस पार्क को बनवाने में 3.86 करोड़ रुपए खर्च किए गए है। संचालन करने वाली कंपनी इसी पार्क से अपना खर्चा निकालेगी। हालांकि उसे पार्क में विज्ञापन का राइट्स या कमर्शियल एक्टिविटी करने दिया जाएगा। इसके लिए मंथन किया जा रहा है।

देश का पहला प्रमाणित डॉग पार्क तेलंगाना में है। ग्रेटर हैदराबाद में नगर निगम ने इसे बनवाया था। यह पार्क 1.1 करोड़ रुपए की लागत से 1.3 एकड़ क्षेत्र में बनाया गया है। हैदराबाद के पार्क में डाग्स की चिकित्सा संबंधी सेवाओं से लेकर जिम की भी सुविधा है लेकिन अब नोएडा में जो डॉग पार्क बनाया गया है वह अपने आप में एक अनोखा पार्क है।

पार्क में डॉग्स के लिए ये है सुविधा

- बड़े व छोटे डॉग के लिए अलग-अलग स्थान
- डॉग के पीने के लिए वाटर फाउंटेन
- डॉग शेल्टर
- पार्क में आने वाले लोगों के लिए बैंच
- वाटर पौंड
- डॉग के स्थल के लिए रबर टाइल
- डॉग वेस्ट डिस्पोजल स्टेशन
- डॉग के लिए चिकित्सा सुविधा
- तेलंगाना के बाद दूसरा है डॉग पार्क

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम आयोजित

गाजियाबाद, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम अन्तर्गत बुधवार को गाजियाबाद नगर निगम की ओर से शंभू दयाल डिग्री कॉलेज जीटी रोड गाजियाबाद में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में 229 लाभार्थियों द्वारा प्रतिभा किया गया। विधायक अतुल गर्ग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में पूर्व राज्य मंत्री बलदेव राज शर्मा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा श्रीमती मोनिका पंडित, अरुण कुमार यादव अपर नगर आयुक्त, अनिल कुमार अरुण जोनल प्रभारी सिटीजोन, परियोजना अधिकारी डूडा संजय पथरिया, सामुदायिक आयोजिका श्रीमती भानूप्रिया सारस्वत तथा गाजियाबाद नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नोएडा में हुआ भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ

सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने दिखाई हरी झंडी

नोएडा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। नोएडा से बुधवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ सांसद डॉ महेश शर्मा और महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने किया। ग्राम हरौला के प्राथमिक विद्यालय स्कूल में इस यात्रा के चलते भव्य कार्यक्रम और प्रदृशनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सभी ने भारत को हर तरह प्रगति पर ले जाने के लिए प्रतिज्ञा लेकर की। उसके बाद स्थानीय बच्चों में भारत सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लेकर एक प्रस्तुति की और उपस्थित लोगों को जागरूक किया गया।

डॉ महेश शर्मा ने इस सुंदर प्रस्तुति के लिए सभी बच्चों का अभिवादन किया और उनको पुरस्कृत भी किया। इसके बाद गांव की कुछ महिलाओं की गोद भरी और नवजायत बच्चों का अन्नप्राशन भी किया गया। इस मौके पर विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे, जहां पर स्थानीय लोगों द्वारा जानकारी प्राप्त की गई। जिनमे जल शक्ति विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, हस्तशिल्प विभाग, हथकरघा विभाग आदि शामिल थे। डॉ महेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के पास पहुंचने के उद्देश्य से कम कर रही है। इन योजनाओं के प्रति जागरूकता व जन भागीदारी के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रारंभ की गई है। इसके उपरांत सभी ने प्रदर्शनी में लगी गांव की महिलाओं द्वारा मोटा अनाज से बने कई तरह के व्यंजन भी लाए गए जिनको सभी मौजूद अतिथियों ने ग्रहण किया। शाम को ये यात्रा सेक्टर 11 झुंडपुरा के सामुदायिक केंद्र पहुंची। यहां पर राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल का रहना हुआ। यहां भी लाभार्थियों को सरकार की सभी योजनाओं को विस्तार से बताया गया। इस मौक़े पर आयुष्मान कार्ड धारकों को आयुष कार्ड भी दिये गये और सभी स्कीमों के बारे में अधिकारी ने स्थानीय लोगों को विस्तार से जानकारी भी दी गई। अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने बताया कि इस यात्रा के माध्यम मोदी सरकार की सभी स्कीमों का सभी लोगों को ज्यादा से ज्यादा फायदा मिले का उदेश्य है और इस के चलते ये यात्रा पूरे नोएडा में 17 दिसंबर तक रहेगी।

नगर आयुक्त ने किया उत्तरांचल एवं पूर्वांचल भवन का निरीक्षण

समय सीमा के अंदर गुणवत्ता के साथ पूरा हो निर्माण कार्य : विक्रमादित्य मलिक

गाजियाबाद, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य मालिक ने बुधवार को उत्तरांचल एवं पूर्वांचल भवन का किया गया निरीक्षण किया। उन्होंने मुख्य अभियन्ता (निर्माण) को जल्द कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त दल बल के साथ निर्माणाधीन उत्तरांचल एवं पूर्वांचल भवन पहुंचे और निरीक्षण किया। नगर आयुक्त ने बताया कि नन्दग्राम क्षेत्र में 1661.91 वर्ग मीटर भूमि पर निर्माण विभाग द्वारा 14वें वित्त आयोग के अन्तर्गत अंकन 251.43 लाख रू0 की लागत से निर्मित किये जा रहे 03 मंजिला उत्तरांचल भवन (सामुदायिक भवन) बनाया जा रहा है। जिसका आज निरीक्षण किया गया। भवन का ग्राउण्ड फ्लोर 687.00 वर्ग मीटर है, प्रथम तल 587.00 वर्ग मीटर है तथा ग्रीन एरिया 575.65 वर्ग मीटर है। प्रस्तावित भवन पर निर्माण विभाग द्वारा युद्ध स्तर से निर्माण कार्य कराया जा रहा है तथा कार्य माह जनवरी-2024 तक पूर्ण हो जायेगा।

उन्होंने बताया कि उत्तरांचल भवन का निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरान्त जनपद गाजियाबाद में उत्तरांचल समुदाय के निवासियों द्वारा अपने धार्मिक एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन उक्त भवन में किया जायेगा।

नगर आयुक्त मोहननगर क्षेत्र में 1495.9 वर्ग मीटर भूमि पर निर्माण विभाग द्वारा 14वें वित्त आयोग के अन्तर्गत अंकन 261.50 लाख रू0 की लागत से निर्मित किये जा रहे 02 मंजिला पूर्वांचल भवन (सामुदायिक भवन) का निरीक्षण किया गया। उक्त भवन का ग्राउण्ड फ्लोर 622.38 वर्ग मीटर है, प्रथम तल 623.38 वर्ग मीटर है तथा ग्रीन एरिया 308.00 वर्ग मीटर है। प्रस्तावित भवन पर निर्माण विभाग द्वारा निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिसमें फिनिसिंग तथा खिड़कीयों का कार्य संतोषजनक नहीं पाया गया।

नगर आयुक्त ने पूर्वांचल भवन की फिनिसिंग एवं खिड़कीयों के कार्य को गुणवत्तापूर्वक पूर्ण कराये जाने तथा उक्त कार्य को युद्ध स्तर पर पूर्ण कराते हुए निर्धारित समयावधि माह जनवरी 2024 तक पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये। पूर्वांचल भवन का निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरान्त जनपद गाजियाबाद में पूर्वांचल समुदाय के निवासियों द्वारा अपने धार्मिक एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन उक्त भवन में किया जायेगा।

उवाच "

आत्मनिर्भर भारत की तरफ भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बढ़ रहा है। पेपर के मामले हम आत्म निर्भर बने। 2-17 से 2022 तक उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बना है, अब सर्वोत्तम प्रदेश की ओर अग्रसर है। 6-9 दिसंबर 2023 तक इंडिया एक्सपो सेंटर, भारत में हाइव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित पेपरेक्स 2023 में 24 देशों के 600 से अधिक प्रदर्शक हाई-टेक उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन से नंदी काफी प्रभावित हुए:- **नंद गोपाल गुप्ता, मंत्री औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई**

कैपिटल ज़ोन

जिला मुख्यालय पर डॉ. भीमराव अंबेडकर का मनाया गया परिनिर्वाण दिवस

ग्रेटर नोएडा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय के सभागार में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर फूलमाला अर्पण करते हुए उनको श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर नितिन मदान, डिप्टी कलेक्टर चारुल यादव तथा कलेक्ट्रेट के अन्य अधिकारी गण व कर्मचारियों ने भी डॉ भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर फूल माला अर्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। जिलाधिकारी ने बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें बाबा साहब के जीवन से शिक्षा लेनी चाहिए कि दृढ़ संकल्प से विपरीत परिस्थितियों में भी उच्च शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने शिक्षित होकर ही समाज में फैली अनेक कुरीतियों को समाप्त करने का कार्य किया है। इसीलिए सभी को शिक्षित बनना चाहिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, अपर जिलाधिकारी प्रशासन, डिप्टी कलेक्टर चारुल यादव व अन्य अधिकारियों ने भी बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डाला।

यमुना एक्सप्रेसवे पर वाहनों की रफ्तार पर लगेगी लगाम

कोहरे के चलते यमुना एक्सप्रेसवे पर 15 दिसम्बर से 15 फरवरी तक वाहनों की गति घटी

ग्रेटर नोएडा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेसवे पर धुंध और कोहरे के चलते वाहनों की रफ्तार पर लगाम लगने जा रहा हैं। कोहरे में वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण ने टोल प्लाज, प्रवेश व निकास पर पंपप्लेट बांटा जाएगा। 15 दिसंबर की रात 12 बजे से वाहनों की अधिकतम गति 100 किमी प्रति घंटा से घटा कर 75 किमी प्रति घंटा किया गया। भारी वाहनों की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटा किया जा रहा है। गति सीमा का उल्लंघन करने पर वाहनों का चालान किया जाएगा।

यमुना एक्सप्रेसवे पर सर्दी के मौसम धुंध और कोहरे के कारण हादसे होते रहते हैं। ऐसे में यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण ने संयुक्त प्रबंध निदेशक जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड को आदेश जारी किया है कि हादसे को रोकने के लिए वाहनों की गति सीमा कम की जाए। गति सीमा के बोर्ड भी यमुना एक्सप्रेसवे पर लगाया जाए। इसकी सूचना समाचार पत्रों में भी प्रकाशित किया जाए। एक्सप्रेसवे पर लगे डिस्प्ले बोर्ड पर गति सीमा का दिखाया जाए। एक्सप्रेसवे के प्रवेश और निकासी, टोल प्लाज एवं रोड साइड फैसिलिटीज पर लगाए जाए। शनिवार और रविवार को अवकाश के दिन एक्सप्रेसवे पर वाहनों का आवागमन अधिक होता है, इस अवधि में एक्सप्रेसवे के टोल प्लाजा के बूथ पर टोल टैक्स से संबंधित वाहन चालकों को कोई समस्या न हो इसके लिए प्रभावी कदम उठया जाए। यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण की तरफ से कहा गया है कि एक्सप्रेसवे पर लगी रिफ्लेक्टीव टेपो से अधिकतर साइन, रिफ्लेक्षन बहुत कम है, जिसके कारण एक्सप्रेसवे पर अंधेरा रहता है, इससे भी हादसे होते है, इसलिए एक्सप्रेसवे पर तत्काल रिफ्लेक्टिव टेप लगायी जाए। प्रवेश और निकासी पर फॉग लाइट लगाई जाए।

एक्सप्रेसवे पर कोहरे के चलते वाहन चालकों को किया जाएगा जागरूक

यमुना एक्सप्रेसवे में 64 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगेंगे

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक 2 दिसंबर को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में लखनऊ में हुई थी। जिसमें मुख्यमंत्री ने यमुना एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा को लेकर पांच सुझाव दिए थे। यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण ने जेपी इंफ्राटेक को मुख्यमंत्री के आदेश का सख्ती से पालन करने का निर्देष जारी किया है। यमुना एक्सप्रेसवे पर रोउ साइनेज बोर्ड, थर्मोप्लास्टिक पैंट, एक्सप्रेसवे के दोनों किनारों पर रिफ्लेक्टिव लाइट लगाने के लंबित कार्य को पूरा किया जाए। यमुना एक्सप्रेसवे पेट्रोलिंग वाहनों की संख्या को दोगुना किया जाए। एक्सप्रेसवे पर पहले छह पेट्रोलिंग वाहन थे, जिसे बढ़ाकर 12 करने के लिए कहा गया है। एक्सप्रेसवे पर लाइट कामर्षियल व्हीक्लस क्रेन की संख्या दुगुना किया जाए। एक्सप्रेसवे पर 8 क्रेन से बढ़ाकर 16 किया जाए। एक्सप्रेसवे पर पहले ग्रेटर नोएडा से आगरा तक 42 सीसीटीवी कैमरा लगाए गए थे, अब 64 और सीसीटीवी लगाने के लिए कहा गया है। एबुलेंस की संख्या 6 से बढ़ाकर 12 करने के लिए कहा गया है। पूरे प्रदेश में 15 दिसंबर से 31 दिसंबर तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाया जाएगा। एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा पखवाड़ा का आयोजन करने के लिए कहा गया है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ परववाड़ा के तहत छात्राओं ने सखी वन स्टॉप सेंटर का किया भ्रमण

ग्रेटर नोएडा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पखवाड़ा के अन्तर्गत स्कूली छात्राओं के लिए एक दिवसीय एक्सपोजर भ्रमण का आयोजन कराया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी अतुल कुमार सोनी ने बताया कि मिहिर भोज बालिका इंटर कॉलेज, दादरी एवं कु. मायावती बालिका इंटर कॉलेज, बादलपुर की छात्राओं को नोएडा सेक्टर-62 स्थित सखी-वन स्टॉप सेन्टर, गौतमबुद्धनगर का भ्रमण कराते हुए बालिकाओं को परामर्शदाता श्वेता द्वारा केन्द्र की कार्यप्रणाली तथा हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे दी जा रही सुविधाएं जैसे मनो-सामाजिक परामर्श, चिकित्सीय सुविधा, पुलिस सहायता, विधिक सहायता एवं अल्पावास सम्बंधित विस्तृत जानदारी दी गई। बालिकाओं को सोशल सेक्टर की विभिन्न योजनाओं यथा विधवा, वृद्धावस्था, दिव्यांग पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना आदि के बारे में विस्तार से बताया तथा लिंग आधारित हिंसा जैसे- कन्या भ्रूण हत्या, लैंगिक असमानता, बाल विवाह, बाल श्रम, यौन शोषण, दहेज मांग, घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन आदि के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर बालिकाओं से कहा कि किसी भी प्रकार की हिंसा के विरूद्ध आवाज उठाये।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में जाते समय भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का हुआ स्वागत

ग्रेटर नोएडा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी का विकसित भारत संकल्प यात्रा पर खटाना गांव में जाते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशोदिया, जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिया हमारी पार्टी का संकल्प है कि सबसे पीछे के व्यक्ति को लाभ मिले भारत आत्मनिर्भर बनें, तभी भारत विकसित होगा। यात्रा के द्वारा सरकार की योजनाओं का लाभ सभी को मिले उसी के लिए ये भारत विकसित संकल्प यात्रा जनजागरण के गांव-गांव जा रही है। आज प्रधानमंत्री की केन्द्र सरकार व योगी जी प्रदेश सरकार जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके, उसके प्रचार प्रसार में जा रही है। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिशोदिया ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा पूरे भारत में चल रही है। इस यात्रा से लोगों में जनजागृति पैदा हो हम सब देश वासियों का संकल्प भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का पूरा हो। इस अवसर दादरी विधायक तेजपाल नागर, जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी, जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता, दादरी दादरी नगरपालिका अध्यक्ष गीता पंडित, सुशील प्रधान, आशीष वत्स, जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज, सेवानंद शर्मा, धर्मेन्द्र कोरी, मनोज गर्ग, कर्मवीर आर्य, बिजेंद्र प्रमुख, सुनील भाटी, सतेंद्र नागर। विकसित भारत संकल्प यात्रा संयोजक की रवि जिन्दल, राज नागर, संजय भाटी, अमित पंडित, गुरुदेव भाटी, इन्द्र नागर, कपिल गुर्जर, अशोक रावल, विजय रावल, मनोज प्रधान, संजय भाटी, सोमेश गुप्ता, महेश शर्मा, अजय निगम, धर्मेन्द्र भाटी आदि मौजूद रहे।

भाजपा जिला इकाई टीम ने प्रदेश अध्यक्ष का खटाना जाते हुए किया स्वागत

नोएडा एयरपोर्ट चोला और पलवल रेल मार्ग से भी जुड़ेगा

- बोड़ाकी से जेवर एयरपोर्ट को डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से होगा कनेक्ट
- नोएडा एयरपोर्ट का देश का पहला एयरपोर्ट होगा जो रैपिड ट्रेन, रेल मार्ग, बुलेट ट्रेन, मेट्रो और दो एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा

ग्रेटर नोएडा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर को चोला और पलवल से जोड़ा जाएगा। इन रूट की मंजूरी मिल गई है। अब इसकी डीपीआर उत्तर मध्य रेलवे बनाएगा। इससे एयर कार्गो और लाखों लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। बीते सोमवार को कनेक्टिविटी को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने ऑनलाइन बैठक की थी। इसमें जनपद के तीनों प्राधिकरण के साथ एनसीआरटीसी और उत्तर मध्य रेलवे के अफसरों ने शिरकत की थी। इस बैठक में नोएडा एयरपोर्ट को रेलमार्ग से जोड़ने पर चर्चा हुई। यमुना प्राधिकरण पहले रेल मंत्रालय को नोएडा एयरपोर्ट को रेलमार्ग से जोड़ने का प्रस्ताव भेजा था। नोएडा एयरपोर्ट को रेलमार्ग से जोड़ने पर सहमित बन गई। इसके लिए दो रूट बनाए जाएंगे। इसकी डीपीआर उत्तर मध्य रेलवे बनाएगा। जेवर एयरपोर्ट को जोड़ने के लिए पलवल से लाइन आएगी। रेलवे इस पर पहले से काम कर रहा है। पलवल से जेवर एयरपोर्ट वाया खुर्जा तक यह लाइन बनाई जाएगी। इसकी दूरी करीब 55 किलोमीटर है। इसके अलावा नोएडा एयरपोर्ट से चोला रेलवे स्टेशन तक लाइन बनाई जाएगी। यह कॉरिडोर करीब 20 किलोमीटर का होगा। नोएडा एयरपोर्ट दिल्ली हावड़ा रेलमार्ग पर दो जगह चोला और खुर्जा रेलवे स्टेशन पर जुड़ेगा। दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग के बराबर से डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर भी है। चोला रेलवे स्टेशन के पास यह प्रस्तावित नए रेलमार्ग से जुड़ जाएगा।

महिलाओं के अधिकार व उनके हितों पर विधिक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

ग्रेटर नोएडा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर अवनीश सक्सेना जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशन में ऋचा उपाध्याय, अपर जिला जजध्सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में महिला के हितों के संरक्षण हेतु महिला अधिकारों से सम्बन्धित महिला केन्द्रित कार्यक्रम पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिलाओं को उनके अधिकारों एवं पारिवारिक विधिक-विवाह, विवाह-विच्छेद, भरण-पोषण, सम्पत्ति के संबंध में महिलाओं के अधिकार, घरेलू हिंसा संबंधी प्राविधानों, दहेज-मृत्यु, ऐसिड अटैक, अपहरण, रेप, लैगिंक हिंसा, पाक्सों एक्ट संबंधी, कार्यस्थल पर महिलाओं के उत्पीड़न, मातृत्व अवकाश के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी उपलब्ध करायी गयी। इसके अतिरिक्त महिलाओं को समान पारिश्रमिक का अधिकार-समान पारिश्रमिक अधिनियम के अनुसार, अगर बात वेतन या मजदूरी की हो तो लिंग के आधार पर किसी के साथ भी भेदभाव, कार्यस्थल पर छेड़छाड़/यौन उत्पीड़न से संरक्षण का अधिकार, घरेलू हिंसा के खिलाफ अधिकार, कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ अधिकार, मुफ्त कानूनी सहायता का अधिकार, गरिमा एवं शालीनता से जीने का अधिकार, संपत्ति में बराबर का अधिकार आदि के बारे में भी जानकारी उपलब्ध करायी गयी। शिविर में ऋचा उपाध्याय, अपर जिला जज, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनिल कुमार अपर खण्ड विकास अधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता दीपा जैन, कविता नागर, पीएलवीगण बालचन्द नागर, राजीव सिंह अकेला व महिलाएं तथा अन्य लोग उपिस्थत रहे।

शिक्षण संस्थानों के आसपास गांजे पहुंचाने वाले दो तस्कर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। शिक्षण संस्थानों में चोरी की बाइक से गांजे की सप्लाई करने वाले दो शातिर आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों आरोपी गांजे की पुड़िया बनाकर छात्र-छात्राओं को बेचते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन किलो गांजा बरामद किया। यह दोनों आरोपी गांजे की सप्लाई के अलावा छिनैती और चोरी की घटना भी कर चुके हैं। बीटा दो कोतवाली पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपियों को एटीएस गोल चक्कर चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की फर्जी नम्बर प्लेट लगी एक बाइक और 03 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान देवन शर्मा निवासी जिला मधुवनी बिहार, हाल पता रतन विहार पंकज यादव का मकान ग्राम तिलपता थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर और बंटी निवासी ग्राम भरतरी, जिला अलीगढ़ के रूप में हुई है। बीटा दो कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया पकड़े गए आरोपी शातिर किस्म के अपराधी है जो कि स्नैचिंग, चोरी, वाहन चोरी व गांजा तस्करी की घटनाए नोएडा, ग्रेटर नोएडा व दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में करते हैं। पुलिस को धोखा देने की नियत से चोरी की मोटर साईकिल पर फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर अवैध गांजे को पुडिया में रखकर बेचकर अवैध धन अर्जित करते है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में चोरी, स्नैचिंग, वाहन चोरी व गांजा तस्करी की लगभग एक दर्जन से अधिक घटनाएं करना कबूल किया है। पुलिस इनके अन्य आपराधिक इतिहास के बारे में भी जानकारी जुटा रही हैं।

आरोपियों के पास से फर्जी नम्बर प्लेट लगी बाइक व गांजा बरामद

मारपीट के तीन अभियुक्त गिरफ्तार

रबूपुरा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत घर मे घुस कर मारपीट करने वाले तीन अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अनुसार गांव तीर्थली निवासी मोहज्म खां ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कुछ लोग लाठी डंडे, धारदार हथियार व तमंचा से लैस होकर उनके घर मे घुस आए और गाली गलौज करते हुए मारपीट की। जिसमे परिजन चोटिल हो गए थे। पुलिस ने शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त मोबीन पुत्र कदीर, कदीर पुत्र वसीर व अरबाज पुत्र शरीफ निवासी शहीद नगर थाना साहिबाबाद को तीर्थली गांव के समीप से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है आरोपियों के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी 8 को तीनों प्राधिकरण की करेंगे समीक्षा बैठक

ग्रेटर नोएडा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 8 दिसंबर को ग्रेटर नोएडा पहुंच रहे हैं, जो एक निजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के साथ समीक्षा बैठक गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में करेंगे। इसकी तैयारी में तीनों प्राधिकरण के अधिकारी जुट गए हैं। नोएडा अथॉरिटी में लगातार चल रही एसआईटी की जांच रिपोर्ट के बारे में भी सीएम समीक्षा कर सकते हैं। गौरतलब है की नोएडा प्राधिकरण में सीएजी, आयकर, विजिलेंस, एसआईटी के अलावा भी विभागीय स्तर पर जांच चल रही है। इससे अलग शासन स्तर पर मामलों की जांच की जा रही है। वर्तमान में नोएडा में मुआवजा वितरण घोटाले की जांच एसआईटी कर रही है, जिसमें करीब एक हजार करोड़ रुपए ज्यादा की वित्तीय अनियमितता सामने आ सकती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यमुना प्राधिकरण के अंतर्गत बन रहे जेवर एयरपोर्ट के काम को लेकर भी समीक्षा बैठक करेंगे। माना जा रहा है कि जल्द से जल्द इस काम को पूरा करने में यमुना प्राधिकरण और संबंधित कंपनी काम कर रही है। जिससे यहां पर जल्द से जल्द पहली उड़ान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरी झंडी दिखा सकें।

एक निजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भी लेगें हिस्सा

डॉ.भीमराव अंबेडकर के जन्मदिन को बीजेपी कार्यकर्ताओं ने महानिर्वाण दिवस के रूप में मनाया

जेवर, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। क्षेत्र मे बुधवार को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि को बीजेपी कार्यकर्ताओं ने महानिर्वाण दिवस के रूप में मनाया। सभी सरकारी व निजी विद्यालयों मे स्कूली बच्चों को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जीवन व उनके संघर्ष और उनके विचारों के बारे से अवगत कराया गया। बीजेपी कार्यकर्ताओं द्वारा जेवर क्षेत्र मे विभिन्न स्थानों पर सफाई अभियान चलाया। जेवर के उच्च प्राथमिक विद्यालय छातंगा खुर्द के प्रधान अध्यापक ललित कुमार ने बताया कि उनके विद्यालय मे डॉक्टर भीमराव अंबेडकर महानिर्वाण दिवस पर बच्चों को डॉ उनके विचारों से अवगत कराया गया। इस मौके बीजेपी कार्यकर्ता अशोक शर्मा, रवेंद्र शर्मा उर्फ बॉबी, रोहित ठाकुर, मनोज जैन, सतपाल तालान, संजय रावत, रोहित ठाकुर, देवेंद्र आदि मौजूद रहे।

डायट में शुरू हुआ पांच दिवसीय सुरक्षा एवं संरक्षा प्रशिक्षण

दनकौर, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। दनकौर कस्बा स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में बुधवार से पांच दिवसीय सुरक्षा एवं संरक्षा प्रशिक्षण की शुरुआत हुई। इस प्रशिक्षण में अध्यापकों को बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षता के बारे में जानकारी दी जायेगी। प्रशिक्षण के पहले दिन करीब 120 शिक्षकों ने भाग लिया। सभी शिक्षकों को बच्चों की सुरक्षा के बारे में गहनता से समझाया गया साथ ही उनकी उच्च शिक्षा को लेकर भी विचार विमर्श किया गया। डायट प्राचार्य राज सिंह यादव द्वारा प्रशिक्षण की शुरुआत की गई। इस दौरान राजेश खन्ना, धनराज सिंह, ममता शर्मा और शिखा तायल, हरेंद्र कुमार शर्मा, आलेख नागर, अशोक भाटी, योगेंद्र सिंह, श्वेता सिंह अंशु, रजनीश शर्मा, नरेश तेवतिया और सीमा शर्मा समेत अन्य शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

उत्तर प्रदेश अब सर्वोत्तम प्रदेश बनने की ओर है अग्रसर: नन्द गोपाल गुप्ता

ग्रेटर नोएडा, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। इंडिया एक्सपोर्ट सेंटर में पेपरेक्स 2023 का उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई और निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने भारत के कागज उद्योग के बारे में कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक व्यापार परिदृश्य में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए अत्याधुनिक, प्रभावी प्रौद्योगिकियों को लागू करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की तरफ भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बढ़ रहा है। पेपर के मामले हम आत्म निर्भर बने। 2-17 से 2022 तक उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बना है, अब सर्वोत्तम प्रदेश की ओर अग्रसर है। आज इंडस्ट्री के लिए सबसे अच्छा भारत है और भारत में उत्तर प्रदेश है। 6-9 दिसंबर 2023 तक इंडिया एक्सपो सेंटर, भारत में हाइव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित पेपरेक्स 2023 में 24 देशों के 600 से अधिक प्रदर्शक हाई-टेक उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन से नंदी काफी प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश का चौमुखी विकास हो रहा है। इस अवसर पर हर्ष पति सिंघानिया, उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, जेके पेपर लिमिटेड ने कहा कि पेपरेक्स भारतीय पेपर मिल मालिकों के लिए आमने-सामने बातचीत करने के लिए सबसे अच्छी जगह है, जो अपने व्यापार के क्षेत्र को बढ़ाने की दिशा में नई मिलें स्थापित करने या विदेशों में मौजूदा खिलाड़ियों के साथ सहयोग करने पर विचार कर रहे हैं। भारत में कागज की खपत में वार्षिक रूप से 6 से 7 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है और वित्त वर्ष 2026-27 तक 30 मिलियन टन तक पहुंचने की उम्मीद है, जो शिक्षा और साक्षरता पर जोर देने और संगठित खुदरा में वृद्धि से प्रेरित है। यह प्रदर्शनी थोक सौदों, संयुक्त उद्यम, वितरण समझौतों, ज्ञान साझा करने, प्रस्ताव और अवसरों को खोजने के लिए अनेक आपूर्तिकर्ताओं की संभावनाएं प्रदान करता है, और नए स्रोतों और निर्यात गंतव्यों की पहचान करने के लिए अवसर देता है। पेपरेक्स उद्योग के खिलाड़ियों को उनकी खरीद, उत्पादन और आपूर्ति शृंखलाओं को अपग्रेड करने के साथ-साथ नए ब्रांडों, अद्यतन तकनीक, उन्नत मशीनरी और उपकरण और कच्चे माल तक पहुंच प्राप्त करने में सक्षम बनाने में सहायक है। इस प्रदर्शनी में कागज और बोर्ड निर्माता, कागज व्यापारी, प्रिंटर, प्रकाशक, कनवर्टर और कागज पैकेजिंग कंपनियां, कोरगेटेड बॉक्स और संबंधित पैकेजिंग के डिजाइनर, निवेशक और प्रमोटर हिस्सा ले रहे हैं।

- इंडिया एक्सपो सेन्टर में औद्योगिक विकास निर्यात व निवेश प्रोत्साहन मंत्री ने पेपरेक्स का किया उद्घाटन

आधुनिक विपणन की अनिवार्यताएं विषय पर लिखी पुस्तक का हुआ विमोचन

ग्रेटर नोएडा,06 दिसम्बर(देशबन्धु)। लॉयड बिजनेस स्कूल ने कोटलर इम्पैक्ट की एक श्रृंखला, एसेंशियल्स ऑफ मॉडर्न मार्केटिंग (ई.ओ.एम.एम.) नामक बाजार में बहुप्रतीक्षित पुस्तक श्आधुनिक विपणन की अनिवार्यताएंश् का विमोचन किया गया। डॉ. फिलिप कोटलर विपणन पर दुनिया के अग्रणी विशेषज्ञ और विश्व विपणन शिखर सम्मेलन समूह के संस्थापक और अध्यक्ष हैं, साथ ही अन्य उद्यमशील पहलकर्ता भी हैं। सत्र का स्वागत और परिचय प्रो. (डॉ.) वंदना अरोड़ा सेठी प्रमुख, विकास और मुख्य रणनीतिक अधिकारी लॉयड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, ग्रेटर नोएडा ने किया। पुस्तक लॉन्च के अतिथि कनिष्क अग्रवाल, वरिष्ठ निदेशक जज इंडिया सॉल्यूशंस, पार्थ धीरज सिंघा बोस, चीफ ऑफ कमर्शियल ऑफिसर - इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोडक्ट्स एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड थे। तुहिन मुखर्जी कंट्री पार्टनर और एंबेसेडर कोटलर इम्पैक्ट (भारत), डॉ. धीरेंद्र तिवारी, सहायक उपाध्यक्ष, आइडिया आर.एक्स. और सचिन शर्मा, बिजनेस हेड उच्च शिक्षा, एस चंद पब्लिशिंग रहे। पुस्तक में छात्रों को स्थानीय विकास विपणन रणनीतियों की संकल्पना देने के लिए भारत आधारित ढेर सारे मामले के अध्ययन हैं, जो आज बाजार में अपनी तरह की अनूठी रणनीति है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम अट्टा गुजरान में तहसीलदार, बडखल, फरीदाबाद हरियाणा द्वारा प्रस्तुत परिवार सदस्यता प्रमाण दिनांक 16.06.2022 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है:-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग (वर्ष मे)	मृतक से संबंध
अट्टा गुजरान	529	स्व0 शंकर पुत्र स्व0 लखीराम नि0 मकान न0 207/1, गावँ अनखीर नियर सेक्टर-21 डी0 फरीदाबाद, हरियाणा	ज्ञानु	70	पत्नी
			सोनिका	24	पुत्री
			सीमा	21	पुत्री

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड, 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर या प्राधिकरण द्वारा अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमशियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है उप जिलाधिकारी जेवर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 606/एस0टी0- एस.डी.एम./2023 दिनांक 08.09.2023 स्व0 इन्द्रजीत पुत्र हरसरूप नि0 ग्राम पचोकरा तहसील जेवर व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु दिनांक 26.06.2021 हो चुकी है, जिसके अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खाता संख्या	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग	मृतक से संबंध
रबुपुरा	102	64	स्व0 इन्द्रजीत पुत्र हरस्वरूप नि0 ग्राम पचोकरा तहसील जेवर व जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती सुमित्रा	66	पत्नी
पचोकरा	07	94		श्री योगेन्दर	34	पुत्र
				सोनू शर्मा	28	पुत्र
				रीना	27	पुत्री
				उषा	39	पुत्री

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

संपादकीय

नई दिल्ली, गुरुवार 7 दिसम्बर 2023

संस्थापक-सम्पादक : स्व. माया राम सुरजन

किताब के बहाने डॉ कफील को घेरने की कोशिश

साल 2017 में गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण बच्चों की मौत के बाद चर्चा में आए डॉ कफील खान एक बार फिर सुर्ख़ियों में हैं। उनके और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ उस किताब को लेकर मामला दर्ज किया गया है, जो डॉ कफील ने दो साल पहले 'द गोरखपुर हॉस्पिटल ट्रेजेडी : अ डॉक्टर्स मेमॉयर ऑफ़ अ डेडली मेडिकल क्राइसिस' शीर्षक से लिखी और प्रकाशित करवाई थी। लखनऊ के एक व्यापारी मनीष शुक्ला ने पुलिस को की गई अपनी शिकायत में कहा है कि इस किताब के जरिए राज्य सरकार को उखाड़ फेंकने और केंद्र के खिलाफ बातें कही गई हैं। शुक्ला ने आरोप लगाया है, कि लोगों को सरकार के ख़िलाफ़ भड़काने और समाज में विभाजन पैदा करने के लिए डॉ. कफ़ील ख़ान द्वारा लिखी गई किताब बांटी जा रही है।' भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम के उल्लंघन के तहत दर्ज शिकायत के अनुसार, डॉ. कफील खान की किताब उनके समर्थकों को 'धन जुटाने और अपनी बेगुनाही साबित करने के लिये बेची जा रही है।'

एक खबरिया वेबसाइट के मुताबिक मनीष शुक्ला ने बताया है कि उसने चार-पांच लोगों को फोन पर इस साज़िश के बारे में चर्चा करते हुए सुना। जबकि दूसरी वेबसाइट ने शिकायत का संदर्भ देते हुए लिखा है कि मनीष शुक्ला 1 दिसंबर को किसी काम से माताजी की बगिया गए थे। वहां गुमटी के पीछे चार-पांच लोग बातचीत कर रहे थे। वे सभी राज्य सरकार, उनके मंत्रियों व वरिष्ठ अफसरों को लेकर अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। वे कह रहे थे कि 'डॉ कफील ने गुप्त रूप से एक किताब छपवाई है, उसे प्रदेश भर में बांटा जा रहा है। वे लोग को किताब लोकसभा चुनाव से पहले समुदाय विशेष के हर शख्स तक पहुंचाने की बात कर रहे थे और कह रहे थे कि किसी भी कीमत पर सरकार को उखाड़ फेंकना है, चाहे इसके लिए दंगा ही क्यों न करवाना पड़े।' शुक्ला ने कहा कि साजिश करने वाले अपनी बातें सुने जाने की भनक लगते ही मौके से भाग खड़े हुए। इस प्रकरण पर आज़ाद अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर- जो खुद भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे हैं, ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि जानबूझकर परेशान करने के लिए यह एफआईआर दर्ज की गई है और कई ऐसी धाराएं लगाई गई है जो स्वयं मामला दर्ज करने के लिए दी गई तहरीर से ही नहीं बनती हैं। इनमें कूटरचना से जुड़ी धाराएं, 465, 467, 471 और किसी पूजा स्थल को क्षतिग्रस्त करने से जुड़ी धारा 295 शामिल हैं।

श्री ठाकुर ने कहा कि किताब को चोरी-छिपे छपवाये जाने का आरोप भी पूरी तरह गलत दिखाई पड़ता है क्योंकि वह तो ऑनलाइन उपलब्ध है। ऐसा मालूम होता है कि सत्ताधारी पार्टी के विरोध में पुस्तक लिखने के कारण डॉ. कफील के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया है। कृष्णा नगर थाने के एसएचओ जितेंद्र प्रताप सिंह ने भी कहा कि अभी तक किताब में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला है। आज़ाद अधिकार सेना के अध्यक्ष और एसएचओ- दोनों के कथन से साफ़ है कि डॉ. कफील को फिर बलि का बकरा बनाने की कोशिश की जा रही है। वेबसाइट 'द क्विंट' से बातचीत में डॉ कफील खान ने कहा भी कि 'आप देखिए, चुनाव आ रहे हैं और एक पंचिंग बैग की ज़रूरत है। वे ज़ाहिर तौर पर फिल्म के लिए शाहरुख़ खान को तो नहीं छू सकते, लेकिन मेरे ख़िलाफ़ तो कार्रवाई कर सकते हैं।' मालूम हो कि डॉ. कफील ने कुछ दिन पहले ही शाहरुख खान की फ़िल्म जवान का एक हिस्सा अपनी किताब से प्रेरित बताया था और उसके लिये शाहरुख को धन्यवाद भी दिया था।

ये पहली बार नहीं है जब सरकार से असहमत या उसके विरोधी किसी व्यक्ति के ख़िलाफ़ केवल शक या सुनी सुनाई बातों की बिना पर कार्रवाई कर दी गई हो। खुद डॉ कफील अपने कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में महीनों जेल में रहे और फिर अदालत ने बाइज्ज़त उनकी रिहाई का हुक्म दिया। अभी भी कई मामले उनके ख़िलाफ़ चल रहे हैं। सवाल ये है कि उनकी किताब जब दो साल से ऑनलाइन ही सही, बाज़ार में है और ऐसी है कि उससे किसी सरकार को ख़तरा पैदा हो सकता है तो इतने दिन प्रशासन और पुलिस चुप क्यों बैठे रहे? जिस देश में ज़रा ज़रा सी बात पर लोगों की भावनाएं आहत होने के मामले फ़ौरन कायम हो जाते हैं, सरकार के ख़िलाफ़ बोलने वालों को नक्सली या आतंकवादी बता दिया जाता है, क्रिकेट टूर्नामेंट में दूसरे देश की जीत पर लोग बिना देर किये गाली-गलौज करने लगते हैं और उस देश की टीम के कप्तान की पत्नी और बेटी से बलात्कार की धमकी देने लगते हैं, वहां एक 'ख़तरनाक' किताब को दो साल तक क्यों बर्दाश्त किया जाता रहा? क्या शिकायत करने वाले ने उस किताब को खुद पढ़ा भी है या महज खुसुर-पुसुर सुनकर उसने किताब के बारे में धारणा बना ली? या फिर शुक्ला जी को शरलक होम्स समझकर उनकी बात को सच मान लिया गया? कहीं ऐसा तो नहीं कि डॉ. कफील को ताउम्र सलाखों के पीछे न रख पाने की खुन्नस उनकी किताब के बहाने निकाली जा रही हो?

आसमान में सूराख कैसे करेगी कांग्रेस

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

छह दिसंबर 1992 का दिन था, जब ऐतिहासिक बाबरी मस्जिद को तोड़कर, भाजपा की सत्ता की नींव देश में मजबूती से रख दी गई थी। अब उस जगह पर भव्य राम मंदिर बन कर लगभग तैयार है, जिसका उद्घाटन कर अगले कई दशकों तक भाजपा अपनी सत्ता को पक्का बना लेना चाहती है। 1956 के बाद 1992 को बाबा अंबेडकर की दोबारा मौत हुई थी। एक बार स्वाभाविक मृत्यु आने के बाद, दूसरी बार बाबा साहब के सपनों को कुचलकर मौत देने से उन्हें कितनी तकलीफ हुई होगी, यह बताने के लिए वे भौतिक तौर पर उपस्थित नहीं हैं। लेकिन आसपास नजर उठाकर देख लीजिए, गैरबराबरी के शिकार लोगों की तकलीफें उसी पीड़ा को अभिव्यक्त करेंगी, जो डॉ.अंबेडकर और पूरी संविधान सभा के लोगों को हुई होगी। छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद प्रत्यक्ष तौर पर तोड़ी गई थी, मगर उसके साथ-साथ संविधान को भी तहस-नहस किया गया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, भाजपा और यहां तक कि कांग्रेस में भी बहुत से लोग होंगे, जो इस दिन को भारत के लिए गौरवशाली मानते होंगे, मगर आने वाली पीढ़ियां शायद इस बात को समझेंगी कि संवैधानिक मूल्यों को सहेज कर न रख पाने की कितनी बड़ी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है।

अभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म हुए हैं और इसके बाद आम चुनाव की चर्चा तेज हो गई है। पांच में से तीन राज्यों में जीत कर भाजपा अब हैट्रिक की बात करने लगी है। ये हैट्रिक तीन राज्यों की जीत की नहीं, बल्कि सत्ता में लगातार तीसरी बार आने के लिए कही जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने तो इस बार लालकिले से ही ऐलान कर दिया था कि मैं ही अगली बार भी झंडा फहराने आऊंगा। तब विधानसभा चुनाव होने वाले थे और उससे पहले कर्नाटक में भाजपा मात खा चुकी थी, फिर भी श्री मोदी इस तरह के दावे कर रहे थे और अब तो तीन जीतों के साथ यह दावा और पुख्ता हो गया है। हालांकि ये बात तब भी लोकतंत्र के खिलाफ थी और अब भी है कि बिना चुनाव हुए ही, किसी की जीत या सत्ता वापसी की मुनादी कर दी जाए।

दरअसल अब चुनाव में प्रचार और रणनीतियां जमीनी तौर पर कम और दिमागी तौर पर अधिक असर करने वाली बनाई जाने लगी हैं। यह हिटलर के सहयोगी गोएबल्स का तरीका है कि किसी झूठ को सौ बार दोहराओ तो वो सच लगने लगता है। इस समय देश में भी झूठ और सच सब आपस में गड्ड-मड्ड हो गए हैं। फिलहाल सच यही है कि छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस का शोर होने के बावजूद भाजपा जीत गई है। बताया जा रहा है कि इस जीत पर अंदरखाने भाजपा के लोगों को भी यकीन नहीं हो रहा है। मध्यप्रदेश में पिछली बार भी कांग्रेस की जीत हुई थी और उसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत के कारण सत्ता हाथ से निकल गई थी। कांग्रेस को उम्मीद थी कि इस सत्ता चोरी का जवाब जनता उसके हक में देगी। खुद श्री सिंधिया के साथ गए कई पूर्व कांग्रेसियों ने घरवापसी कर ली थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम लेने से बचते रहे। जब

> **कांग्रेस को अगर वाकई देश के लोकतंत्र को बचाना है तो उसे जनता को यह समझाना होगा कि छह दिसंबर 1992 को देश ने क्या खोया है। और इसमें केवल भाजपा की बुराई या श्री मोदी का मखौल उड़ाने से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस को ये भी साबित करना होगा कि उसके शासन में अभी से बेहतर क्या हो सकता है।**

उम्मीदवार खड़े करने की बारी आई तो भाजपा ने सात सांसदों को मैदान में उतारा। इस बीच आदिवासी पेशाब कांड, महाकाल में मूर्तियों का गिरना, तरह-तरह के घोटाले और धांधलियों के कारण भाजपा की छवि खराब हुई। इन सबसे यही समझ आ रहा था कि जीत कांग्रेस को ही मिलने वाली है। लेकिन कांग्रेस की यह उम्मीद झूठी साबित हुई। या तो कांग्रेस अतिआत्मविश्वास और कमलनाथ पर यकीन करने का शिकार हो गई, या फिर जैसा आरोप लगाया जा रहा है ईवीएम की गड़बड़ी के कारण उसे हार मिली। दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ईवीएम में धांधलियों की शिकायत कर रहे हैं। लेकिन एक सच ये भी है कि मध्यप्रदेश में नरोत्तम मिश्रा जैसे नेता भी हार गए हैं। तो क्या ईवीएम की गड़बड़ी भी सोच-समझकर की गई है। ईवीएम को लेकर शिकायतें एक साल की बात नहीं है, हर साल, हर चुनाव में ईवीएम पर कई सवाल उठते हैं। चुनाव आयोग इस पर अडिग है कि ईवीएम में छेड़छाड़ नहीं हो सकती। भाजपा भी ईवीएम को लेकर सकारात्मक है, लेकिन कांग्रेस को शिकायत है और उसे लोकतंत्र पर ईवीएम से खतरा दिखाई दे रहा है तो फिर इस पर केवल रोना रोने से बात नहीं बनेगी। कांग्रेस को जमीन पर उतरकर बड़ा आंदोलन करना चाहिए। और इसका भी जिम्मा राहुल गांधी पर न छोड़कर उन नेताओं को सामने आना चाहिए, जिन्होंने सालों-साल कांग्रेस की सत्ता का सुख भोगा है। अन्ना हजारे से और कोई सबक कांग्रेस ने भले न लिया हो, शहीद होने की मुनादी करते हुए आंदोलन खड़ा करने का सबक तो ले ही लेना चाहिए। अन्ना तो गांधी के नाम को भाजपा के हक में इस्तेमाल कर गए और कांग्रेसी हाथ मलते रह गए। ईवीएम की जगह मतपत्रों से चुनाव करवाने की मुहिम छेड़ते हुए अगर अभी से आमरण अनशन पर बड़े कांग्रेस नेता बैठ जाएं, तो क्या इसका असर देश भर में नहीं जाएगा। राहुल गांधी ने तो 4 हजार किमी कदमों से नाप लिए, क्या दूसरे कांग्रेस नेता आमरण अनशन करने का कष्ट नहीं उठा सकते। अगर केवल समय बिताने के लिए शिकायतें करनी हैं, तब तो कोई बात नहीं। लेकिन अगर वाकई सूरत बदलनी है, आसमान में सूराख करना है तो पत्थर तबियत से उछालना ही होगा।

मध्यप्रदेश में भाजपा अपनी सत्ता बरकरार रखने के साथ छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी सरकार बनाने में कामयाब हो गई। क्योंकि इन दोनों राज्यों में भी भाजपा को बहुत हल्के तरह से कांग्रेस लेती रही। दिल बहलाने को अब आंकड़े पेश किए जा रहे हैं कि कांग्रेस को मिजोरम छोड़ बाकी चारों राज्य मिलाकर 4,90,77,907 और भाजपा को 4,81,33,463 वोट मिले। लेकिन जब खेल सीटों की गिनती का है, तो वहां वोटों की गिनती करने से क्या फायदा। कई बार बुद्धिमान विद्यार्थी सब कुछ जानते हुए भी सही तरह से पांच सवाल हल नहीं करता है और वहीं सामान्य बुद्धि लगाकर कोई औसत छात्र उन्हीं पांच महत्वपूर्ण सवालों पर पूरा ध्यान देकर सही जवाब लिखता है और प्रथम आ जाता है। अब आप शिकायत करते रहिए कि ये उससे होशियार है, लेकिन जहां अंकों की लड़ाई है, वहां अंक ही ज्यादा लाने होंगे, बुद्धि दिखाने से कुछ नहीं होगा। तो मौजूदा राजनीति का एक कड़वा सच यही है कि कांग्रेस अपने गौरवशाली इतिहास, गांधी, नेहरू की विरासत, राहुल गांधी की मेहनत, उनकी जनपक्षधरता सबका लाभ होने के बावजूद जनता की नब्ज पकड़ने वाले मुद्दों को नहीं समझ पाती और भाजपा उन्हीं मुद्दों के आधार पर चुनाव में अधिक सीटें ले आती है। अपनी बुद्धि के कारण प्रथम आने का मौका छात्र ने गंवा दिया और अब भी सही सवाल पर फोकस नहीं कर पा रही है।

कांग्रेस को अगर वाकई देश के लोकतंत्र को बचाना है तो उसे जनता को यह समझाना होगा कि छह दिसंबर 1992 को देश ने क्या खोया है। और इसमें केवल भाजपा की बुराई या श्री मोदी का मखौल उड़ाने से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस को ये भी साबित करना होगा कि उसके शासन में अभी से बेहतर क्या हो सकता है। राहुल गांधी जिस सामाजिक न्याय की बात करते रहे हैं, उसे कांग्रेस के सभी लोगों को एक साथ पूरे देश में प्रचारित-प्रसारित करने की जरूरत है। राहुल गांधी जिस अहंकार को छोड़ने की सलाह श्री मोदी को देते आए हैं, उस सलाह पर कांग्रेस के भी कई नेताओं को अमल करने की जरूरत है।

भाजपा तीसरी बार भी सत्ता में आने का दावा करके मतदान से पहले ही जनता को संदेश दे रही है कि उसका वोट मिले न मिले, सरकार भाजपा की ही बनेगी। ये मामूली चुनौती नहीं है। कांग्रेस केवल शिकायतों के आधार पर इसका मुकाबला नहीं कर पाएगी। पिछले 10 सालों में कांग्रेस ने देख लिया है कि संवैधानिक संस्थाएं, मीडिया और काफी हद तक न्यायतंत्र भी भाजपा के पक्ष में ही झुका हुआ है। तो इस बड़ी चुनौती के लिए जवाब भी बड़ा ही तैयार करना होगा। तीन राज्यों की हार पर मंथन के साथ कांग्रेस यह भी सोचे कि किन वजहों से उसे कर्नाटक और अभी तेलंगाना में जीत मिली। कांग्रेस सोचे कि क्या उन्हीं तरीकों को देशव्यापी तौर पर आजमाया जा सकता है। क्योंकि अब सवाल उसकी जीत का नहीं, लोकतंत्र और संविधान बचाने का भी है।

चुनाव नतीजों के बाद मुख्यमंत्रियों की पसंद पर ध्यान केंद्रित

■ कल्याणी शंकर

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद नये मुख्यमंत्री कौन होंगे, इसे लेकर अटकलें तेज हैं। भाजपा ने तीन और कांग्रेस ने एक राज्य में जीत हासिल की है। मिजोरम में जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) ने सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को हराकर जीत हासिल की है।

हालांकि भाजपा ने उत्तर भारत में खुद को मजबूत कर लिया है, दक्षिण में उसे अभी भी पैर जमाना बाकी है। भाजपा की सफल चुनावी रणनीति ने उसके समर्थकों को एकजुट किया और आंतरिक संघर्षों को कम किया। संसद सदस्यों को उम्मीदवार के रूप में खड़ा करने से पार्टी को तीन प्रमुख राज्यों में आंतरिक तोड़फोड़ को कम करने में मदद मिली।

अपने मजबूत स्थानीय नेतृत्व के कारण कांग्रेस को तेलंगाना में बढ़त मिली। पार्टी को कई नेताओं के दलबदल से भी बहुत फायदा हुआ, जो इसे एक व्यवहार्य दावेदार के रूप में देखने लगे, खासकर कर्नाटक में इसकी सफलता के बाद। एक बार जब यह स्पष्ट हो गया कि यह सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) के लिए एक गंभीर चुनौती है, तो मतदाता कांग्रेस की ओर स्थानांतरित हो गये। भाजपा और कांग्रेस ने चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की। दोनों पार्टियों को यह तय करना होगा कि स्थापित नेताओं को जारी रखना है या नये नेतृत्व की तलाश करनी है। कांग्रेस को तय करना होगा कि रेवंत रेड्डी को नियुक्त किया जाये या किसी नये चेहरे को।

> **कड़े दल-बदल विरोधी कानूनों के बावजूद, विधायकों को पाला बदलने के लिए बड़ी रकम का प्रलोभन दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर जीतने वाली पार्टी की सरकार गिर जाती है। राजनीतिक दल सरकार छीनने के लिए जरूरी विधायकों को खरीदने के लिए भांति-भांति के हथकंडे अपनाते हैं। भाजपा अपनी सफलता से उत्साहित है और चिंतित भी**

भाजपा के पास कई संभावित उम्मीदवार हैं, इसलिए मुख्य सवाल यह है कि नये नियमों को कैसे लागू किया जाये। भाजपा वसुन्धरा राजे, शिवराज सिंह चौहान और रमन सिंह जैसे पुराने नेताओं को चरणबद्ध तरीके से बाहर करने के पक्ष में है, जो अपनी पारी खेल चुके हैं। नये उम्मीदवारों का चयन करते समय एक अन्य महत्वपूर्ण कारक उनकी जाति है। जातियों का विविध मिश्रण आवश्यक है, इसे राजपूतों या अगड़ी जातियों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। साथ ही उनके प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा जायेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनावों में राज्यों के लिए एक उपयुक्त उम्मीदवार चाहते हैं। हैट्रिक लगाने के लिए यह उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उदाहरण के तौर पर मध्य प्रदेश पर नजर डालते हैं। सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्रियों में से एक, शिवराज सिंह चौहान पद पर बने रहने के लिए तैयार हैं। मध्य प्रदेश में एक कार्यक्रम के दौरान, चौहान ने जनता से उनकी राय भी मांगी कि क्या उन्हें निर्वाचित होने पर फिर से मुख्यमंत्री पद के लिए खड़ा होना चाहिए।

मध्य प्रदेश में शीर्ष पद के लिए कई संभावित उम्मीदवार हैं। इनमें तीन केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, फग्गन सिंह कुलस्ते और प्रह्लाद पटेल शामिल हैं, जो कई विकल्प प्रदान करते हैं। पार्टी के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और कमल नाथ सरकार को गिराने में मदद करने वाले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी संभावित उम्मीदवारों की सूची में हैं। राजस्थान में प्रमुख उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे होंगी। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव और अश्विनी वैष्णव, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मंत्री अर्जुन मेघवाल और महंत बालकनाथ भी दौड़ में हैं।

राजवर्धन राठौड़ राजपूत हैं और कई बार कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। सतीश पूनिया ने राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं जब पार्टी सत्ता से बाहर थी। 2023 की शुरुआत में, ब्राह्मण समुदाय से आने वाले दो बार के सांसद सी.पी. जोशी ने पूनिया की जगह राज्य भाजपा अध्यक्ष पद संभाला। गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, नई पीढ़ी के भाजपा नेता, राजस्थान में मुख्य मंत्री पद के संभावित उम्मीदवार हैं।

छत्तीसगढ़ में भी पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह सबसे आगे हैं। 2018 तक 15 वर्षों तक छत्तीसगढ़ पर शासन करने वाले बीएएमएस डॉक्टर रमन सिंह राज्य में पार्टी का सबसे पहचाना चेहरा हैं। 2003 में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बनने से पहले वह केंद्रीय मंत्री थे। हालांकि, पिछले पांच वर्षों में उन्हें दरकिनार कर दिया गया है।

विष्णुदेव साव भी मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। उनकी छवि साफ-सुथरी है वह आरएसएस परिवार से आते हैं और महत्वपूर्ण नेता बनकर उभरे हैं। भरतपुर-सोनहत निर्वाचन क्षेत्र से एक प्रमुख आदिवासी नेता, केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह एक और विकल्प हैं।

कांग्रेस को अपनी ओर से तेलंगाना में पार्टी को एकजुट रखने के लिए एक नेता चुनना होगा। बी.आर.एस. के नेता के.चंद्रशेखर राव, अन्य दलों के सदस्यों को लुभाने की अपनी प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं। ऐतिहासिक रूप से, कांग्रेस ने अपने झुंड की रक्षा करने की क्षमता खो दी है। यह गोवा, कर्नाटक और अन्य राज्यों में दिखाई दिया।

तेलंगाना में रेवंत रेड्डी सबसे संभावित उम्मीदवार हैं। वह मजबूत रेड्डी परिवार से हैं और उनकी कार्यशैली के लिए पार्टी के भीतर से आलोचनाओं के बावजूद उन्हें कांग्रेस नेतृत्व का पूरा समर्थन प्राप्त था। उन्होंने एक छात्र नेता के रूप में ए.बी.वी.पी. से शुरूआत की और शीर्ष पर चले गये।

रेड्डी को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें 2024 में लोकसभा चुनाव में अधिक सीटें जीतना भी शामिल है। हालांकि, उनके लिए अपनी पार्टी को एकजुट रखना अधिक महत्वपूर्ण है। हाल ही में, अस्थिरता की शुरुआत खरीद-फरोख्त से हो चुकी है, जो सरकार बनने के तुरंत बाद शुरू हो जाती है।

कड़े दल-बदल विरोधी कानूनों के बावजूद, विधायकों को पाला बदलने के लिए बड़ी रकम का प्रलोभन दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर जीतने वाली पार्टी की सरकार गिर जाती है। राजनीतिक दल सरकार छीनने के लिए जरूरी विधायकों को खरीदने के लिए भांति-भांति के हथकंडे अपनाते हैं।

भाजपा अपनी सफलता से उत्साहित है और चिंतित भी और इसलिए उसने 2024 चुनावों के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। भाजपा के प्रचंड बहुमत के बाद विपक्षी समूह इंडिया स्थिति का आकलन कर रहा है।

पावन प्रसंग

लोकप्रिय बनिए

चेहरा मनुष्य की आंतरिक स्थिति का दर्पण है, इस कहावत में बहुत कुछ सच्चाई है। चेहरे पर प्रसन्नता और हल्की मुस्कान का बना रहना, इस बात का प्रतीक है कि यह व्यक्ति उलझनों से रहित और सफलताओं की संभावनाओं से भरा-पूरा है। ऐसे ही व्यक्तियों का सान्निध्य लोग पसंद करते हैं। मनहूस शक्ल बनाए बैठे रहने वाले, उदासी-खिन्नता, विपत्ति और असफलता का भाव प्रकट करने वाले चेहरे दूसरों की उपेक्षा का कारण बनते हैं। मनोमालिन्य मतभेद अथवा उलझी हुई गुत्थी प्रसन्न मुख चेहरे से बात की बात में सुलझ जाती है, जबकि उसी बात को तूल देने वाले और गंभीरता लेने वाले लोग उलझन को और भी अधिक बढ़ा लेते हैं। चर्चा के प्रसंगों में जहां तक संभव हो, प्रयत्न, आशा और उत्साहवर्द्धक प्रकरणों को ही आगे रखना चाहिए। आवेश और उत्तेजना से सदा बचे रहा जाए।

लोकप्रियता प्राप्त करने की आकांक्षा का समर्थन ही किया जाना चाहिए और उसके लिए आवश्यक पथ प्रदर्शन भी किया जाना चाहिए। इस संदर्भ में कुछ ध्यान रखने योग्य सूत्र नीचे प्रस्तुत किए जाते हैं- अपनी आकृति चैतन्य और सजग जैसी रखिए। वस्त्रों को स्वच्छ रखिए। मैले-कुचैले, अस्त-व्यस्त, बिना बटन और बिना करीने के कपड़े चाहे वे कीमती ही क्यों न हों, व्यक्ति के आलसी और लापरवाह होने की चुगली करते हैं। वेश- विन्यास और चेहरे की चेष्टा ऐसी अवश्य होनी चाहिए, जिससे स्वच्छता, जागरूकता और व्यवस्था का परिचय मिलता हो। हाथ मटकाना, आंखें नचाना, अकारण हँसना या ऐसी भाव-भंगिमा जो सभ्योचित न हो, नहीं अपनाई जानी चाहिए। दांत से नाखून चबाना अकारण बार-बार सिर या कोई अंग खुजाने की क्रिया कई लोगों को आदत पड़ जाती है। ये बातें दूसरों पर ऐसा असर डालती हैं, जिससे व्यक्तित्व का मूल्य गिर जाता है। लोकप्रियता के लिए प्रथम व्यवस्था हमें यह जुटानी चाहिए कि अपनी वेशभूषा एवं आकृति-प्रकृति में सज्जनता और शिष्टता का आवश्यक पुट विद्यमान रहे।

शालीनता और सज्जनता आत्मप्रशंसा की आदत बुरी है, इससे अपना घटियापन प्रकट हो होता है। इसी प्रकार दूसरों की कमियों, भूलों एवं असफलताओं को बार-बार चर्चा करना यह बताता हैकि उनको तिरस्कृत एवं लांछित किया जा रहा है। अपनी सफलता की बात की बढ़ा चढ़ा कर चर्चा करना अपने अहंकारी होने का प्रतीक है।

अपने को उपयोगी सिद्ध कीजिए। लोग आमतौर से उसकी ओर आकर्षित होते हैं, जिससे कुछ आशा होती है या प्रसन्नता मिलती है। लोग आपके पास आएं और प्रसन्नता लेकर जाएं, ऐसा वातावरण बनाए रहना चाहिए और यथासंभव ऐसे साधन भी प्रस्तुत करने चाहिए। लोग आपको उपयोगी और समय पड़ने पर कुछ सहायता कर सकने वाला समझें। केवल गप्पें हांकने, विदूषक बनने बेकार में मारे-मारे फिरने, दोस्तीबाजी में पैसे उड़ाने,झूठी उम्मीदें दिलाने जैसे उपायों से सस्ती लोकप्रियता प्राप्त की जाती है, वह ठहरती नहीं। उथले प्रयत्नों का कभी गहरा प्रभाव नहीं हो सकता।

हमारा व्यक्तित्व ऐसा होना चाहिए जो दूसरों की अपेक्षा अधिक विशेषता लिए हुए हो। आवश्यक नहीं कि धन,विद्या या पद में ही हम दूसरों से बड़े हों। यदि चरित्र, नम्रता, प्रामाणिकता, सज्जनता की दृष्टि से भी हम अपनी श्रेष्ठता सिद्ध कर सकें तो निस्संदेह लोकप्रियता बढ़ती जाएगी। मित्रों तथा प्रशंसकों की संख्या बढ़ेगी। जो व्यक्ति जितना लोकोपयोगी बनता जाता है, उतना ही लोकप्रिय बनता जाता है।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

वसुंधरा राजे क्या विद्रोह कर पाएंगी?

भाजपा में माननीय मोदीजी ने तमाम संवैधानिक नियमों को धीरे-धीरे विलोपित कर अपनी तानाशाही कायम की है। उदाहरण स्वरूप केंद्रीय मंत्रियों के अधिकार अपने पास रखें हैं वे नाम मात्र के मंत्री हैं। स्वायत्तता संस्थाओं,जांच एजेंसियों को गुलाम बना रखा है। मीडिया की हालत पतली कर रखी है। अब मुख्यमंत्रियों पर भी गुजरात मुख्यमंत्री की तरह शिकंजा कसने की तैयारी है। यह पूरी तरह जाहिर है कि शिवराज सिंह मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री होने का अधिकार रखते हैं किंतु वे मोदीजी के आगे सज़दा हैं और कहने लगे हैं मैंने मुख्यमंत्री बनने के लिए भाजपा को नहीं जिताया जबकि वे सभाओं में खुलेआम कहते रहे हैं मैं मुख्यमंत्री बनूं या नहीं। जनता हुंकार भरती रही। हां, अब वे अपने कमज़ोर ज़मीर के कारण पीछे हटने की बात कर रहे हैं।

दूसरी ओर राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के तेवर शुरु से ही सख्त रहे हैं उन्होंने मोदीजी की कई बार उपेक्षा भी की है। उसका कारण राजस्थान की ज़मीन पर उनकी अच्छी पकड़ है और सामंती अंदाज़ भी। जैसा कि सुना जा रहा कि यहां मोदीजी नए चेहरे की तलाश में हैं। उनके मुकाबले उन्होंने दीया कुमारी को जो राजघराने से ताल्लुक रखती हैं मैदान में उतारा था। लेकिन संघ की ओर से गोरखपंथी बाबा बालक दास का नाम आना बड़ा दुविधा उत्पन्न कर रहा है। इस केन्द्रीय ख़बर ने वसुंधरा को और मज़बूती से प्रतिरोध के लिए उकसाया है। उन्होंने अपने विधायक दल की बैठक बुलाई जिसमें 70 समर्थक मौजूद रहे। नियमानुसार उनका हक़ बनता है कि वे सत्ता पर काबिज हों।

यह सब देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि केंद्र और राज्य के अधिकारों को लेकर वसुंधरा यदि अपनी दम-खम दिखाती हैं और उन्हें फायदा मिलता है तो शायद शिवराज सिंह भी संघ का सपोर्ट लेकर प्रदेश में विधायकों को मुखर कर सकते हैं। यदि यह मुनासिब न हो पाता है तो पक्का मानिए मोदीजी के खिलाफ़ बहुत से नाराज़ लोग भाजपा का एक नया गठबंधन बना सकते हैं। इनकी अगुवाई हेतु नितिन गडकरी आ सकते हैं केन्द्र से असन्तुष्ट मंत्री भी साथ हो जाएं तो आश्चर्य नहीं।

बहरहाल सारा दारोमदार वसुंधरा राजे के ऊपर निर्भर है। वे भी सरेंडर करती हैं या मुख्यमंत्री बनने संघर्ष करती हैं। यह संगीन मामला है किंतु वे यदि जनता के मतों के सम्मान में विद्रोह कर पाती हैं तो लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षार्थ वे एक मिसाल बनेंगी।

-सुसंस्कृति परिहार

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770 ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

इटली में प्रस्तावित पेंशन कटौती के खिलाफ डॉक्टरों की हड़ताल

रोम। बेहतर कामकाजी परिस्थितियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर हजारों डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने इटली में 24 घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल की। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने मंगलवार को 2024 के बजट बिल में प्रस्तावित पेंशन कटौती का भी विरोध किया, जिसे सरकार ने अक्टूबर में मंजूरी दे दी थी और अब संसद द्वारा मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है।

गाजा में कोई सुरक्षित जगह नहीं : दुजारिक

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने कहा, यूएन नामित क्षेत्र भी सुरक्षित नहीं

संयुक्त राष्ट्र, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि गाजा में कोई भी सुरक्षित क्षेत्र नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को यह बात कही। श्री दुजारिक ने एक ब्रीफिंग में कहा गाजा में संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित कोई सुरक्षित क्षेत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि महासचिव सहित मेरे सभी वरिष्ठ सहयोगियों ने बहुत स्पष्ट कहा है कि गाजा में कोई सुरक्षित स्थान नहीं है,। ऐसे आश्रय स्थल हैं जो संयुक्त राष्ट्र का झंडा फहराते हैं। लेकिन हमने संघर्ष की शुरुआत से देखा है कि वे स्थान जो संयुक्त राष्ट्र का झंडा फहराते हैं वे भी सुरक्षित नहीं हैं। श्री दुजारिक ब्रीफिंग के दौरान अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर की टिप्पणी के संबंध में एक

सवाल का जवाब दे रहे थे कि गाजा में लोगों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित जगहों में जाना चाहिए जो कि इजरायली सूची में विसंघर्ष क्षेत्र के रूप में सूचीबद्ध हैं जो सैन्य अभियानों का लक्ष्य नहीं होना चाहिए।

छापे में 3 बम बनाने वाली लैब मिली : इजरायली सेना

इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने बुधवार को कहा कि मेनाशे क्षेत्रीय ब्रिगेड, डुवदेवन इकाई, लोटार और सीमा पुलिस के जवानों ने वेस्ट बैंक के जेनिन शरणार्थी शिविर में रात भर अभियान चलाया, जिसमें 10 वांटेड फिलिस्तीनियों को हिरासत में लिया गया। इस दौरान दो सुरंग शाफ्ट और तीन बम बनाने वाली लैब का भी पता चला। इस दौरान कई हथियार और अन्य उपकरण जब्त किए गए। आईडीएफ ने कहा कि इजरायली सैनिक क्षेत्र में फिलिस्तीनी बंदूकधारियों के साथ भिड़ गए।

यमन से दागी गई मिसाइल को आईडीएफ ने लाल सागर के ऊपर रोका

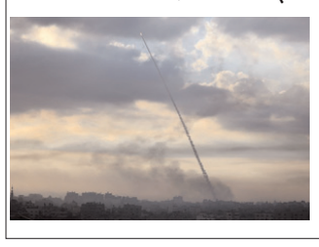

तेल अवीव। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने बुधवार को कहा कि सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल को सैनिकों ने लॉन्ग-रेंज ऐरो एयर डिफेंस सिस्टम का उपयोग करके लाल सागर के ऊपर रोक दिया था। माना जा रहा है कि मिसाइल को यमन से लॉन्च किया गया था। द टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना से दक्षिणी शहर ईलात में सायरन बज गया, हालांकि आईडीएफ का कहना है कि मिसाइल ने इजरायली हवाई क्षेत्र में प्रवेश नहीं किया। आईडीएफ ने कहा, टारगेट इजरायली क्षेत्र में नहीं घुसा और इससे नागरिकों को कोई खतरा नहीं हुआ। प्रोटोकॉल के अनुसार अलर्ट एक्टिव कर दिया गया था।

राहत गलियारे के प्रस्ताव के लिए साइप्रस के राष्ट्रपति ने मिस्र, जॉर्डन का किया दौरा

निकोसिया, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलाइड्स ने साइप्रस से गाजा तक राहत पहुंचाने के लिए समुद्री गलियारे की स्थापना की अपनी पहल को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को मिस्र और जॉर्डन का दौरा किया। यहां राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि क्रिस्टोडौलाइड्स ने जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय के साथ परामर्श के लिए अम्मान जाने से पहले काहिरा में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी के साथ बातचीत की। क्रिस्टोडौलाइड्स ने गाजा को सहायता के निरंतर हस्तांतरण के लिए एक गलियारा स्थापित करने और क्षेत्र में शांति की बहाली के लिए अन्य देशों के साथ काम करने के लिए साइप्रस की तत्परता दोहराई। क्रिस्टोडौलाइड्स की योजना अंतरराष्ट्रीय मानवीय सहायता के लार्नाका बंदरगाह पर प्रेषण और भंडारण और दक्षिण में लगभग 370 किमी दूर फिलिस्तीनी एन्क्लेव में इसके हस्तांतरण का प्रावधान करती है।

सुडोकू 6398

4		7		6				
			4				1	9
1	2							6
			7	8				
7	8		5		2		6	3
				4	3			
2							9	8
5	9				7			
				3		6		7

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6398

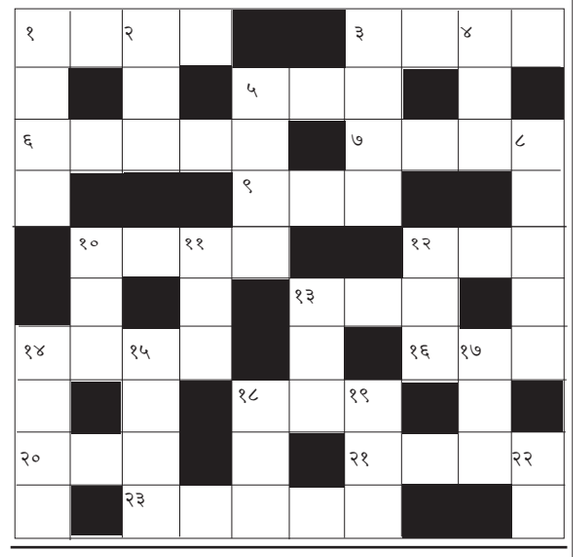

बायें से दायें:-

१. वाक्य की बनावट, रचना, लिखने का ढंग (उर्दू)
३. ऐसा जीव जो पौधे या प्राणी को अन्य किसी पौधे या प्राणी पर या उसके अंदर रहता है और उसी को अपना आहार प्राप्त करता है
५. प्रश्न (उर्दू)
६. एक लिपि जिससे हिन्दी, संस्कृत, मराठी आदि भाषाएं लिखी जाती हैं
७. एक फल जिसे सब्जी आदि में डाला जाता है, तता चटनी भी बनती है
९. निर्माण, रचना
१०. बद्दुआ, शाप
१२. सुबह, रात की समाप्ति
१३. जिसके पति की मृत्यु हो गई हो
१४. जंगलों में निवास करने वाला
१६. काल, अवसर
१८. भेद, फासला, फर्क
२०. महिना, साल का भाग
२१. सरोवर
२३. आदेश की अवहेलना (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. अराध्य देव
२. निवास करना, मौजूद होना
३. सेना, फौज
४. साहस, बहादुरी, हिम्मत
५. जमीन पर रेंगने वाले प्राणी
८. सूर्य पुत्र, कर्ण
१०. इकट्ठा करना, कमाना
११. साधुवाद, वाहवाही
१२. घर, मकान, रहने की जगह
१३. जिसका अंत हो गया हो, विरक्त, लीन, मग्न
१४. अधीनस्थ
१५. वेश्या
१७. शंकर, शिव
१८. आकाश, गगन
१९. रात्रि
२२. कुबेर, कुबेर के सेवक

वर्ग पहेली-6397

१ म	स	२ ख	रा			३ वि	मा	४ नि	त
णि		प		५ मो	ह	क		जीं	
६ बं	द	र	गा	ह		७ ल	ब्ध	व	८ र
ध		दा		१९ पा	त्र	ता			वि
	१० प	र	११ व	श			१२ अ	त्य	न्त
	ह		र्ण		१३ प्र	ति	भा		न
१४ मू	ल	१५ ध	न		वा		१६ व	१७ ल	य
ल्यां		न्य		१८ ब	ह	रा		ल	
२० क	ले	वा		ढ़ि		२१ क्ष	यं	क	२२ र
न		२३ द	कि	या	नू	स			द्र

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : गुरूवार 7 दिसम्बर, 2023 अगहन कृष्ण पक्ष 10

राशिफल

मेष - आप का दिन आर्थिक एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण से लाभदायी है। धन लाभ के लिए आप लंबी अवधि का निवेश करने की योजना बनाएंगे। यदि आप व्यापार के साथ जुड़े हुए हों, तो उसके विस्तार की योजना बना पाएंगे।

वृषभ - आज परिश्रम की अपेक्षा कम फल प्राप्त कर सकेंगे। फिर भी आप दृढ़तापूर्वक अपना काम आगे बढ़ा सकेंगे। आप अपने व्यवहार और वाणी से लोगों को प्रभावित कर सकेंगे। उनकी तरफ से लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

मिथुन - अत्यधिक इमोशन आपके मन को विचलित रखेंगे। आपको पानी वाली जगहों पर जाने से आज बचना चाहिए। कोई महत्वपूर्ण डिसीजन लेने में आपको दिक्कत होगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क - आज आपका दिन शुभ रहेगा। नए काम शुरू ना करने की आपको सलाह दी जाती है। दोस्तों एवं परिजनों से मुलाकात होगी। दोस्तों से सुख एवं आनंद की प्राप्ति होगी।

सिंह - आज का आपका दिन मध्यम फलदायी कहा जा सकता है, परंतु आर्थिक रूप से लाभदायी रहेगा। खर्च अधिक होगा, लेकिन इनकम भी बनी रहेगी। दूर रहने वाले रिश्तेदारों से कोई अच्छा संदेश मिल सकता है।

कन्या - आपका दिन लाभदायी है। वैचारिक समृद्धता बढ़ेगी। आप अपने व्यवहार से लाभ प्राप्त कर सकेंगे। दोस्तों से मेलजोल बना रहेगा। व्यापार के लिए आज का दिन लाभदायी है। आप का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मन खुश रहेगा।

तुला - आपको अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा। असंयमित विचार आपको परेशानी में डाल सकते हैं। दुर्घटना से सावधान रहें। खर्च अधिक रहेगा। व्यापार में ज्यादा गुस्से से आज उग्र विवाद हो सकता है।

वृश्चिक - आपका आज का दिन लाभदायी रहेगा। नौकरी-व्यवसाय में लाभ प्राप्त होगा। मित्रों के साथ भेंट हो सकती है तथा प्राकृतिक स्थल पर घूमने की योजना भी बन सकती है।

धनु - आज का दिन आपके लिए शुभ है। आज आप आर्थिक मामलों में उचित योजना बना सकेंगे। अन्य लोगों की सहायता करने का प्रयत्न करेंगे। हर एक काम सफलतापूर्वक पूरा होगा। व्यापार बढ़ाने की योजना बनेगी।

मकर - आज का आपका दिन मध्यम फलदायी रहेगा। बौद्धिक काम के लिए आज का दिन शुभ है। आज लेखन प्रवृत्ति या साहित्य से जुड़े किसी काम में आप व्यस्त रहेंगे, इसके लिए आप योजना भी बना सकते हैं।

कुंभ - आज अत्याधिक सोचने-विचारने से मानसिक थकान का अनुभव करेंगे। मन में क्रोध की भावना रहेगी, इसे दूर करने के प्रयास से अनिष्ट से बच सकेंगे। चोरी, अनैतिक कृत्यों से, नेगेटिव विचारों से दूर रहें।

मीन - आज आप दैनिक काम से बाहर आकर घूमने-फिरने और मनोरंजन के पीछे अपना समय बिताएंगे। स्वजनों तथा मित्रमंडली के साथ पिकनिक पर जाने का आयोजन होगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

किर्गिस्तान में इन्फ्लुएंजा ए एच3एन2 के मामले सामने आए

बिश्केक, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान के दक्षिण में ओश शहर में इन्फ्लूएंजा ए एच3एन2 के मामले सामने आये है। यहां स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकरी दी। मंत्रालय के रोग निवारण और राज्य स्वच्छता और महामारी विज्ञान पर्यवेक्षण विभाग ने कहा कि प्रयोगशाला परीक्षण के नतीजों से पता चला है कि शहर में कई मरीज़ इन्फ्लूएंजा ए एच3एन2 पॉजिटिव है। मंत्रालय ने कहा कि यह बीमारी मौसमी है और देश में हर साल दर्ज की जाती है। प्रयोगशाला के परिणामों से देश में तीव्र श्वसन वायरल संक्रमण का पता चला है, जिसमें पैरेन्फ्लुएंजा, बोकावायरस, रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस, मौसमी कोरोनावायरस, एडेनोवायरस और मेटान्यूमोवायरस शामिल हैं। लेकिन बिश्केक में महामारी की स्थिति स्थिर है। किर्गिस्तान में पिछले सप्ताह में 5,737 तीव्र श्वसन वायरल संक्रमण और फ्लू के मामले दर्ज किए गए थे। बीमारों में 67.2 प्रतिशत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे हैं, इस तरह कुल 3,858 मामले हैं।

एक-दूसरे के लिए विकास का अवसर हैं चीन-ब्रिटेन : वांग यी

बीजिंग, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने 5 दिसंबर को ब्रिटिश विदेश मंत्री कैमरोन के साथ फोन पर बात की। उन्होंने कहा कि चीन और ब्रिटेन एक-दूसरे के विकास का अवसर हैं। आशा है कि ब्रिटेन चीन के प्रति सही समझ पर कायम रहकर द्विपक्षीय संबंधों के विकास की मुख्य दिशा अच्छी तरह पकड़ेगा। वांग यी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य के नाते चीन और ब्रिटेन अंतरराष्ट्रीय शांति व स्थिरता पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उठाते हैं। चीन-ब्रिटेन संबंधों का स्थिर व स्वस्थ विकास न सिर्फ दोनों देशों की जनता के मूल व दूरगामी हितों में है, बल्कि विश्व शांति व

समृद्धि बढ़ाने के लिए रणनीतिक व वैश्विक महत्व रखता है। मुठभेड़ और परिवर्तन से ओतप्रोत अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति और निरंतर उभरती वैश्विक चुनौतियों के सामने चीन और ब्रिटेन को संवाद बनाए रखकर समन्वय और सहयोग गहराना चाहिए।

वांग ने ताइवान के सवाल पर चीन की स्थिति पर दिया जोर

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बुधवार को ताइवान मुद्दे पर चीन की गंभीर स्थिति पर जोर दिया। श्री वांग ने अमेरिका से चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने, 'ताइवान की स्वतंत्रता' की किसी भी ताकत का समर्थन और मिलीभगत नहीं करने का आग्रह किया। श्री वांग, जो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के भी सदस्य हैं, ने अमेरिका के साथ एक फोन कॉल पर यह टिप्पणी की। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से बुधवार को इस संबंध में टेलीफोन पर बातचीत की। गौरतलब है कि चीन ताइवान को अपने अधिकार क्षेत्र में होने का दावा करता है जबकि ताइवान खुद को 'आजाद देश' मानता है।

फिलीपींस में बस दुर्घटना में 17 की मौत

मनीला, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। फिलीपींस के मध्य एंटीक प्रांत में मंगलवार दोपहर हुई एक यात्री बस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या को पहले बतायी गयी संख्या 29 से संशोधित कर 17 कर दिया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को हुए हादसे पहले मृतकों की संख्या 29 बताई गई थी। प्रांतीय आपदा जोखिम प्रबंधन कार्यालय के प्रमुख ब्रोडरिक ट्रेन ने आज एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 16 लोगों की दुर्घटना

स्थल पर मौत हो गई, जबकि एक की स्थानीय अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने कहा कि सात अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका इलाज चल रहा है। एंटीक गवर्नर रोडोरा कैडियाओ ने पूर्व में घोषित मौतों और चोटों के आंकड़ों के लिए माफी मांगी उन्होंने दुर्घटना क्षेत्र में सेल फोन सिग्नल की कमी के लिए गलत संचार को त्रुटियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने यह भी सुधारा कि बस में केवल 24 लोग सवार थे, 53 लोग नहीं, जैसा कि पहले बताया गया था।

नाइजीरिया में सेना के ड्रोन हमले में मारे गए 85 नागरिक

लागोस। नाइजीरियाई सेना के ड्रोन से उत्तर पश्चिमी कडूना राज्य में सशस्त्र समूहों को निशाना बनाकर किये गये हमले में गलती से कम से कम 85 नागरिकों की मौत हो गयी है। देश की सबसे घातक सैन्य बमबारी दुर्घटनाओं में से एक पर जबरदस्त आक्रोश फैल गया। राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू ने मंगलवार को इस मामले की जांच के आदेश दिए। सेना ने स्वीकार किया कि उसके एक ड्रोन से रविवार को तुदुन बीरी गांव पर गलती से हमला हो गया। उस दौरान निवासी एक त्योहार मना रहे थे। सेना ने हताहतों का कोई आंकड़ा नहीं दिया, लेकिन आपातकालीन अधिकारियों और निवासियों ने कहा था कि कम से कम 85 लोग मारे गए, जिनमें से कई महिलाएं और बच्चे थे।

यूक्रेन को जनवरी-नवंबर तक 37.4 अरब डॉलर की सहायता मिली

कीव, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। यूक्रेन को इस साल जनवरी-नवंबर के दौरान 37.4 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता मिली। सरकार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस श्मिहाल ने कहा कि इस अवधि में देश को अनुदान के रूप में लगभग 11 बिलियन डॉलर अमेरिका, जर्मनी, स्पेन, फिनलैंड और आयरलैंड से मिले, जो सबसे बड़े दानदाता रहे। श्मीहल ने कहा, यूक्रेन को नवंबर में ही 2 अरब डॉलर का वित्तपोषण प्राप्त हुआ। यूक्रेन को पिछले साल अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहायता में 32.1 अरब डॉलर मिले थे। यूक्रेन को उसकी सुरक्षा, आर्थिक और मानवीय हितों की पूर्ति के लिए सहायता दी जा रही है। फरवरी, 2022 में रूस ने यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू किया था।

आज का इतिहास

1660 -एक महिला पहली बार इंग्लैंड में एक पेशेवर अभिनेत्री के रूप में मंच पर दिखाई दी।
1662 -ब्लेज़ पास्कल नामक फ़्रांस के गणितज्ञ, लेखक और कैल्कयुलेटर मशीन के आविष्कारक का निधन हुआ।
1724 -रॉयल प्रूसिया के टोरून में, पोलिश अधिकारियों ने टेंशनबेटिन प्रोटेस्टेंट और कैथोलिक के बाद एस्किटी के मेयर और नौ अन्य लूथरन अधिकारियों को मार डाला।
1732 -थियेटर रॉयल कोवेन्ट गार्डन, लंदन (आधुनिक-रोज़ रॉयल ओपेरा हाउस) खोला गया।
1787- डेलावेयर यूनाइटेडस्टेट्स संविधान की पुष्टि करने वाला पहला अमेरिकी राज्य बन गया।
1815 -मार्शल ने को पेरिस में जर्डिन डु लक्ज़मबर्ग के पास मार डाला।
1815 -मिशेल ने, फ्रांस के मार्शल, नेपोलियन का समर्थन करने के लिए एक फायरिंग स्क्वाडर्न पेरिस %जार्डिन डू लक्जमबर्ग द्वारा किया गया था।
1835 -भविष्य के यू.एस. अध्यक्ष जेम्स के. पोलक सदन के अध्यक्ष बने।
1869 -अमेरिकी डाकू जेसी जेम्स ने अपनी पहली पुष्टि बैंकटोरी में गैलाटीन, मिसौरी में की।
1869 -अमेरिकी डाकू जेसी जेम्स ने गल्लतिण मिसौरी में अपनी पहली बैंक डकैती की पुष्टि की।
1877 -आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन ने %ग्रामोफोन% का प्रदर्शन किया।

कूटनीति *अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर बोले*

पन्नून पर भारत की जांच के नतीजों का उत्सुकता से इंतजार

वाशिंगटन, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका ने कहा है कि वह एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या की साजिश की भारत की जांच के नतीजे देखने के लिए उत्सुक है और जांच खत्म होने से पहले कोई आकलन नहीं करेगा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने मंगलवार को अपनी न्यूज ब्रीफिंग में कहा, हमने इस सरकार के सबसे वरिष्ठ स्तर पर संदेश दिया है - विदेश मंत्री ने सीधे अपने विदेशी समकक्ष (भारत के विदेश मंत्री) के समक्ष इसे उठाया है कि हम इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से लेते हैं।

उन्होंने हमें बताया कि वे एक जांच करेंगे। राजनयिक स्तर पर मामले के घटनाक्रम पर एक सवाल के जवाब में मिलर ने कहा, उन्होंने सार्वजनिक रूप से जांच की घोषणा की है। और अब हम जांच के नतीजे देखने का इंतजार करेंगे, लेकिन यह कुछ ऐसा है जिसे हम बहुत गंभीरता से लेते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि उनके लिए कानून प्रवर्तन मामले पर टिप्पणी करना अनुचित होगा क्योंकि न्याय विभाग अदालत में मामला पेश कर रहा है। मिलर ने संवाददाताओं से कहा, हम उस (भारत की) जांच के नतीजे देखने के लिए उत्सुक हैं और मैं जांच पूरी होने से पहले जाहिर तौर पर कोई आकलन नहीं करने जा रहा हूं। यह टिप्पणी व्हाइट हाउस के उस बयान के एक सप्ताह बाद आई है जिसमें कहा गया था कि वह इन

'हम इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से लेते हैं।'

आरोपों को बहुत गंभीरता से लेता है कि एक भारतीय उसकी धरती पर खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून को मारने की नाकाम कोशिश में शामिल था।

अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने पिछले महीने भारतीय खुफिया अधिकारी निखिल गुप्ता पर न्यूयॉर्क में पन्नून को कथित तौर पर मारने के लिए भारत से एक साजिश की योजना बनाने और निर्देशित करने का आरोप लगाया था।

आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह चिंता का विषय है और भारत सरकार की नीति के विपरीत है। भारत ने मामले के सभी प्रासंगिक पहलुओं पर गौर करने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया और कहा कि वह समिति के निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करेगी। खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर के मामले पर कनाडाई सरकार के साथ भारत के असहयोग के बारे में पूछे जाने पर मिलर ने कहा कि उन्होंने मंगलवार की ब्रीफिंग में नई दिल्ली से ओटावा के साथ सहयोग करने का आग्रह किया है।

दुनिया को जानें

ऑस्ट्रेलिया : गहरे अंतरिक्ष में संचार में सक्षम दूरबीन स्थापित

कैनबरा, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में बुधवार को अंतरिक्ष यात्रियों के साथ संचार करने में सक्षम एक नया टेलीस्कोप स्थापित किया गया। आधिकारिक तौर पर ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी में क्वांटम ऑप्टिकल ग्राउंड स्टेशन से अंतरिक्ष में डेटा भेजने और प्राप्त करने के लिए अनुकूली ऑप्टिकल तकनीक तथा लेजर का उपयोग करता है, जिससे अगली पीढ़ी के अंतरिक्ष मिशनों और उसके यात्रियों के साथ संचार और फिल्मांकन की अनुमति मिलती है। कैनबरा के पश्चिम में ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी (एएनयू) माउंट स्ट्रोमलो वेधशाला पर स्थापित यह स्टेशन उन्नत संचार प्रौद्योगिकियों पर अनुसंधान भी करेगा। एएनयू इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस के निदेशक अन्ना मूर ने सरकारी मीडिया ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) को बताया, वैश्विक संचार के लिए अगली पीढ़ी की क्षमता के मामले में यह विश्व में पहला है।

देश

उवाच

"जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल को सीटें मनोनीत करने की शक्ति देना इस बात का सबूत है कि भाजपा को पता है कि मनोनीत सीटों की मदद से उन्हें संख्या नहीं मिलेगी, वे अपनी छवि बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

-उमर अब्दुल्ला,जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	22.0	10.0
मुंबई	29.0	26.0
कोलकाता	23.0	19.0
चेन्नई	29.0	27.0

सिर्फ वादे ही करती आ रही केंद्र सरकार : कांग्रेस

सदन में विपक्ष ने देश की आर्थिक स्थिति पर चर्चा के दौरान केंद्र सरकार पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। संसद में देश की आर्थिक स्थिति पर सदन में मंगलवार से जारी चर्चा में कांग्रेस के विवेक तन्खा ने कहा कि सरकार तारीख पर तारीख देती आ रही है लेकिन देश में विकास अब तक नहीं आया और सरकार केवल वादे ही करती आ रही है। उन्होंने कहा कि हर चीज महंगी होती जा रही है और बेरोजगारी की दर निरंतर बढ रही है। रुपया निरंतर गिरता जा रहा है और कृषि क्षेत्र की हालत खराब है ऐसे में आर्थिक वृद्धि कहां है।

उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था उसके सभी पैमानों की कसौटी पर विफल है। कांग्रेस की जेबी माथेर हीशम ने कहा कि कांग्रेस के 60 वर्षों के कार्यकाल में देश में दुनिया की 10वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में सफल रहा। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास का जो दावा कर रही है वह भ्रमित करने वाला है क्योंकि गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रत्येक भारतीय पर ऋण ढाई गुना से अधिक बढ़ा है। देश में वर्ष 2013-14 में बेरोजगारी दर चार प्रतिशत से कुछ अधिक थी लेकिन पिछले नौ वर्षों में बढ़कर यह अभी 7.90 प्रतिशत पर पहुंच गई है। तृणमूल कांग्रेस के जवाहर सरकार और द्रमुक के पी बिल्सन ने भी अर्थव्यवस्था को लेकर अपने विचार रखे और अर्थव्यवस्था से जुड़े आंकड़ों पर

रुपया निरंतर गिरता जा रहा है व कृषि क्षेत्र की हालत खराब है ऐसे में आर्थिक वृद्धि कहां है : विवेक तन्खा

सरकार की ओलाचना की। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की डा. फौजिया खान ने कहा कि आर्थिक वृद्धि केवल आंकड़े नहीं होते और इसके लिए जमीनी हकीकत का आकलन किया जाना चाहिए। देश में बेरोजगारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कवि देवी प्रसाद मिश्र की कविता 'बेरोजगार' की कुछ लाइनें भी पढ़ी। कविता में बेरोजगार युवक की व्यथा बताते हुए कहा गया है, यह सवाल उसे शर्मिंदा करता है कि वह क्या कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश में आत्महत्या करने वालों में नौ प्रतिशत बेरोजगार हैं।

लोगों को आंकड़ों की भूलभुलैया में उलझा रहा है सत्ता पक्ष : सपा

समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव ने कहा कि आंकड़ों के बजाय देश के गांवों की जमीनी हकीकत अर्थव्यवस्था की वास्तविक तस्वीर पेश करती है। यादव ने देश की आर्थिक स्थिति पर सदन में कहा कि सत्ता पक्ष अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर लोगों को आंकड़ों की भूलभुलैया में उलझा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि आंकड़ों से ही अर्थव्यवस्था की हालत का पता चलता है तो प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत का नम्बर 190 देशों में 130 वां है। भुखमरी के अंतरराष्ट्रीय सूचकांक में भी 125 देशों में भारत का नम्बर 111 वां है।

उन्होंने कहा कि केवल आंकड़े अर्थव्यवस्था की वास्तविक हालत पेश नहीं करते इसके लिए जमीनी तस्वीर को देखना जरूरी है। तृणमूल कांग्रेस के सांतनु सेन ने कहा कि देश में दो डॉलर से कम की दैनिक आय वाले लोगों की संख्या करोड़ो में है। देश में पश्चिम बंगाल के साथ दोहरा व्यवहार किए जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को राजनीति तौर पर नहीं हराने के कारण केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार प्रदेश के साथ बदले की भावना से काम कर रही है। बीजू जनता दल के अमर पटनायक ने कहा कि पिछले 10 वर्ष में सरकार के लगातार प्रयासों से भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती आई है। कोविड काल और यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण जहां दुनिया भर की अर्थव्यवस्थायें धीमी पड़ रही हैं, वहीं मोदी सरकार की कुशल आर्थिक नीतियों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़ रही है। शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि रुपया तेजी से गिर रहा है। यह चिंतनीय है। इसके असर महंगाई में वृद्धि हो रही है।

देश में अमीर-गरीब का अंतर बढ़ रहा है। देश में परिसंपदा कुछ हाथों में केंद्रित होती जा रही है। वाईएसआरसीपी के अयोध्या रामी रेड्डी ने कहा कि देश में अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जान ब्रिटास ने कहा कि केरल को उसका वित्तीय आवंटन चुकाना चाहिए। यह धन जन कल्याण पर खर्च किया जाना है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार प्रचार में जुटी हुई है जबकि जमीनी वास्तविकता अलग है।

भाजपा के नागेंद्र राय ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है और लोगों को इसका लाभ पहुंच रहा है। तृणमूल कांग्रेस के अबीर रंजन विस्वास ने सरकार पर जांच एजेन्सियों का दुरुपयोग कर राजनीतिक हित साधने का आरोप लगाया।

अर्थव्यवस्था की गलत तस्वीर पेश कर रहा है सत्ता पक्ष : भाकपा

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विस्वम ने कहा कि सत्ता पक्ष अर्थव्यवस्था की गलत तस्वीर पेश कर रहा है और सच्चाई यह है कि देश में लोग भूखे और बेरोजगार हैं। भाजपा ने सत्ता में आने से पहले हर वर्ष दो करोड़ रोजगार देने का वादा किया था लेकिन उसे पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल प्रचार के बल पर देश की सुंदर तस्वीर पेश कर रही है जो हकीकत से दूर है। झामुमो की महुआ माजी ने कहा कि सत्ता पक्ष देश को विश्वगुरू बनाने की बात कर रहा है लेकिन वह यह भूल जाता है कि इसके लिए पहले आर्थिक मजबूती की जरूरत होती है जब देश का नागरिक आर्थिक रूप से मजबूत होगा तो वह कला, संस्कृति और ज्ञान को समृद्ध करेगा तो देश विश्व गुरू अपने आप बन जाएगा। उन्होंने सेनाओं की लिए शुरू की गई अग्निपथ योजना की भी आलोचना की और कहा कि सेना से लौटने वाले अग्निवीर का आगे का जीवन अनिश्चित रहता है।

संसद से

चक्रवाती तूफान मिचौंग को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग

लोकसभा में बुधवार को द्रमुक के वरिष्ठ सदस्य टी आर बालू ने शक्तिशाली चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण तमिलनाडु और राजधानी चेन्नई में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण हुई तबाही को देखते हुए इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की गई। बालू ने शून्य काल में कहा कि चक्रवाती तूफान के प्रकोप के कारण तमिलनाडु के कई इलाकों और राज्य की राजधानी चेन्नई में भारी बारिश के कारण भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने और पूरे तमिलनाडु के लिए खाद्यान्न और अन्य राहत पहुंचाने की केंद्र सरकार से मांग की। उन्होंने पूरे तमिलनाडु को राष्ट्रीय आपदा से प्रभावित घोषित किए जाने की भी मांग की। तमिलनाडु में तत्काल केंद्रीय दल भेजकर मिचौंग तूफान से हुए नुकसान का आकलन कराया जाए।

राज्यसभा में उठी भारत- बांग्लादेश सीमा पर तारबंदी करने की मांग

भारतीय जनता पार्टी के पश्चिम बंगाल से सदस्य नगेन्द्र राय ने भारत बंगलादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तारबंदी किए जाने की मांग उठाते हुए बुधवार को राज्यसभा में कहा कि कुछ इलाके में तारबंदी नहीं है जो देश के लिए खतरा बन गया है। राय ने शून्यकाल के दौरान सदन में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि जिन क्षेत्रों में तारबंदी नहीं है वहां से अवैध रूप से बंगलादेश से लोग आ रहे हैं। पश्चिम बंगाल में आने पर उनका नन्न सिर्फ वोटर कार्ड बनाया जाता है बल्कि उनको सभी सुविधायें दी जा रही है जो देश में लिए बहुत बड़ा खतरा हो सकता है।

तेन्दु पत्ता पर जीएसटी वापस लिया जाए : पात्रा

ओडिशा से बीजू जनता दल सदस्य सस्मित पात्रा ने बुधवार को राज्यसभा में मांग की कि केंद्र सरकार को तेंदु पत्ता पर लगाए गए 18 प्रतिशत जीएसटी को तत्काल वापस लेना चाहिए। पात्रा ने सदन में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि इसको लेकर राज्य सरकार भी केंद्र को कई बार पत्र लिख चुकी है लेकिन केंद्र सरकार इस जीएसटी को वापस नहीं ले रही है जिससे तेंदु पत्ता के माध्यम से जीवनयापन करने वाले परिवार बूरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। बीजद के नरेन्द्र बिशी ने राज्य के तीतलागढ़ में केंद्रीय विद्यालय बनाए जाने की मांग की। इस इलाके में केन्द्रीय विद्यालय की महत्ती जरूरत है।

ओडिशा में पीएम आवास योजना के तहत राशि जारी करने की मांग

बीजू जनता दल के अमर पटनायक ने बुधवार को राज्यसभा में मांग की कि ओडिशा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सात लाख घरों के निर्माण के लिए केंद्र सरकार तत्काल राशि जारी करे। पटनायक ने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मांग करते हुए कहा कि इस योजना के तहत ओडिशा सरकार ने 15 लाख घरों के निर्माण को मंजूरी दी थी जिमेंन से साढ़े तीन वर्षों में आठ लाख घरों का निर्माण कराया जा चुका है और सात घरों का निर्माण किया जाना शेष है। उन्होंने कहा कि यह योजना समाज के सबसे कमजोर वर्ग के लिए है और उनको लाभ पहुंचाने के लिए केन्द्र को शेष सात लाख घरों के निर्माण के लिए राशि जारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ओडिशा सरकार ने माय हाउस स्कीम शुरू की है और इसके तहत भी गरीबों को घर दिया जा रहा है।

कोयले का उत्पादन एक अरब टन होने का अनुमान : प्रह्लाद जोशी

सरकार ने लोकसभा में कहा कि देश में कोयले का उत्पादन करीब एक अरब टन होने की संभावना है और आने वाले समय में कोयले का आयात बंद किया जाएगा। केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि पहले देश में 54 करोड़ टन से लेकर 56.50 करोड़ टन तक कोयले का उत्पादन होता था, लेकिन इस बार यह आंकड़ा एक अरब टन का होने वाला है। उन्होंने कहा कि भारत कोयला उत्पादन के मामले में न केवल आत्मनिर्भर बनेगा बल्कि आने वाले समय में इसका आयात बंद कर दिया जाएगा।

पंजाब में केंद्रीय दल भेजकर चिकन गुनिया की जांच कराएं : औजला

लोकसभा में बुधवार को पंजाब खासकर अमृतसर जिले में चिकनगुनिया के प्रकोप का मुद्दा उठाया गया और इसकी रोकथाम के उपाय तत्काल करने की मांग की गई। कांग्रेस के अमृतसर लोकसभा क्षेत्र के सदस्य गुरजीत सिंह औजला ने शून्य काल में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि उनके क्षेत्र और इसके निकटवर्ती इलाकों में काफी दिनों से चिकनगुनिया का प्रकोप है। इससे करीब 25 लाख परिवार पीड़ित हैं। इसका कोई सटीक उपचार उपलब्ध नहीं है जिससे लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस बुखार के कारण लोगों को बहुत कमजोरी आ जाती है और वह छह-छह महीने तक पूरी तरह से स्वस्थ नहीं हो पाते।

सार संक्षेप

जम्मू के एक स्कूल में बम अफवाह पर फैली दहशत

श्रीनगर। जम्मू के एक निजी स्कूल में बुधवार को बम होने की फर्जी कॉल से दशहत फैल गई। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि स्कूल के प्रबंधन को बुधवसार सुबह बम की धमकी भरा फोन आया। पुलिस ने कहा कि स्कूल अधिकारियों से सूचना मिलने पर उनकी टीम और बम निरोधक दस्ता घटनास्थल पर पहुंचे। बीडीएस ने स्कूल की तलाशी ली और कुछ नहीं मिला। सूत्रों ने कहा कि फर्जी कॉल से स्कूल स्टाफ और आसपास के इलाके में दहशत फैल गई।

सिवनी हादसे के परिजनों को सहायता की घोषणा

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सिवनी जिले के धूमा थाना क्षेत्र के धपारा गांव में कुएं में डूबकर 3 लोगों की मृत्यु पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजन को 4 लाख रुपए की राहत राशि देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि यह अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित कर ईश्वर से शोकाकुल परिजन को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि इस हृदय विदारक दुर्घटना में मृतकों के परिजन को 4 लाख रुपए की राहत राशि प्रदान की जाएगी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और द/नज इंस्टीट्यूट ने साझेदारी की घोषणा की

नई दिल्ली। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने द/नज इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर द/नज इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव फेलोशिप प्रोग्राम (इ.श्व '24) के लिए आवेदन आंमत्रित किए हैं। यह 18 माह की अवधि का अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है जो प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले सीनियर एग्जीक्युटिव्स (CXOs/ VPs/ GMs) को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर आजीविका कार्यक्रमों से जुड़ने का मौका देगा। इसके जरिए ये प्रतिभागी डेटा एवं टेक्नोलॉजी आधारित इनोवेशन के द्वारा समाधानों को बेहतर बनाने के लिए काम करेंगे। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस (एनआईएसडी) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से संचालित इस फेलोशिप का उद्देश आजीविका के अवसरों को आम जनों तक उपलब्ध कराना और प्रशासनिक सुधारों और आम जन के लिए सेवा तंत्र को मजबूत करना है।

सुडोकू 6398 का हल

4	5	7	9	6	1	3	8	2
6	3	8	4	2	5	7	1	9
1	2	9	3	7	8	5	4	6
3	4	5	7	8	6	9	2	1
7	8	1	5	9	2	4	6	3
9	6	2	1	4	3	8	7	5
2	7	3	6	5	4	1	9	8
5	9	6	8	1	7	2	3	4
8	1	4	2	3	9	6	5	7

बिहार में बैंक से 15 लाख लूटकर बदमाश फरार

पटना, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। बिहार में अपराधों का तांडव लगातार बढ़ता ही जा रहा है राज्य के अंदर शायद ही कोई ऐसा दिन गुजरता हो जिस दिन हत्या, लूट और चिंताई की खबरें निकलकर सामने नहीं आती हो। इसी करीब में अब एक ताजा मामला भोजपुर जिला मुख्यालय आरा से निकल कर सामने आया है। जहां एक बैंक के अंदर सात लुटेरे घुस गए। उसके बाद जो हुआ वह अपने आप में एक फिल्मी अंदाज बन गया। दरअसल, आरा के एक्सिस बैंक में साथ लुटेरे बैंक लूटने पहुंचे इसके बाद वह बैंक के अंदर घुसे है तो बैंक के स्टाफ ने चालकी दिखाते हुए। बैंक का शटर बाहर से बंद कर दिया। उसके बाद पुलिस ने बैंक को चारों तरफ से घेर लिया और बाहर से माइकिंग के जरिए अपराधियों को सरेंडर करने को कहा। मिली जानकारी के अनुसार, नवादा थाना क्षेत्र के कतीरा मोड़ स्थित ऐक्सिस बैंक में बुधवार को हथियार बंद लूटेरे लूटपाट करने की नीयत से घूस गए। सुबह लगभग 11 बजे सात-आठ हथियारबंद अपराधी लूटपाट की नीयत से घुसे। जिसके बाद पुलिस ने बैंक को सामने से घेर लिया। गोलीबारी की आशंका को देखते हुए बुलेट प्रूफ जैकेट भी मंगवा लिए। लेकिन इसी बीच लुटेरे कैश काउंटर से 15 लाख रुपए लूटकर बैंक में ताला मार पिछले रास्ते से भाग गए।

मिचौंग से हुए नुकसान पर स्टालिन ने मोदी को लिखा पत्र

मांगी 5,060 करोड़ रुपए की अंतरिम राहत

चेन्नई, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर 5,060 करोड़ रुपए की अंतरिम राहत देने और चक्रवात मिचौंग से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए एक केंद्रीय टीम भेजने की भेजने की अपील की। मिचौंग तूफान के कारण चेन्नई और उसके तीन पड़ोसी जिलों में भारी बारिश हुई। स्टालिन ने कहा कि राज्य सरकार ने भी चक्रवात से हुए नुकसान का आकलन करना शुरू कर दिया है और एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी तथा केंद्र सरकार से अतिरिक्त धन का अनुरोध करेगी। उन्होंने कहा था कि राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित चेन्नई और चेंगलपट्टू, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर जिले में राहत उपाय करने के लिए केंद्र से अंतरिम राहत के रूप में 5,000 करोड़ रुपए की मांग करेगी। अब स्टालिन ने इस संबंध में प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर तत्काल राहत के रूप में 5,060 करोड़ रुपए

प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए केंद्रीय टीम भेजे क्रेंद : स्टालिन

की केंद्रीय निधि जारी करने की मांग की है। स्टालिन ने मोदी को बताया कि चक्रवात के कारण चेन्नई, तिरुवल्लुर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में अभूतपूर्व भारी बारिश हुई। विज्ञप्ति में कहा गया है कि स्टालिन ने मोदी को लिखे पत्र में इन तथ्यों का विस्तार से उल्लेख किया है और अंतरिम राहत के रूप में 5,060 करोड़ रुपए तत्काल जारी करने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चक्रवात (जिसके कारण दक्षिण आंध्र प्रदेश तट पर जाने और बापटला के पास भूस्खलन से पहले उत्तरी तमिलनाडु तट में प्रवेश करने पर मूसलाधार बारिश हुई) से हुए नुकसान के विस्तृत आकलन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

चेन्नई को दिए गए चार हजार करोड़ रुपए

चेन्नई। तमिलनाडु के चेन्नई शहर में हाल ही में आया शक्तिशाली तूफान 'मिचौंग' के कारण भारी वर्षा से अचानक बाढ़ से शहर में कम तबाही होने पर मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने बुधवार को कहा कि इस तूफान से मचने वाली तबाही से शहर को सुरक्षित रखने के लिए राज्य सरकार ने चार हजार करोड़ रुपए दिए। स्टालिन ने कहा कि राज्य अन्य प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों के लिए, पांच हजार करोड़ रुपए की केंद्र से अंतरिम वित्तीय सहायता की मांग करेगा। उन्होंने कहा कि द्रमुक सांसद केंद्र से पांच करोड़ रुपए की अंतरिम राहत पाने के लिए इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे।

रेवंत रेड्डी का डीएनए वाला बयान निंदनीय : ऋतुराज सिन्हा

पटना, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने तेलंगाना के होने वाले कांग्रेस पार्टी के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के उस बयान पर कड़ा ऐतराज जताया है जिसमे उन्होंने बिहार के कुर्मी समाज के लोगों का डीएनए तेलंगाना के कुर्मी समाज से नीचा बताया है। ऋतुराज ने कहा यह बहुत ही शर्म की बात है किसी प्रदेश के मुख्यमंत्री इस तरह के बयान देते है। दूसरे के डीएनए में झांकने के पहले कांग्रेस पार्टी खुद अपने गिरेबान में झांक कर देखे। अब कांग्रेस पार्टी खुद सोच ले कि जब उन्ही के पार्टी के मुख्यमंत्री बिहार के लोगों पर अभद्र टिप्पणी करते हैं तो बिहार में कांग्रेस, बिहार की जनता से किस मुंह से वोट मांगेंगे। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूछा कि अब नीतीश खुद बताए कि

क्या एक ऐसी पार्टी के साथ वे खड़े होंगे जिनके मुख्यमंत्री, नेता बिहार और बिहारवासियों के प्रति अपमान का बोध रखते हैं।

हर कोई जानता है कि सड़क बनने से लेकर आईटी तक, बैंकिंग से लेकर सरकारी प्रशासन तक के कार्यों के निष्पादन में बिहारी की भागीदारी कितनी अहम है। उन्होंने कहा की बिहार के लोग सौम्य और शांत स्वभाव के होते है मगर यह भी सत्य है कि अगर इस तरह की टिपण्णी से उनके अस्मिता पर सवाल उठाया जाएगा तो जान लीजिए बिहार के लोग मुहतोड़ जवाब देना भी अच्छी तरह जानते हैं।

कुर्मी भाइयों-बहनों का किया गया अपमान : नित्यानंद

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री एवं बिहार भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष नित्यानंद राय ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बिहारियों पर की गई जातिसूचक टिप्पणी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। भाजपा नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री रेड्डी का बयान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी की राजनीति का हिस्सा है। पूरी निर्लजता से बिहार के हमारे कुर्मी भाइयों-बहनों का अपमान कांग्रेस कर रही है।

झारखंड विसधानसभा का शीतकालीन सत्र 15 से

रांची, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 15 दिसम्बर से प्रारंभ होगा। इससे संबंधित प्रस्ताव पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। सत्र 22 दिसम्बर तक चलेगा और इसमें छह कार्य दिवस होंगे। यह सत्र कई मायने में अहम होगा। सरकार इस सत्र में डोमिसाइल, आरक्षण वृद्धि और एंटी मॉब लिंचिंग बिल फिर से ला सकती है। पूर्व में पारित ये तीनों बिल राज्यपाल अलग-अलग वजहों से लौटा चुके हैं। झारखंड की पांचवीं विधानसभा के गठन के करीब चार साल बाद यह पहला सत्र होगा, जिसमें नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी खाली नहीं होगी। झारखंड भाजपा विधायक दल के नए नेता अमर कुमार बाउरी को विधानसभा अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष के तौर पर मान्यता दे दी है। इसके पहले भाजपा ने बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बनाया था, लेकिन उनके खिलाफ दल-बदल का केस लंबित रहने की वजह से उन्हें नेता प्रतिपक्ष के तौर पर मान्यता नहीं दी गई थी। हालांकि, इस मामले को लेकर भाजपा ने पांचवीं विधानसभा के शुरुआती दो-तीन सत्रों में जबरदस्त हंगामा किया था।

चार साल बाद पहली बार सदन में दिखेंगे नेता प्रतिपक्ष

जानकारी *तेलंगाना में नामांकन दाखिल करते समय हलफनामे में चुनाव आयोग को दी गई जानकारी में खुलासा*

छह विधायकों के पास सौ करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति

हैदराबाद, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के गद्दाम विवेकानंद नवनिर्वाचित तेलंगाना विधानसभा में सबसे अमीर विधायक हैं, जिनकी घोषित पारिवारिक संपत्ति 606 करोड़ रुपए से अधिक है। नामांकन दाखिल करते समय एक हलफनामे में चुनाव आयोग को दी गई जानकारी के अनुसार, 119 विधायकों में से छह विधायकों के पास।

सौ करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है। उनमें से पांच सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी से हैं और एक भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से है। सोलह विधायकों के पास 50 करोड़ से 100 करोड़ रुपए तक की संपत्ति है. कम से कम 90 लोगों के पास 50 करोड़ रुपए से कम की संपत्ति है और केवल सात ऐसे हैं जिन्होंने 1 करोड़ रुपए से कम की संपत्ति घोषित की है। चुनाव से एक महीने पहले ही भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने वाले विवेकानंद मंचेरियल जिले के चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। विवेक, जैसा कि उद्योगपति राजनेता लोकप्रिय रूप से जाने जाते हैं, विसाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संस्थापक और अध्यक्ष हैं। उनकी पत्नी सरोजा कंपनी की प्रबंध निदेशक हैं। 66 वर्षीय पूर्व सांसद के पास उस्मानिया विश्वविद्यालय से एमबीबीएस की डिग्री भी है।

2009 में कांग्रेस के टिकट पर पेद्दापल्ली से लोकसभा के

सोलह विधायकों के पास 50 करोड़ से 100 करोड़ रुपए तक की है संपत्ति

लिए चुने गए विवेक कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत जी.वेंकटस्वामी के बेटे हैं। विवेक के भाई और पूर्व मंत्री जी. विनोद भी कांग्रेस से हैं, जो सबसे अमीर विधायकों में से एक हैं। बेल्लमपल्ली से निर्वाचित, उन्होंने 197 करोड़ रुपए की संपत्ति घोषित की।

458 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ कांग्रेस पार्टी के कोमाटिरेड्टी राजगोपाल रेड्डी दूसरे सबसे अमीर विधायक हैं। वह नलगोंडा जिले के मुनुगोडे निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। उन्होंने भी चुनाव से एक महीने पहले बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में वापसी की थी। भाजपा में शामिल होने से पहले वह पिछले साल अगस्त तक कांग्रेस में थे लेकिन मुनुगोडे से उपचुनाव हार गए। कांग्रेस पार्टी के पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी तीसरे सबसे अमीर विधायक हैं, जिनकी घोषित पारिवारिक संपत्ति लगभग 434 करोड़ रुपए है। खम्मम जिले के पलेयर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीतने वाले पोंगुलेटी कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए सत्तारूढ़ पार्टी बीआरएस द्वारा निलंबित किए जाने के कुछ महीने बाद जुलाई में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण पोंगुलेटी ने हलफनामे में बताया कि वह कृषक, सामाजिक कार्यकर्ता और व्यवसायी हैं जबकि उनकी पत्नी कृषक और व्यवसायी हैं।

कांग्रेस पार्टी के पूर्व मंत्री पी. सुदर्शन रेड्डी की कुल संपत्ति 102 करोड़ रुपये से अधिक है। मेडक सांसद के. प्रभाकर रेड्डी, जो दुब्बाक से चुने गए हैं, 100 करोड़ रुपए से अधिक क्लब में अकेले बीआरएस विधायक हैं।

प्रादेशिकी

करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष की हत्या के विरोध में किया सड़क पर प्रदर्शन

फर्रुखाबाद, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष की हत्या के विरोध में संगठन के पदाधिकारियों नें सड़क पर प्रदर्शन कर हत्यारोपियों के एनकाउंटर की मांग की है। इस दौरान आक्रोशित भीड़ नें एक टायर में आग लगाकर नारेबाजी की लेकिन पुलिस नें जलता हुआ टायर छीन लिया। लेकिन टायर की आग से एक प्रदर्शन करनें वाले युवक का हाथ झुलस गया। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बदमाशों ने गोगामेड़ी को जयपुर में उनके आवास पर निशाना बनाया था। जिसके विरोध में शहर के लाल दरवाजे फब्बारे के निकट राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिलाध्यक्ष मंथन ठाकुर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में विभिन्य संगठनों के कार्यकर्ता व पदाधिकारी एकत्रित हुए। उन्होंने जमकर नारेबाजी कर धरना प्रदर्शन शुरू किया।

शहरी सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर्स के निर्माण को उत्तर प्रदेश में गति देगी योगी सरकार

अर्बन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर्स डेवलपमेंट एजेंसी में पीएमयू के गठन की प्रक्रिया शुरू

लखनऊ, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के समेकित विकास के लिए प्रयासरत योगी सरकार प्रदेश की सड़कों के कायाकल्प को लेकर लगातार प्रयास कर रही है। प्रदेश के स्टेट व नेशनल हाइवे पर मरम्मत व दुरुस्तीकरण के कार्यों के साथ ही प्रदेश के विभिन्न शहरों को जोड़ने वाले संपर्क मार्गों पर भी मरम्मत का कार्य जारी हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने की सीएम योगी की मंशा के अनुरूप एक विस्तृत कार्य योजना बनाई गई थी जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों में गांवों व ब्लॉकों को जिले मुख्यालय से जोड़ने वाली सड़कों को प्रमुखता दी गई थी। ऐसे में, ग्रामीण सड़कों के साथ ही शहरी सड़कों के मरम्मत, रखरखाव व प्रस्तावित निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण करने और उसे सुचारू रूप से क्रियान्वित करने के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (पीएमयू) के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश के शहरी सड़कों के रखरखाव के लिए गठित अर्बन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर्स डेवलपमेंट एजेंसी (यूरीडा) ने पीएसयू के तौर पर एजेंसी को कार्य आबंटित करने के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) माध्यम से आवेदन मांगे हैं। यूरीडा द्वारा पीएसयू के निर्धारण के लिए मांगे गए आवेदन के अनुसार, कार्यावंटन के बाद चयनित एजेंसी को पीएसयू के तौर पर कार्य करते हुए नॉलेज पार्टनर की भूमिका निभानी होगी।

■ चयनित एजेंसी को पीएसयू के तौर पर कार्य करते हुए नॉलेज पार्टनर की भूमिका निभानी होगी

सीएम ग्रिड्स के अनुसार, पीएसयू को गाइडलाइंस के निर्धारण, नीति निर्माण व क्रियान्व्यन सुनिश्चित करना होगा। मौजूदा दिशानिर्देशों, मानदंडों, वैधानिक अधिसूचना का अध्ययन कर उसे अंतिम रूप देना होगा। उत्तर प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में सभी प्रकार की शहरी सड़कों और चौराहों के लिए योजना, डिजाइन, निर्माण, कार्यान्वयन, प्रबंधन और रखरखाव में अंतराल को भरने के लिए दिशानिर्देशों का निर्धारण करना होगा। इसके अतिरिक्त, वैकल्पिक निर्माण प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए दरों की हरित अनुसूची (ग्रीन एसओआर) का विकास, सड़क चयन के लिए स्कोरिंग तंत्र, अनुमोदन के लिए अनुपालन जांच और स्कोरिंग मैट्रिक्स के साथ-साथ सभी प्रकार की सड़कों और चौराहों के लिए अवधारणा डिजाइन, निविदा चित्र, डीपीआर और मात्रा के बिल, कार्यान्वयन योजना के लिए मानक और टेम्पलेट तैयार करना होगा।

हितधारकों को प्रशिक्षण भी किया जाएगा प्रदान

यूरीडा के लिए पीएमयू के तौर पर चयनित एजेंसी शहरी सड़कों के डिजाइन, क्रियान्व्यनन व रखरखाव के लिए इंजीनियरों, नीति निर्माताओं और ठेकेदारों के लिए करिकुलम तैयार करेगा। यूरीडा द्वारा शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) से संबंधित अधिकारियों और परियोजना, लागत प्रभावी सड़क से संबंधित अन्य हितधारकों को प्रशिक्षण भी प्रदान करने में भी पीएमयू के तौर पर कार्यरत एजेंसी मदद करेगी। सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत परियोजनाओं के निष्पादन, संचालन, प्रबंधन और रख रखाव से संबंधित दिशा निर्देश, मानक ड्राइंग टेम्पलेट तथा मानक संचालन प्रक्रियाओं को विकसित करने में सहायता प्रदान करने के लिए भी पीएमयू काम करेगा।

लोक अदालत में वाद के निस्तारण को लेकर हुई बैठक

मेरठ, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के पत्र व राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार दिनांक 9 दिसम्बर 2023 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में वादों का निस्तारण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त के अनुक्रम में आज दिनांक 6 दिसम्बर 2023 को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण किए जाने हेतु बृजेश मणि त्रिपाठी, अपर जिला न्यायाधीश नोडल अधिकारी लोक अदालत द्वारा समस्त प्रशासनिक अधिकारीगण के साथ चौदह न्यायालय भवन के सभागार कक्ष में बैठक आहूत की गई, जिसमें प्रशासनिक अधिकारीगण को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादो का निस्तारण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया, ताकि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक जनता को लाभान्वित किया जा सकें। उक्त बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत में किस प्रकार अधिक से अधिक वादो का निस्तारण किया जा सकता है, उक्त सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त किए गए। इस अवसर पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरीराम, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, मुख्य प्रबन्धक जिला अग्रणी बैंक मेरठ एस के मजूमदार, सीओ ट्रैफिक देवेश सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आठ से दस दिसम्बर तक 97,223 आवासों का भूमि पूजन करेगी सरकार

- पीएम आवास योजना के लिए बीएलसी घटक के आवासों का होगा शुभारंभ
- नगर निकाय स्तर पर चलाया जाएगा अभियान
- मंत्री सांसद विधायक नगर निकाय अध्यक्ष एवं सभासद रहेंगे मौजूद

लखनऊ, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। प्रदेश के गरीबों और वंचितों को अपना घर मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार 8 से 10 दिसम्बर के बीच 97 हजार से ज्यादा प्रधानमंत्री आवासों का भूमि पूजन करने जा रही है। यह भूमि पूजन अभियान विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत चलाया जाएगा, जिसमें मंत्री, सांसद, विधायक, नगर निकाय अध्यक्ष एवं सभासदों की उपस्थिति रहेगी। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार प्रदेश में 14 लाख से अधिक पीएम आवास पूरी तरह से तैयार करके पहले ही बड़ा कीर्तिमान बना चुकी है।

बुधवार को प्रमुख सचिव, नगरीय रोजगार एव गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित भारत सकल्प यात्रा के अन्तर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बेनिफिशियरी लेड कंस्ट्रक्शन (बीएलसी) घटक के शेष बचे आवास के भूमि पूजन को लेकर बैठक की गई। इस बैठक में सूडा के अधिकारियों के साथ-साथ समस्त जनपदों के परियोजना अधिकारी, सीएलटीसी इंजीनियर्स मौजूद रहे। इसमें सीएम योगी के निर्देश पर योजना के अंतर्गत 97,223 आवासों को प्रारम्भ कराने के लिए 8 दिसम्बर से 10 दिसम्बर 2023 के मध्य भूमि पूजन अभियान चलाए जाने के निर्णय की जानकारी दी गई। भूमि पूजन का यह कार्यक्रम नगर निकाय स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इसमें जनपद के मंत्री, सांसद, विधायक, नगर निकाय अध्यक्ष एवं सभासदों को आमंत्रित करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के दौरान शेष समस्त पात्र लाभार्थियों का प्रथम लेवल जिओ कराने एवं प्रथम किश्त अवमुक्त किए जाने के निर्देश भी दिए गए हैं। साथ ही इस अभियान को प्रचारित-प्रसारित कराते हुए निर्धारित दिवसों में कार्यक्रम का व्यापक कवरेज भी कराए जाने के लिए निर्देशित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सूडा स्तर से कर्मचारियों और अधिकारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है।

सार संक्षेप

ओटीएस योजना में बकायेदारों ने 10.50 करोड़ जमा कराए

मवाना। बकायेदार बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने वाली एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) का फायदा उठाने के लिए अब उपभोक्ता जागरूक हो गये हैं। मवाना विद्युत वितरण खंड द्वितीय में 10.50 करोड़ रुपए की वसूली हो गई है। उम्मीद है कि इस योजना में दिसम्बर माह में 15 करोड़ की वसूली हो जाएगी। मवाना विद्युत वितरण खंड द्वितीय के अधिशासी अभियंता महेश विश्वकर्मी ने बताया कि बड़े बकायेदारों में से अभी तक 13 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है, जिसके तहत उन्होंने 4.79 करोड़ रुपए जमा किए है। इसी तरह से चोरी के प्रकरणों में 30 फीसदी उपभोक्ताओं ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया और उन्होंने 4.60 करोड़ रुपए जमा किए है। इसके अलावा टयूबवेल वाले करीब एक हजार उपभोक्ताओं को कवर कर लिया गया है, जबकि छह हजार से अधिक उपभोक्ता अभी बाकी है। इस माह बकाया उपभोक्ताओं को कवर कर लिया जायेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिसम्बर माह में 15 करोड़ रुपए से अधिक बकाए की वसूली हो जाएगी।

आयुक्त सभागार में मंडलीय उद्योग बंधु समिति की होगी बैठक

मेरठ। उपायुक्त उद्योग दीपेन्द्र कुमार ने बताया कि कार्यालय पत्रांक दिनांक 2 दिसम्बर द्वारा आयुक्त महोदया की अध्यक्षता में मंडलीय उद्योग बंधु की समीक्षा बैठक दिनांक 7 दिसम्बर अपरान्ह 04.00 बजे आयोजित किए जाने की सूचना प्रेषित की गई थी। उन्होंने बताया कि आयुक्त के निर्देशानुसार अब उक्त बैठक दिनांक 7 दिसम्बर दोपहर 12.00 बजे आयुक्त सभागार में आयोजित की जाएगी।

कृषि के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की अहम भूमिका : तरुण

मेरठ। शोभित विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी द्वारा 10 दिवसीय वर्कशॉप ऑन ड्रोन टेक्नोलॉजी के तीसरा दिन सभी ट्रेनीज ने ड्रोन के अति गहन विषय के बारे मे विस्तार से बताया। सबसे पहले प्रो. डॉक्टर तरुण कुमार शर्मा ने कृषि मे एआई के बारे में बताया। विद्यार्थियों ने जाना की कैसे आप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक को कृषि से संबंधित गतिविधियों में इस्तेमाल कर सकते हैं जिससे कृषि उत्पाद बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पत्नी के मायके जानें से नाखुश युवक नें लगाई फांसी

फर्रुखाबाद। पत्नी के मायके चले जाने से खफा युवक नें फांसी का फंदा बनाकर गले में डाल लिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पंहुची पुलिस नें शव को कब्जे लेकर जांच की। थाना क्षेत्र के ग्राम नगला हीरा सिंह निवासी 26 वर्षीय भूरे राजपूत किसान था। कुछ दिन पूर्व पत्नी मायके चली गई।

सूचना

मेरा पुत्र नितिन व उसकी पत्नी श्रीमति मंजू मेरे व मेरी पत्नी श्रीमति बाला के कहने में नहीं है और समझाने पर मानते नहीं है। इसलिए मैने अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से अपने पुत्र नितिन व पुत्रवधु श्रीमति मंजू को बेदखल कर दिया है।

-ओमप्रकाश पुत्र स्व. श्री जीराम निवासी ग्राम दायमपुर, थाना कंकरखेडा, मेरठ।

परीक्षितगढ़ ब्लॉक में विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजित

परीक्षितगढ़, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। बुधवार को विकास खण्ड परीक्षितगढ़ की ग्राम पंचायत एची कलां व भिंडवारा में विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा अपनी अपनी योजनाओं का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ विभाग, खाद्य विभाग, पेंशन विभाग, कृषि विभाग, बैंकिंग विभाग, जल जीवन मिशन, स्वयं सहायता समूह, प्रधानमंत्री आवास योजना, पंचायती राज विभाग आदि के स्टॉल लगाए गए। कृषि विभाग द्वारा किसान सम्मान निधि, फसलों में विभिन्न रोगों तथा कृषि की उन्नत तकनीक का जानकारी उपलब्ध कराते हुए ड्रोन एवं कृषि स्वास्थ कार्ड का भी प्रदर्शन किया। खाद्य विभाग ने निःशुल्क खाद्यान्न, कार्यक्रम में आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मनरेगा योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, खाद्य एवं रसद विभाग, कृषि विभाग आदि के लाभार्थियों द्वारा मेरी कहानी मेरी जुबानी द्वारा योजनाओ का वर्णन किया गया।

- कई विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल
- सरकार की योजनाओं की दी गई जानकारी

युगों-युगों तक बाबा साहब अम्बेडकर को याद करेगा देश

तहसील सभागार में बाबा के चित्र पर पुष्पांजलि की

मवाना, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर तहसील सभागार में बुधवार को एसडीएम अखिलेश यादव व सभी तहसील कर्मियों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि की और उनके जीवन और योगदान पर चर्चा की गई। इस मौके पर एसडीएम ने कहा कि देश युगों युगों तक बाबा अम्बेडकर को याद करेगा और सभी को उनके बताए गए रास्तों पर चलने की शपथ दिलाई गई। उधर पालिका चेयरमैन अखिल कौशिक ने अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर थाने के निकट पार्क में भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। मवाना अम्बेडकर पार्क में अम्बेडकर समाज सुधार समिति ने बुधवार को भारतीय संविधान निर्माता डाक्टर भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही मूर्ति के सम्मुख धूप अगरबत्ती व मोमबत्ती जलाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। बाद में बाबा भीम राव अम्बेडकर के जीवन पर आधारित विचार गोष्ठी आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता समिति संरक्षक जय चन्द फौजी व संचालन पूर्व कानूनगो श्यामबीर सिंह ने किया। समिति अध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि आज पूरे देश मे बाबा साहब की पुण्यतिथि मनाई जा रही है। आज पूरा देश बाबा साहब के किए गए कार्यों व बलिदान को याद कर रहा है।

जिलाधिकारी व कमिश्नर ने डा. भीमराव अम्बेडकर दी श्रद्धांजलि

मेरठ, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर आयुक्त सभागार में आयुक्त सेल्वा कुमारी जे. द्वारा डा. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने सभी को शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर कमिश्नरी के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। वहीं बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा डा. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, अपर जिलाधिकारी नगर बृजेश सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बाबासाहब के चित्र पर किया माल्यार्पण

अमेठी की सेना भर्ती रैली में दर्जन-भर अफसरों को जिम्मेदारी

■ स्वामीनाथ शुक्ल

अमेठी, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। अमेठी की सेना भर्ती रैली में दर्जन-भर अफसरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में 19 दिसंबर से 27 दिसम्बर तक अग्निवीर सेना भर्ती रैली होगी। जिससे सेना, पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मिलकर तैयारी में जुटे हैं। कलेक्टर राकेश कुमार मिश्र ने बताया कि अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। बाकी अफसरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभ्यर्थियों के कागजात की जांच-परख बीएसए और जिला विद्यालय निरीक्षक की टीम करेगी। एंबुलेंस, मेडिकल टीम, आवश्यक दवाओं के साथ उपकरणों की व्यवस्था मुख्य चिकित्सा अधिकारी करेंगे। एआरएम को अतिरिक्त बसों की व्यवस्था दी गई है। साफ सफाई,पानी के टैंकर व मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था जिला पंचायत विभाग करेगा। अधिशासी अभियंता के पास विद्युत और अलाव की व्यवस्था है। पुलिस अधीक्षक डॉ इलामारन ने बताया कि चप्पे-चप्पे पर पुलिस की तैनाती होगी। कर्नल एसके मोर ने बताया कि सेना भर्ती रैली में तेरह जिले है। इसमें अंबेडकर नगर, अमेठी, अयोध्या, बस्ती, कौशांबी, कुशीनगर, महाराजगंज, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, संत कबीर नगर, सुल्तानपुर और सिद्धार्थनगर के अभ्यर्थी भाग लेंगे।

आयुक्त सभागार में लगेगी पेंशन अदालत

मेरठ, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन मेरठ मंडल मेरठ अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मेरठ मण्डल के अन्तर्गत आने वाले राजकीय कार्यालयों से सेवानिवृत्त तथा मृत शासकीय सेवकों के परिवार के सेवानैवृत्तिक लाभों से संबंधित समस्याओं के निदान हेतु आगामी पेंशन अदालत 15 दिसम्बर से 30 दिसम्बर 2023 के मध्य किसी एक दिन आयुक्त महोदया की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार मेरठ मंडल मेरठ में आयोजित की जानी संभावित है। उन्होंने बताया कि मंडल के स्थानीय पेंशनरों की सुविधा हेतु कार्यालय अपर निदेशक,कोषागार एवं पेंशन, मेरठ मण्डल मेरठ के जिला कोषागार मुख्यालय क्रमशः मेरठ, बुलन्दशहर, गाजियाबाद।

■ बुधवार को विखास खण्ड जानी खुर्द में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाबा साहब अंबेडकर जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके जीवन और योगदान पर विचार भी रखे। इस मौके पर एडीओ पंचायत नीरज कुमार, एडीओ आईएसबी मनोज कुमार त्यागी, लेखाकार पंकज मित्तल, ग्राम पंचायत अधिकारी मनोज शर्मा व रीनीत कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। फोटो देशबन्धु

आयोजन *मिशन शक्ति योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कार्यशाला का किया आयोजन*

सरकार की मंशा अनुरूप हो योजनाओं का सफल संचालन : सेल्वा कुमारी जे.

मेरठ, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। मंडलायुक्त सभागार में मिशन वात्सल्य और मिशन शक्ति योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग तथा यूनिसेफके तत्वाधान में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आयुक्त, जिलाधिकारी, उप निदेशक महिला कल्याण, पुलिस अधीक्षक अपराध, जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। आयुक्त सेल्वा कुमारी जे. ने कहा कि यह एक कन्वर्जेंस कार्यशाला है जिसमें सभी विभागों को कार्यों को समझ लेना चाहिए यह दोनों योजनाओं के सफल कियान्वयन हेतु प्रयास किए जाने चाहिए जिसके लिए मंडल स्तर पर भी इस तरीके की कन्वर्जेंस बैठकों का आयोजन किया जाता रहे जिससे सरकार की मंशा अनुरूप योजनाओं का सफल संचालन हो सके वह आम जन तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके। कार्यशाला में नीरज मिश्रा राज्य सलाहाकार महिला एवं बाल विकास विभाग उत्तर प्रदेश व प्रीतेश कुमार तिवारी राज्य सलाहकार महिला एवं बाल विकास विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा मिशन वात्सल्य व मिशन शक्ति योजनाओं के उद्देश्यों, मुख्य घटक व भारत सरकार उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत नवीन दिशा निर्देश के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी

■ मिशन शक्ति को मूर्त रूप दिए जाने में होगी आसानी : दीपक मीणा
■ लघु फिल्म के माध्यम से किया गया संवेदीकरण

प्रदान की गई व लघु फिल्म के माध्यम से संवेदीकरण किया गया। नीरज मिश्रा राज्य सलाहकार महिला एवं बाल विकास विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित मंडल के विभिन्न संकेतकों पर मंडल की स्थिति के बारे में भी अपनी प्रस्तुतिकरण दिया। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से मिशन वात्सल्य एवं मिशन शक्ति को मूर्त रूप दिए जाने में आसानी होगी भारत के हर बच्चे के लिए एक स्वस्थ एवं खुशहाल बचपन सुनिश्चित करना उनकी पूर्ण क्षमता का पता लगाने के लिए अवसर प्रदान करना तहत क्षेत्र में विकास के लिए सहायता प्रदान करना है। जिलाधिकारी द्वारा कहा गया कि जनपद मेरठ में इसके लिए बहुत अधिक प्रयास किया जा रहे हैं साथ ही उन्होंने कहा कि हम कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के माध्यम से बच्चों को और अधिक सुविधा प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं जिससे कोई भी बच्चा जिसको किसी भी तरह की आवश्यकता पड़ती है उनकी पूर्ति हमारे माध्यम से की जा सके। कार्यक्रम में मेरठ मंडल के विभिन्न जनपदों के जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, मंडल के विभिन्न बाल कल्याण समितियां के सदस्य, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य से कौशल विकास के दो नामित सदस्य जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित मंडल की विभिन्न जिला बाल संरक्षण इकाई के कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

देशबन्धु | नई दिल्ली, गुरूवार, 7 दिसम्बर, 2023, डाक पंजीयन संख्या :- DL (ND)-11/6176/2015-16-17

छोटे पर्दे पर डेब्यू कर रही शेफाली जरीवाला, कहा- 'शैतानी रस्में' जैसी कहानी का इंतजार था'

मुंबई, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। 'कांटा लगा' गर्ल के नाम से मशहूर एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला, जो अपकमिंग शो 'शैतानी रस्में' से टीवी पर डेब्यू करने जा रही हैं, ने कहा कि वह पहले टीवी रोल्स पर विचार करने के लिए बहुत मनमौजी थी, वह टीवी शो के स्टोरी और कॉन्सेप्ट के मोनोटोनी से जुड़ नहीं पाती थी। शेफाली ने अपने टीवी डेब्यू और इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह पर चर्चा की। एक नई चुनौती को स्वीकार करते हुए, शेफाली 'शैतानी रस्में' के साथ छोटे पर्दे पर नजर आएंगी। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि मैं पहले टीवी रोल्स पर विचार करने के लिए बहुत मनमौजी थी। मैं टीवी शो के स्टोरी और कॉन्सेप्ट के मोनोटोनी से जुड़ नहीं पाई।'

'भारत में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस से लाखों लोगों की मौत'

तिरुवनंतपुरम, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस (रोगाणुरोधी प्रतिरोध) के कारण सबसे अधिक मृत्यु दर वाले देशों में भारत शामिल है। आंकड़े बताते हैं कि एंटीबायोटिक दवाओं का विरोध करने वाले कीड़ों के कारण होने वाली बीमारियों से हर नौ मिनट में एक बच्चे की मौत हो जाती है। यह चौंकाने वाला खुलासा मंगलवार को ग्लोबल आयुर्वेद फेस्टिवल (जीएएफ) के एक पूर्ण सत्र में किया गया, जहां विशेषज्ञों ने एएमआर के खतरे पर काबू पाने में पारंपरिक दवाओं की भूमिका पर चर्चा की, जो दुनिया के लगभग हर हिस्से में बढ़ रहा है, जिसके चलते डब्ल्यूएचओ ने इसे शीर्ष स्वास्थ्य खतरों में से एक घोषित किया है।

इस मुद्दे पर बोलते हुए जर्मनी में डुइसबर्ग-एसेन विश्वविद्यालय से प्रोफेसर, चिकित्सा विशेषज्ञ थॉमस रैम्प ने कहा, 'अमेरिका और यूरोपीय देशों को भी एएमआर से खतरा है लेकिन एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों के लिए खतरा बड़ा है।' एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोध को एक 'नई घटना' बताते हुए उन्होंने याद दिलाया कि पेनिसिलिन के प्रति प्रतिरोध 1940 में रिपोर्ट किया गया था, हालांकि दवा को 1928 तक उपयोग में लाया गया था।

इससे उस पर काबू पाने के लिए नए एंटीबायोटिक्स का निर्माण हुआ, लेकिन पिछले तीन दशकों में कोई भी नई एंटीबायोटिक्स विकसित नहीं हुई है और इससे समस्या और बढ़ गई है। प्रोफेसर रैम्प ने यह भी कहा कि एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग और अति प्रयोग से उनमें प्रतिरोध बढ़ रहा है।

> 'अमेरिका और यूरोपीय देशों को भी एएमआर से खतरा है लेकिन एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों के लिए खतरा बड़ा है।' एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोध को एक 'नई घटना' बताते हुए उन्होंने याद दिलाया कि पेनिसिलिन के प्रति प्रतिरोध 1940 में रिपोर्ट किया गया था, हालांकि दवा को 1928 तक उपयोग में लाया गया था :- थॉमस रैम्प, डुइसबर्ग-एसेन विश्वविद्यालय से प्रोफेसर, चिकित्सा विशेषज्ञ

उन्होंने कहा कि यह चिकित्सा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, क्योंकि दुनिया में उत्पादित 80 प्रतिशत से अधिक एंटीबायोटिक्स का उपयोग खेतों और मत्स्य पालन में किया जाता है, जो अनिवार्य रूप से हमारी खाद्य श्रृंखला में प्रवेश करते हैं।

उन्होंने कहा, एंटीबायोटिक्स के प्रति प्रतिरोध का कारण मरीजों को अधिक मात्रा में एंटीबायोटिक्स लिखना, मरीजों द्वारा उपचार ठीक से पूरा न करना, पशुधन और मछली पालन में एंटीबायोटिक्स का अत्यधिक उपयोग, अस्पतालों में खराब संक्रमण नियंत्रण और खराब स्वच्छता है। प्रोफेसर रैम्प ने कहा कि आयुर्वेद जैसी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियां स्थिति को सुधारने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं, क्योंकि वे समस्याओं का समाधान करती हैं और प्रतिरक्षा में सुधार के लिए काम करती हैं। इससे बीमारी से बचा जा सकता है और एंटीबायोटिक दवाओं के अनावश्यक उपयोग को रोका जा सकता है। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद ने हमेशा संतुलित आहार प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया है, और आधुनिक विज्ञान अब आंत क्षेत्र में सूक्ष्म बायोम के महत्व पर जोर देता है, जो प्रतिरक्षा के निर्माण के लिए आवश्यक है।

इसी मुद्दे पर बोलते हुए कर्नाटक में आईसीएमआर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेडिशनल इंस्टीट्यूट के निदेशक सुबर्णा रॉय ने कहा कि उनके अध्ययन से पता चला है कि कर्नाटक राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोध अलग-अलग है। उन्होंने चेतावनी दी कि एएमआर भारत के कुछ क्षेत्रों में डिप्थीरिया जैसी बीमारियों के बढ़ने में योगदान दे रहा है। भारत में एएमआर स्थिति की निगरानी के लिए स्थापित सुविधाओं के एक नेटवर्क ने लगभग 10 रोगजनकों की पहचान की है जो खतरनाक साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कभी-कभी एंटीबायोटिक्स निर्धारित की जाती हैं, भले ही वे बीमारी को ठीक नहीं करेंगे बल्कि केवल लक्षणों को कम करेंगे। रॉय ने कहा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति कहती है कि संक्रामक रोगों के इलाज के वैकल्पिक तरीकों पर विचार किया जाना चाहिए और यहीं पर आयुर्वेद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

इन्वेस्टर्स समिट में पहुंचेगे अडानी व अंबानी समेत 50 से ज्यादा उद्योगपति

■ अमर नाथ तिवारी

देहरादून, 6 दिसंबर (देशबन्धु)। 8 दिसंबर को एफआरआई में इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया जाएगा। राज्य सरकार जोर शोर से ग्लोबल इन्वेस्टर समिट की तैयारियों में जुटी हुई है। गंलोबल इन्वेस्टर समिट का उद्घाटन पीएम मोदी करेंगे। गंलोबल इन्वेस्टर समिट के लिए पीएम मोदी के दौरे को देखते हुए पुलिस-प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने में जुटा है। इसके साथ ही ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में भाग लेने वाले वीवीआईपी और वीआईपी उद्योगपतियों को विशेष एस्कॉर्ट मुहैया करवाया जाएगा।

उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में अडानी,अंबानी,बिड़ला सहित देश के शीर्ष 50 उद्योगपति हिस्सा लेंगे। जिनके लिए अल्ट्रा लग्जरी कारों का इंतजाम किया गया है। उद्योगपतियों की श्रेष्ठता के आधार पर तीन श्रेणियां बनाई गई हैं। श्रेणी के आधार पर ही लग्जरी गाड़िया मुहिया कराई जाएंगी। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में वाहनों को लेकर उद्योगपतियों को कोई समस्या ना हो उसके लिए परिवहन विभाग ने हर श्रेणी की गाड़ियों की व्यवस्था की है। ये गाड़ियां उद्योगपतियों को एयरपोर्ट से लेकर आयोजन स्थल तक जाने के लिए मुहैया कराई जायेगी। इसके लिए परिवहन विभाग ने बन्नू स्कूल में कंट्रोल रूम बनाया है। इस कंट्रोल रूम का काम उद्योगपतियों को समय पर गाड़ी उपलब्ध कराना होगा। आयोजन ही नहीं उद्योगपतियों को समिट के अलावा भी कहीं जाना होगा तो इसके लिए भी कंट्रोल रूम से ही व्यवस्था की जाएगी।

- अल्ट्रा लग्जरी कारों से करेंगे सफर
- राज्य सरकार जोर शोर से ग्लोबल इन्वेस्टर समिट की तैयारियों में जुटी
- वीवीआईपी और वीआईपी उद्योगपतियों को विशेष एस्कॉर्ट मुहैया करवाया जाएगा

तीन श्रेणियों में बांटे गये उद्योगपति

इन्वेस्टर समिट में आने वाले उद्योगपतियों की श्रेष्ठता के आधार पर तीन श्रेणी बनाई गई है। श्रेणी के आधार पर ही उद्योगपतियों को लग्जरी कार मुहैया कराई जाएगी। डायमंड श्रेणी के उद्योगपतियों के लिए 25 कारें जिसमें मर्सिडीजज एस क्लास, ऑडी ए 8 से लेकर बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज की कारें होंगी। प्लैटिनम वन श्रेणी के उद्योगपतियों के लिए 25 कारें जिसमें मर्सिडीज ई क्लास, बीएमडब्ल्यू 5 सीरीज और ऑडी 16 गाड़ियां बुक की गई हैं। तीसरी श्रेणी प्लेटिनम-2 में कारों का बेड़ा बड़ा होगा। जिसमें 200 उद्योगपतियों के लिए एक-एक लग्जरी कार होगी। इसमें इनोवा, क्रिस्टा से लेकर फॉर्च्यूनर टॉप मॉडल की गाड़ियां शामिल हैं। साथ ही इन उद्योगपतियों को एस्कॉर्ट करने के लिए 200 वीआईपी कारों का काफिला रहेगा। जिसमें अर्टिगा, स्विफ्ट कारें शामिल होंगी।

बार्मर एंड लॉरी कंपनी को दिया गया ट्रांसपोर्ट का जिम्मा

गोल्ड कैटेगरी में 1000 उद्योगपतियों को रखा गया है। इन लोगों को एयरपोर्ट से होटल के बाद आयोजन स्थल तक ले जाने और छोड़ने के लिए 25 टेंपो ट्रैवलर और बसों का इंतजाम किया गया है। यह बसें सुविधाओं से लैस होंगी। आरटीओ ने बताया है सम्मेलन में आने वाले उद्योगपतियों के लिए लग्जरी कारों का इंतजाम किया गया है।

बिहार : सोनपुर मेला में आपदा से जागरूक करने के लिए 'बाइस्कोप'

हाजीपुर, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। बाइसकोप भले ही अब गुजरे जमाने की बात हो गई हो। आजकल के दौर में शायद ही किसी मेले और सार्वजनिक स्थानों में मनोरंजन के लिए बाइस्कोप आपको देखने को मिले। लेकिन, विश्व प्रसिद्ध सोनपुर मेले में इसी बाइस्कोप को आपदा प्रबंधन विभाग ने लोगों को जागरूक करने का साधन बना लिया। आपदा प्रबंधन विभाग की प्रदर्शनी में बाइस्कोप देखने के लिए मेला घूमने वाले लोगों की काफी भीड़ जुट रही है। विभाग की प्रदर्शनी में मेला घूमने आए लोगों को बाइस्कोप के माध्यम से आपदा के समय बचने की जानकारी दी जा रही है। सबसे गौर करने वाली बात है कि इसे देखने वालों में बच्चों की भीड़ तो जुट ही रही है, युवा और महिला भी बड़ी संख्या में इसे देखने पहुंच रहे हैं। इसके जरिए स्कूल के बच्चे सहित मेले में आए लोगों को भी आपदाओं से अपना बचाव कैसे करें एवं दूसरों का भी कैसे बचाव करें, इसकी जानकारी दी जा रही है। पंडाल में एक स्टॉल में पुराने समय के बाइस्कोप से इसे विस्तृत रूप से बताया जा रहा है। बाइस्कोप दिखाने वालों का कहना है कि प्रतिदिन लगभग 1,000 से अधिक लोगों को बाइस्कोप से आपदा दुर्घटना, आग लगने की घटना जैसी आपदाओं से बचाव की जानकारी दी जा रही है। बाइस्कोप सालों पहले मेलों में लोगों का सबसे ज्यादा मनोरंजन करती थी।

जंगली हाथी को पकड़ने के ऑपरेशन में मारे गए 'अर्जुन' का बनेगा स्मारक

बेंगलुरु, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने 63 वर्षीय हाथी 'अर्जुन' के लिए एक स्मारक बनाने की बुधवार को घोषणा क। एक जंगली हाथी को पकड़ने के लिए जंगल में एक ऑपरेशन के दौरान 1 दिसम्बर को अर्जुन की मौत हो गई थी।

सिद्दारमैया ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि एक स्मारक जंगल में उस जगह बनाया जायेगा जहाँ अर्जुन की मौत हुई थी और दूसरा मैसूरु जिले के एच.डी. कोटे शहर मे? होगा। इनका निर्माण राज्य सरकार करायेगी। ऐतिहासिक मैसूरु दशहरा समारोह के दौरान अर्जुन देवी चामुंडेश्वरी का स्वर्ण हौदा लेकर जाता था। सीएम ने दोहराया, 'मैंने अर्जुन हाथी की मौत के संबंध में सारी जानकारी मांगी है। हमने सकलेशपुर के जंगल में एक स्मारक बनाने के लिए कहा है, जहां उसकी मौत हुई थी और हमने एचडी कोटे में एक स्मारक बनाने के भी निर्देश दिए हैं।'

सिद्दारमैया ने कहा, 'दशहरा के दौरान अर्जुन आठ बार गोल्डन हौदा लेकर गया था। उसकी दुर्घटना में मृत्यु हो गई। हाथी को लंबे समय तक जीवित रहना चाहिए था। उसकी मृत्यु हो गई क्योंकि उसका इस्तेमाल जंगली हाथी पकड़ने के ऑपरेशन में किया गया था।'

अर्जुन की देखभाल करने वाले महुत वीनू ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान अर्जुन के पैर में चोट लग गई और खून बहने लगा। इसके बावजूद वह एक जंगली हाथी से भिड़ गया। इसके बाद मिसफायर में गोली उसके पैर में लग गयी। अर्जुन अकेले ही लड़ता और जीतता, लेकिन पैर में चोट के कारण वह जीत नहीं सका। जंगली हाथी ने उसे मार डाला। उन्होंने कहा, अर्जुन ने 10 लोगों की जान बचाई और अपनी जान दे दी। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने पहले दु:ख व्यक्त करते हुए कहा था कि अर्जुन ने आठ बार जंबू सावरी में भाग लिया था। वह आराम से 750 किलोग्राम के गोल्डन हौदा को पीठ पर लेकर चलता था। वह सबका चहेता बन गया था। अर्जुन को 1968 में काकानाकोटे जंगल में खेड्डा ऑपरेशन के दौरान पकड़ा गया था। 60 साल की सेवा पूरी करने के बाद 2020 में सेवानिवृत्त होने से पहले तक वह आठ बार गोल्डन हौदा लेकर जुलूस के आगे-आगे चला ।

जान्हवी ने 'द आर्चीज' के लिए 'सनशाइन' ख़ुशी को दी बधाई

मुंबई, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। अभिनेत्री जान्हवी कपूर पहले प्रोजेक्ट 'द आर्चीज' के लिए अपनी बहन खुशी के लिए चीयरलीडर बन गई हैं, जिन्हें वह अपनी सनशाइन कहती हैं। जान्हवी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर अपनी बहन ख़ुशी के साथ एक तस्वीर साझा की। छवि में, 'रूही' अभिनेत्री अपनी बहन को गले लगाती हुई दिखाई दे रही है, जो आगामी फिल्म के प्रीमियर के लिए अपनी मां की पोशाक और गहने पहने हुए दिखाई दे रही है। जान्हवी ने तस्वीर को कैप्शन दिया, 'मेरे जीवन की सनशाइन और अब सिनेमा की सनशाइन। आप जादुई हैं।' 'द आर्चीज़' का निर्देशन जोया अख्तर ने किया है। इसमें अगस्त्य नंदा, खुशी कपूर, सुहाना खान, वेदांग रैना, मिहिर आहूजा, अदिति सहगल और युवराज मेंदा हैं। यह फिल्म 7 दिसम्बर 2023 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। फिल्म 1960 के दशक के भारत पर आधारित है। आर्ची और गिरोह रोमांस, दोस्ती और रिवरडेल के भविष्य को दर्शाते हैं। डेवलपर्स एक पार्क को नष्ट करने की धमकी देते हैं।

शाहरुख खान की 'डंकी' ट्रेलर को नेटिजन्स ने बताया 'बोरिंग'

मुंबई, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'डंकी' का मंगलवार को ट्रेलर जारी किया गया, लेकिन लगता है कि ट्रेलर दर्शकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा, खासकर इस साल रिलीज हुई शाहरुख की दो ब्लॉकबस्टर हिट 'पठान' और 'जवान' के बाद।

'डंकी' शाहरुख और निर्देशक राजकुमार हिरानी के बीच पहला कोलैबोरेशन हैं। हिरानी अपनी मनोरंजक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। नेटिजन्स, जो 'पठान' और 'जवान' की तरह किसी धमाकेदार फिल्म की उम्मीद कर रहे थे, उनमें ट्रेलर से उतना उत्साह पैदा नहीं हुआ। कई लोगों ने ट्विटर का सहारा लिया और ट्रेलर पर निराशा व्यक्त की।

ट्रेलर पर प्रतिक्रिया देते हुए, एक यूजर ने लिखा, 'बोरिंग। कहानी में कुछ भी नया नहीं है, कई पंजाबी फिल्में पहले ही इस तरह के टॉपिक को कवर कर चुकी हैं। एक्सेंट काफी परेशान करने वाला है। इसमें पंजाबी और हिंदी को मिला दिया गया, जिसकी कोई जरूरत नहीं थी। यह हास्यास्पद भी नहीं लगता, बस हिंदी पर कायम रहें।' एक अन्य ने लिखा, 'ट्रेलर के बारे में मैं जितना कम कहूं, उतना बेहतर है। पंजाबी लहजा थोपा हुआ लगता है, डायलॉग्स बिल्कुल भी असरदार नहीं है और मैं कहानी के साथ इमोशनली रूप से नहीं जुड़ पा रहा। कहने की जरूरत नहीं है, चाहे 'जवान' हो या यह, शाहरुख की उम्र कम होना हास्यास्पद रूप से अविश्वसनीय लगता है। यह हिरानी की सबसे खराब फिल्म हो सकती है।' कई लोगों ने फिल्म में शाहरुख की उम्र कम दिखाने की ओर भी इशारा किया। एक यूजर ने कहा, 'हमेशा यंग करेक्टर निभाने के लिए नंदमुरी बालकृष्ण, चिरंजीवी को दोष क्यों दिया जाए, असल में शाहरुख ही असली दोषी हैं। उनके फेस पर वीएफएक्स देखिए।'

कृति सेनन ने अपने प्रोडक्शन 'दो पत्ती' का मनाली शेड्यूल किया पूरा

मुंबई, 6 दिसम्बर (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने मनाली में अपने पहले प्रोडक्शन 'दो पत्ती' का शेड्यूल पूरा कर लिया है और फिल्म की शूटिंग के कुछ 'बिहाइंड द सीन्स' शेयर किए हैं।

एक्ट्रेस अब अपने पहले प्रोडक्शन के साथ दर्शकों के लिए नई कहानियां लाने के लिए तैयार है, जो कैमरे के सामने और पीछे दोनों जगह अपने टैलेंट का प्रदर्शन करेगी।

कृति ने सोशल मीडिया पर निर्देशक और क्रू के साथ कुछ रेंडम वीडियो शेयर किए। उन्होंने अपने प्यारे दोस्त, डिलीशियस जलेबी और बर्फ से ढके पहाड़ों की भी झलक दिखाई।

तस्वीरों और वीडियो की सीरीज के साथ, उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मनाली.. बेहद खूबसूरत हैं! यह 'दो पत्ती' के लिए एक शेड्यूल रैप है!! कूल वेदर, वार्म हार्ट्स! पैशनेट लोग.. कुछ जादू पैदा करने की कोशिश कर रही हैं यादें! इतना शानदार शेड्यूल, ग्रेट टीम को धन्यवाद!' फिल्म का निर्माण उनके प्रोडक्शन हाउस ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स ने किया है। कृति आखिरी बार 'गणपत' में नजर आई थीं। उनके पास पाइपलाइन में 'द क्रू' भी है।

हमारे जवान राष्ट्रसेवा का अद्वितीय उदाहरण : धामी

देहरादून, 6 दिसंबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे जवान राष्ट्रसेवा का अद्वितीय उदाहरण है। रैतिक परेड में जवानों द्वारा मोटरबाईक पर साहस, कौशल एवं सन्तुलन के प्रदर्शन की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जवान हमारे सहयोगी हैं, और विभिन्न नागरिक सेवाओं में अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं। राज्य में कानून व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने में उनका योगदान रहता है। होमगार्ड्स के जवानों को कड़ी धूप सहित बरसात और कड़कड़ाती ठंड में यातायात एवं नागरिक सुरक्षा व्यवस्था को नियंत्रित करते हुए उन्होंने देखा है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि होमगार्ड्स विभाग में शस्त्र प्रशिक्षण प्रदान किये जाने हेतु 'इण्डोर फायरिंग रेंज' को प्रेमनगर में उपलब्ध विभागीय भूमि पर निर्माण किया जायेगा। होमगार्ड्स जवानों को वर्षभर में 12 आकस्मिक अवकाश दिये जायेंगे। होमगार्ड्स स्वयंसेवकों की कम्पनी कार्यालय ट्रांजिट कैम्प इमरजेन्सी सर्च एवं रेस्क्यू सेंटर हेतु भवन निर्माण किया जाएगा।

विभागीय मोटर साईकिल दस्ते हेतु मोटर साइकिल क्रय की जाएंगी। पुलिस कार्मिकों एवं एनडीआरएफ की भांति उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ड्यूटीरत होमगार्डस स्वयं सेवकों को प्रोत्साहन राशि अनुमन्य की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे कोविड महामारी हो, कोई वीआईपी कार्यक्रम हो या फिर कांवड़ या अन्य बडे आयोजन, होमगार्ड्स जवान जिस निष्काम सेवा से अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हैं, वो अभूतपूर्व है। होमगार्ड्स जवानों का एक ही मंत्र रहा है, 'जहां कम वहां हम' इसी संकल्प के साथ, प्रदेश के विकास में भी अपनी भागेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा होमगार्ड्स की सुविधा के लिए छोटे हथियारों जैसे पिस्टल आदि को क्रय किये जाने हेतु भी अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

इस वर्ष होमगार्ड्स के लिए सेना के जवानों की तर्ज पर सीएसडी कैंटीन की सुविधा भी शुरू की है, जिसके लिए होमगार्ड्स का स्पेशल कार्ड बनाया जा रहा है। इसके साथ ही होमगार्ड विभाग में आपदा राहत एवं बचाव कार्यों तथा जनसामान्य की सहायता के लिये द्रुत मोबाईल एप्लिकेशन बनाया गया है, जो अत्यंत ही सराहनीय कदम है। यह ऐप शुरू करने वाला उत्तराखण्ड देश का पहला प्रदेश है।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस पर आयोजित रैतिक परेड में हुए शामिल

राज्य सरकार द्वारा ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए महिला होमगार्ड्स को प्रसूति अवकाश अनुमन्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी होमगार्ड्स स्वयंसेवकों हेतु पूरे सेवाकाल में छ: माह के चिकित्सा अवकाश की भी संस्तुति की गई है। राज्य में प्रथम बार महिला एवं पुरूष होमगार्ड्स को आत्मरक्षा हेतु विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इसी वर्ष होमगार्ड द्वारा विभागीय बैंड ''मस्का बाजा'' की भी स्थापना की गई जो एक सराहनीय प्रयास है।

राज्य में 'होमगार्ड्स हेल्प डेस्क' भी बेहतर कार्य कर रही है। हाल ही में हरिद्वार गंगा आरती में शामिल होने आए एक परिवार का नन्हा बालक अपने परिजनों से बिछड़ गया था, होमगार्ड हेल्प डेस्क ने तुरंत उसे ढूंढ कर परिजनों को सौंपा,यह अत्यंत सराहनीय प्रयास था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल में ही राज्य में 330 महिला होमगार्ड जवानों की भर्ती की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, प्रशिक्षण के बाद वे जल्द ही संगठन में अपना योगदान देंगी।

अब 300 पुरुष होमगार्ड जवानों की भर्ती की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने होमगार्ड्स के जवानों और अधिकारियों को विश्वास दिलाया कि उनके बेहतर जीवन के लिए जो भी आवश्यक होगा, वह किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि होमगार्डस के जवान समर्पण भाव और कर्तव्य पालन से राज्य और देश की सेवा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में होमगार्ड्स तथा नागरिक सुरक्षा संगठन के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उत्तराखण्ड राज्य के विकास तथा कानून व्यवस्था एवं शान्ति स्थापना के कार्यों में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करते रहेंगे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा होमगार्ड स्वयंसेवकों के लिए बनाई गई प्रशिक्षण पुस्तिका, आपदा एवं बचाव कार्य के लिए बनाए गए, होमगार्ड विभाग के द्रुत एप का विमोचन तथा विभिन्न कार्यों के लिए ट्रांजिट कैंपों के लिए भूमि पूजन, केंद्रीय प्रशिक्षण में ऑब्सटेकल ट्रैक का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा अमिताभ श्रीवास्तव डिप्टी कमांडेंट जनरल होम गार्ड्स, राजीव बलोनी डिप्टी कमांडेंट जनरल होमगार्ड को राष्ट्रपति से सराहनीय एवं विशिष्ट सेवा के लिए प्राप्त मेडल एवं प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

विप्रो	3.60 प्रतिशत
आईटीसी	2.51 प्रतिशत
एलटी	2.31 प्रतिशत
टीसीएस	2.08 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	1.99 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एनटीपीसी	1.52 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.05 प्रतिशत
अल्ट्रासिमको	1.04 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	1.01 प्रतिशत
मारुति	0.87 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

'मासिक जीएसटी वसूली में और बढ़ोतरी की गुंजाइश'

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय अप्रत्यक्ष एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के विशेष सचिव एवं सदस्य (जीएसटी) शशांक प्रिया ने बुधवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की वसूली अच्छी चल रही है तथा इसमें अभी और वृद्धि की गुंजाइश है।

यहां जीएसटी पर उद्योगमंडल एसोचैम के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हमारा कर राजस्व (मासिक जीएसटी वसूली) लगातार 1.6 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो रहा है। हम इसे और बढाएंगे क्योंकि अभी ऐसे क्षेत्र हैं जहां राजस्व का दोहन किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, हम जीएसटी अनुपालन को आसान बनाने पर विचार कर रहे हैं, लेकिन साथ ही, हम यह भी देखना चाहते हैं कि अनुपालन में नियमितता बरती जाए, कर विवरण दाखिल करने तथा कर-भुगतान समय पर हो। हम एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार की यात्रा पर निकले हैं और हमें मैदानी स्तर पर आने वाली इन समस्याओं के समाधान की दिशा में लगातार काम करते रहने की जरूरत है। श्री शशांक प्रिया ने यह भी कहा कि सीबीआईसी ने एक बड़ा फैसला किया है कि अब उसका अपना अपना 'बैक एंड सिस्टम' यानी हिसाब-किताब रखने का प्रभाग नहीं होगा बल्कि इस काम को जीएसटीएन के बैक एंड सिस्टम पर ले जाया जाएगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्यों कि बोर्ड के सामने फील्ड स्तर पर, डेटा हानि की समस्याएं आ रही थीं। उन्होंने कहा, ' हमने महसूस किया है कि अगर हम सभी एक ही बैक-एंड सिस्टम पर काम करेंगे तो राज्यों और केंद्र के बीच एक तालमेल होगा। उन्होंने यह भी कहा कि हर शिकायत के लिए केंद्र पर आश्रय ठीक नहीं होता। कानून के कुछ प्रावधानों के कार्यान्वयन में उत्पन्न होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए जमीनी स्तर पर शिकायत निवारण तंत्र, राज्य समन्वय समिति की बैठकों की व्यवस्था और तंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। श्री प्रतीक जैन, अध्यक्ष, एसोचैम की राष्ट्रीय अप्रत्यक्ष कर परिषद के चेयरमैन प्रतीक जैन ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि जीएसटी ने सभी राज्यों में एक कानून और समान कर दरों के साथ संरचनात्मक सरलता ला दी है। पर उद्योग जगत का मानना है कि अब विधायी पहलुओं से अधिक, कर प्रशासन को अब सुव्यवस्थित करने तथा हितधारकों को एक साथ आ कर परस्पर राय-मशवरा के साथ आगे बढ़ने का दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

एसोचैम की राष्ट्रीय अप्रत्यक्ष कर परिषद के सह-अध्यक्ष एसोचैम रितेश कनोडिया ने जीएसटी से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे जिन पर तत्काल विचार करने की आवश्यकता पर बल दिया जिनमें ऑडिट की बहुलता और नोटिसों की ऊंची संख्या , ऐसे पुराने मामले जिनमें कर की मांग की पुष्टि हो चुकी है, ब्याज जमा कर दिया गया है पर क्रेडिट का मुद्दा फंसा हुआ है तथा माफी योजना में कुछ कानूनी अस्पष्टताओं के आधार जीएसटीआर 2ए-3बी के नोटिस के संबंध में रियायत जैसे मुद्दे शामिल हैं।

सीबीआईसी ने एक बड़ा फैसला किया है कि अब उसका अपना अपना 'बैक एंड सिस्टम' यानी हिसाब-किताब रखने का प्रभाग नहीं होगा बल्कि इस काम को जीएसटीएन के बैक एंड सिस्टम पर ले जाया जाएगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्यों कि बोर्ड के सामने फील्ड स्तर पर, डेटा हानि की समस्याएं आ रही थीं : शशांक प्रिया

मस्क की एआई कंपनी जुटाना चाहती है 1 बिलियन डॉलर का निवेश

सैन फ्रांसिस्को, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। एलन मस्क की एआई कंपनी एक्सएआई इक्विटी निवेश में 1 अरब डॉलर तक जुटाने की कोशिश कर रही है। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) के साथ एक फाइलिंग के अनुसार, टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ ने एक्सएआई के लिए अब तक 134.7 मिलियन डॉलर जुटाए हैं।

135 मिलियन डॉलर चार अनाम निवेशकों से आए, पहली बिक्री 29 नवंबर को हुई। एसईसी फाइलिंग में कहा गया है कि एक्सएआई बाहरी निवेशकों से न्यूनतम 2 मिलियन डॉलर ही स्वीकार करेगा।

सैम ऑल्टमैन द्वारा संचालित ओपनएआई के चैटजीपीटी पर निशाना साधते हुए मस्क ने पिछले महीने कहा था कि एक्सएआई के एआई चैटबॉट ग्रोक में पारंपरिक जीपीटी मॉडल की तुलना में वर्तमान जानकारी है। एक्सएआई ग्रोक एआई असिस्टेंट यूजर्स को एक्स प्रीमियम प्लस के हिस्से के रूप में प्रदान किया जा रहा है, जिसकी लागत वेब के माध्यम से प्रति माह 16 डॉलर है।

एक्सएआई टीम ने कहा, ग्रोक एक एआई है जिसे हिचहाइकर गाइड टू द गैलेक्सी के आधार पर तैयार किया गया है, इसका मकसद लगभग किसी भी सवाल का उत्तर देना है और इससे भी अधिक कठिन, यह भी सुझाव देना है कि कौन से प्रश्न पूछने हैं। मस्क ओपनएआई के सह-संस्थापक थे, लेकिन 2018 में कंपनी के लाभ के लिए बदलाव के कारण उन्होंने इसे छोड़ दिया और चैटजीपीटी को वोकजीपीटी कहा। अरबपति ने इस साल की शुरुआत में एक्सएआई लॉन्च किया था। टीम का नेतृत्व मस्क कर रहे हैं और इसमें टीम के सदस्य शामिल हैं, जिन्होंने एआई में अन्य बड़े नामों पर काम किया है। इनमें ओपनएआई, गूगल रिसर्च, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च और गूगल का डीपमाइंड शामिल हैं।

वेबसाइट के अनुसार, एक्सएआई का लक्ष्य ब्रह्मांड की वास्तविक प्रकृति को समझना है।

प्याज, टमाटर की ऊंची कीमतों से नवंबर में बढ़ी आपकी थाली की कीमत

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। वेज थाली की कीमत अक्टूबर की तुलना में नवंबर में 10 फीसदी बढ़ गई, जबकि प्याज और टमाटर की कीमतें बढ़ने से नॉन-वेज थाली की कीमत केवल 5 फीसदी बढ़ी। क्रिसिल की एक रिपोर्ट में ये बात कही गई है। नवंबर के दौरान बेमौसम बारिश ने प्याज और टमाटर की फसल को नुकसान पहुंचाया, जिससे बाजार में दोनों की कमी हो गई और कीमतें बढ़ गईं। क्रिसिल ने कहा, प्याज और टमाटर की कीमतों में क्रमश: 93 प्रतिशत और 15 प्रतिशत की वृद्धि के कारण वेज थाली की कीमत साल-दर-साल 9 प्रतिशत बढ़ गई। दालों की कीमत में भी 21 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जिससे वेज थाली की कीमत 9 प्रतिशत बढ़ गई। शाकाहारी थाली में रोटी, सब्जियां, चावल, दाल, दही और सलाद होता है। इसकी औसत लागत की गणना उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत में प्रचलित इनपुट कीमतों के आधार पर की जाती है। नॉन वेज थाली के लिए, चिकन की कीमत में गिरावट के कारण कीमतों में वृद्धि कम हुई। नॉन वेज थाली में चिकन की लागत कुल लागत का 50 प्रतिशत है। नॉन-वेज थाली में दाल की जगह चिकन ले लेता है जबकि बाकी चीजें वैसी ही रहती हैं। सितंबर की तुलना में अक्टूबर में वेज और नॉन-वेज थाली की कीमत में 1 फीसदी और 3 फीसदी की कमी आई थी।

जेनरेटिव एआई टूल्स को संभावित सुरक्षा जोखिम के रूप में देखती हैं 92 प्रतिशत भारतीय कंपनियां

बेंगलुरू, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। जेनरेटिव एआई टूल्स भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के केंद्र में हैं। कम से कम 92 प्रतिशत ऑर्गेनाइजेशन जेनएआई को एक संभावित सुरक्षा जोखिम मानते हैं। क्लाउड सिक्योरिटी प्रोवाइडर जेडस्केलर की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 95 प्रतिशत ऑर्गेनाइजेशन किसी न किसी रूप में जेनरेटिव एआई टूल का उपयोग कर रहे हैं, उनमें से 75 प्रतिशत अभी तक चैटजीपीटी जैसे जेनरेटिव एआई टूल का उपयोग न करने के लिए स्किल या टैलेंट की कमी को स्वीकार करते हैं।

भारत में लगभग 71 प्रतिशत लोग इस बात से सहमत हैं कि सामान्य कर्मचारी नहीं, बल्कि आईटी टीमें उपयोग के पीछे जबरदस्त ताकत बनकर उभरती हैं। जेडस्केलर के एपीजे के सीटीओ सुदीप

बनर्जी ने कहा, हमारा सर्वे जेनरेटिव एआई अपनाने की गतिशीलता को रेखांकित करता है। जेनरेटिव एआई टेक्नोलॉजी की पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए जीरो ट्रस्ट प्रिंसिपल्स और स्किल्स डेवलपमेंट दोनों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

उन्होंने कहा, जीरो ट्रस्ट सॉल्यूशन को एकीकृत करने से हर एक यूजर और एप्लिकेशन के लिए टेक्नोलॉजी के उपयोग पर पूर्ण नियंत्रण मिल सकता है, जिससे ऑर्गेनाइजेशन को एक सुरक्षित और नियंत्रित वातावरण बनाए रखने की अनुमति मिलती है। सर्वे में शामिल 22 प्रतिशत लोग जेनरेटिव एआई के उपयोग की बिल्कुल भी निगरानी नहीं कर रहे हैं, और 36 प्रतिशत ने अभी तक किसी भी अतिरिक्त जेनरेटिव एआई-संबंधित सुरक्षा उपायों को लागू नहीं किया है, हालांकि कई लोगों ने इसे अपने रोडमैप पर रखा है।

जेडस्केलर के वीपी प्रोडक्ट मैनेजमेंट संजय कालरा ने कहा, उनके (जेनएआई टूल्स) सुरक्षा उपायों को लेकर मौजूदा अस्पष्टता के साथ, भारत में केवल 30 प्रतिशत ऑर्गेनाइजेशन इन्हें अपनाने को खतरे के बजाय एक अवसर के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा, यह न केवल उनके बिजनेस और कस्टमर डेटा इंटीग्रिटी को खतरे में डालता है, बल्कि उनकी जबरदस्त

सार संक्षेप

रुपया पांच पैसे मजबूत

मुंबई। यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के अगले साल मार्च तक ब्याज दरों में कटौती करने की उम्मीद में दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के दो सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बावजूद स्थानीय स्तर पर शेयर बाजार में लगातार जारी उछाल की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया पांच पैसे की बढ़त लेकर 83.32 रुपये प्रति डॉलर हो गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 83.37 रुपये प्रति डॉलर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया दो पैसे बढ़कर 83.35 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों और बैंकरों की बिकवाली से 83.30 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली होने से यह 83.37 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले दिवस के 83.37 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में पांच पैसे मजबूत होकर 83.32 रुपये प्रति डॉलर हो गया।

किआ ने चार्जिंग स्टेशनों के लिए की साझेदारी

नई दिल्ली। प्रीमियम कार निर्माता किआ इंडिया ने के-चार्ज का अनावरण करते हुये माइकिया ऐप के उपयोगकर्ताओं को देश भर में 1000 से अधिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कई कंपनियों के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने आज यहां कहा कि किआ गैर-किआ ग्राहकों तक इस चार्जिंग नेटवर्क तक पहुंच बढ़ा रहा है, जिससे भारतीय ईवी उपयोगकर्ताओं को रेंज चिंता पर काबू पाने में सहायता प्रदान की जा रही है। यह रणनीतिक कदम विभिन्न कार्यों को एक उपयोगकर्ता-अनुकूल स्मार्टफोन ऐप में समेकित करके ग्राहक सेवाओं को बढ़ाने की किआ की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। किआ ने इस पहल को सक्षम करने के लिए 5 चार्जिंग प्वाइंट ऑपरेटरों (सीपीओ) के साथ सहयोग किया है जिसमें स्टेटिक, चार्जजोन, रिलक्स इलेक्ट्रिक, लायन चार्ज और ई-फिल चार्जिंग ऑपरेटर शामिल है। किआ ने अपने ग्राहकों को अपने चार्जिंग स्टेशनों के माध्यम से 3 महीने की मुफ्त चार्जिंग की पेशकश करने के लिए रिलक्स इलेक्ट्रिक के साथ एक विशेष गठजोड़ भी किया है।

फेडरल बैंक देगा ई-प्रोक्योरमेंट और ई ऑक्शन सेवाएं

नई दिल्ली। फेडरल बैंक अब ई-प्रोक्योरमेंट और ई-ऑक्शन सिस्टम से जुड़ गया है। निजी क्षेत्र के इस बैंक ने ये सुविधाएं देने के लिए एनसीडीईएक्स ई-मार्केट लिमिटेड (एनईएमएल) के साथ करार किया है। एनईएमएल एक नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव एक्सचेंज लिमिटेड (एनसीडीईएक्स) की स्वामित्व वाली सहयोगी ईकाई है। एनसीडीईएक्स 90 कमोडिटी के ट्रेडिंग प्लेटफार्म में अहम हिस्सेदारी रखता है। बैंक ने आज जारी बयान में कहा कि इस रणनीतिक साझेदारी से राज्य और केंद्र सरकारों को ई-प्रोक्योरमेंट के लिए एडवांस सॉल्यूशन मिलेगा। इस प्लेटफार्म के जरिए किसान एनईएमएल प्लेटफार्म पर अपनी उपज बिक्री के लिए दर्ज करवा सकेंगे। प्लेटफार्म पर दर्ज कृषि उपज को सरकार दिए गए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएनपी) पर खरीद लेगी।

सेंसेक्स और निफ्टी एक बार फिर नये रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका और भारत दोनों देशों में महंगाई में कमी और यील्ड में गिरावट से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश में तेजी आने से स्थानीय स्तर पर यूटिलिटीज़, पावर, तेल एवं गैस कैपिटल गुड्स और ऊर्जा समेत सोलह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत सेंसेक्स और निफ्टी आज एक बार फिर नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गये। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 357.59 अंक अर्थात् 0.52 प्रतिशत की छलांग लगाकर सार्वकालिक उच्चतम स्तर 69,653.73 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 82.60 अंक यानी 0.4 प्रतिशत उछलकर 20,937.70 अंक हो गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 35,115.78 अंक और स्मॉलकैप 0.18 प्रतिशत चढ़कर 41,174.45 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3895 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1930 लाभ जबकि 1824 नुकसान में रहे वहीं 141 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 29 कंपनियों में तेजी जबकि 21 में गिरावट रही।

वित्तीय सलाह देने वाली कंपनी जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि राज्य में विधानसभा चुनावों के बाद निवेशकों की उम्मीदें बढ़ी हैं, जो नीति की निरंतरता की पुष्टि करता है। अमेरिकी और

भारतीय दोनों बाजारों में मुद्रास्फीति में कमी और यील्ड में गिरावट से एफआईआई की लिवाली बढ़ी है। साथ ही चीन की क्रेडिट रेटिंग में कटौती और भू-राजनीतिक तनाव में कमी और तेल की कीमतों में गिरावट से घरेलू बाजार में तेजी आई। अमेरिकी मंदी के जोखिम में कमी और गर्मियों में मजबूत मांग की उम्मीद ने आईटी समूह में एक मजबूत उछाल और बिजली क्षेत्र की गति को बढ़ाया है।

वहीं, आशाजनक दृष्टिकोण के बावजूद घरेलू प्रीमियम मूल्यांकन चिंताओं के कारण अल्पकालिक मुनाफावसूली हो सकती है। इसके अलावा लंबे समय तक बने रहने वाले अल नीनो के जोखिम, जलाशयों के स्तर में गिरावट और कम बुआई के कारण रिज़र्व बैंक (आरबीआई) वित्त वर्ष 2024 की दूसरी छमाही की आर्थिक विकास वृद्धि दर को अनुमान को बढ़ाने और भविष्य के मुद्रास्फीति अनुमानों को कम कर सकता है।

इससे उत्साहित निवेशकों की लिवाली कि बदौलत बीएसई 16 समूहों में तेजी रही। इस दौरान यूटिलिटीज 3.00, कमोडिटीज़ 0.25, सीडी 0.24, ऊर्जा 1.12, एफएमसीजी 1.03, इंडस्ट्रियल्स 0.80, आईटी 1.46, ऑटो 0.07, कैपिटल गुड्स 1.25, धातु 0.47, तेल एवं गैस 1.96, पावर 2.41, टेक 1.18 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.12 प्रतिशत चढ़ गए।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.27, जर्मनी का डैक्स 0.13, जापान का निक्केई 2.04, हांगकांग का हैंगसेंग 0.83 प्रतिशत मजबूत रहा। वहीं, चीन के शंघाई कंपोज़िट में 0.11 प्रतिशत की गिरावट रही। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 239 अंक की तेजी लेकर 69,534.93 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से दोपहर से पहले 69,395.01 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, लिवाली की बदौलत कारोबार के अंतिम चरण में यह 69,744.62 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत पिछले दिवस के 69,296.14 अंक के मुक़ाबले 0.52 प्रतिशत चढ़कर 69,653.73 अंक हो गया। इसी तरह निफ्टी 96 अंक बढ़कर 20,950.75 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 20,852.15 अंक के निचले जबकि 20,961.95 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 20,855.10 अंक की तुलना में 0.40 प्रतिशत मजबूत होकर 20,937.70 अंक पर रहा।

एप्पल ने आपूर्तिकर्ताओं से कहा, भारत से आईफोन 16 बैटरी लें : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अपनी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने और विनिर्माण को चीन से बाहर ले जाने के प्रयास में, ऐप्पल ने अपने आपूर्तिकर्ताओं को भारतीय कारखानों से आगामी आईफोन 16 के लिए बैटरी मंगाने के लिए कहा है। एक मीडिया रिपोर्ट में बुधवार को ये बात कही गई।

फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार, चीन के डेसे जैसे बैटरी निर्माताओं को भारत में नए कारखाने स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, जबकि ऐप्पल के लिए ताइवानी बैटरी आपूर्तिकर्ता सिम्पलो टेक्नोलॉजी को भविष्य के ऑर्डर के लिए भारत में विनिर्माण बढ़ाने के लिए कहा गया है।

इस सप्ताह की शुरुआत में, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा था कि जापानी इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स निर्माता टीडीके कॉर्प भारत में ऐप्पल आईफोन के लिए लिथियम-आयन (ली-आयन) बैटरी सेल का निर्माण करेगा। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि डेसे और सिम्पलो जैसी कंपनियां टीडीके और उनके समकक्षों द्वारा उत्पादित

इलेक्ट्रिक सेल को मॉड्यूल में पैकेज करती हैं और उन्हें ताइवानी अनुबंध निर्माता फॉक्सकॉन जैसे असेंबलरों को भेजती हैं।

फॉक्सकॉन की भारत में 1.54 अरब डॉलर निवेश करने की योजना है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में, फॉक्सकॉन ने कहा कि निवेश से उसे परिचालन जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस बीच, एप्पल ने भारत सरकार से अपने मौजूदा आईफोन को इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के लिए एक सामान्य चार्जिंग पोर्ट की आवश्यकता से छूट देने के लिए कहा है। केंद्र अधिकांश उपकरणों के लिए एक सामान्य चार्जर को अनिवार्य करने की संभावना का मूल्यांकन कर रहा है।

सोया रिफाइंड व पाम ऑयल महंगा

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में जारी गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग निकालने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में सोया रिफाइंड और पाम ऑयल महंगा हो गया

जबकि चना और दाल चना के भाव गिर गए वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में दिसंबर का पाम ऑयल वायदा 46 रिंगिट उतरकर 3590 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.06 सेंट फिसलकर 50.20 सेंट प्रति पौंड बोला गया।इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रूख रहा। सोया रिफाइंड 74 रुपये और पाम ऑयल 67 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। वहीं, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में मिश्रित रुझान रहा। इस दौरान चना 100 रुपये और दाल चना 100 रुपये प्रति क्विंटल उतर गई। वहीं, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सरकार ने खाद के भाव स्थिर रख किसानों को वैश्विक झटकों से बचाया : मांडविया

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि केंद्र ने किसानों के लिए रासायनिक उर्वरकों के दामों की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए पिछले 2-3 वर्ष के दौरान जिंसों की वैश्विक कीमतों में उछाल का पूरा बोझ अपने कंधे पर उठाया है। उन्होंने कहा कि यही कारण है भारत में एक ऐसे दौर में उर्वरकों की खपत में स्थिरता बनी रही और कृषि उत्पादन में नए रिकार्ड बने जबकि विश्व में उत्पादन में गिरावट दर्ज की गयी। श्री मांडविया यहां उर्वरक उद्योग के एक सम्मेलन का उद्घाटन कर रहे थे। इसका अयोजन फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएआई) ने किया था।

आत्मनिर्भरता के लिए सरकार के प्रयासों से यूरिया उत्पादन की करीब 30 लाख टन वार्षिक क्षमता के कारखानों का उद्धार किया गया जो बंद पड़े थे। एक दो साल में उर्वरक उत्पादन की नयी क्षमताएं चालू होंगी : मनसुख मांडविया

रसायन एवं उर्वरक मंत्री ने कहा कि सरकार ने देश में उर्वरकों का उत्पादन बढ़ाने , आपूर्ति के दौरान बिखराव और हेराफेरी रोकने के कई उपाय किए हैं। उन्होंने कहा कि इससे उत्पादकता के नए रिकार्ड बने हैं। आत्मनिर्भरता के लिए सरकार के प्रयासों से यूरिया उत्पादन की करीब 30 लाख टन वार्षिक क्षमता के कारखानों का उद्धार किया गया जो बंद पड़े थे। उन्होंने कहा कि एक दो साल में उर्वरक उत्पादन की नयी क्षमताएं चालू होंगी।'

श्री मांडविया ने कहा कि सरकार फॉस्फेट और पोटाश आधारित उर्वरकों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति की भरोसेमंद व्यवस्था करने में भी लगी है।

उन्होंने कहा कि 'प्रधानमंत्री प्रणाम' पहल के तहत धरती की पारिस्थितिकी को सुरक्षित रखने के लिए उर्वरक के संतुलित प्रयोग, वैकल्पिक उर्वरकों के प्रयोग को प्रोत्साहित करने ,जैविक खेती को बढ़ावा देने और संसाधनों के संरक्षण की प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा ।

उन्होंने इस क्षेत्र में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसे नवाचारों तथा खेतों में ड्रोन से उर्वरकों और दवाओं के छिड़काव में महिलाओं को जोड़ने की नमो ड्रोन दीदी योजना जैसी पहल का जिक्र किया।

खेल जगत

फॉर्म नहीं, क्लास को प्राथमिकता दी जाए : ख्वाजा

पर्थ, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से डेविड वार्नर के इस प्रारूप से संन्यास लेने के बाद अगले टेस्ट ओपनर का चयन करते समय फॉर्म के बजाय क्लास को तरजीह देने का आह्वान किया है। अनुभवी बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज को 14 दिसंबर से पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की 14-खिलाड़ियों की टीम में नामित किया गया है। अब तक वॉर्नर के बाद कैमरून बैनक्रॉफ्ट, मैथ्यू रेनशॉ और मार्कस हैरिस प्रमुख दावेदार हैं। ख्वाजा ने एसईएन रेडियो पर कहा, ईमानदारी से कहूं तो, मेरा अगला ओपनिंग पार्टनर कौन होगा, वास्तव में मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता। चयनकर्ता जिसे भी चुनने जा रहे हैं, वे इसलिए चुनेंगे क्योंकि उन्हें लगता है कि वे इस भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं। मैं उस %बैट-ऑफ़% पर भी विश्वास नहीं करता जिसके बारे में लोग अभी बात कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह निर्णय इससे कहीं अधिक पर आने वाला है।

दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जीत के लिए बल्लेबाजी अहम होगी : राहुल द्रविड़

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने प्रत्येक खिलाड़ी से दक्षिण अफ्रीका के एक महीने के लंबे दौरे में मैच जिताने वाला योगदान देने को कहा है। भारत रविवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20, तीन मैचों की वनडे और दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका का सामना करने के लिए तैयार है। डरबन में पहले टी20 मैच में सूर्यकुमार यादव भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे. द्रविड़ का मानना है कि दक्षिण अफ्रीकी पिचों पर बल्लेबाजी करना मुश्किल है और वह चाहते हैं कि बल्लेबाजों के पास जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करने के लिए गेम प्लान हो।

द्रविड़ ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, तो, यह बल्लेबाजी करने के लिए एक चुनौतीपूर्ण जगह है; आँकड़े आपको यह बताएंगे। यह बल्लेबाजी करने के लिए अधिक कठिन स्थानों में से एक है, खासकर यहां सेंचुरियन और जोहान्सबर्ग में। विकेट कुछ-कुछ करते रहते हैं और वे ऊपर-नीचे भी होते रहते हैं। प्रत्येक बल्लेबाज के पास एक गेम प्लान होगा कि वे कैसे जाना चाहते हैं, जब तक वे इसके बारे में स्पष्ट हैं और वे इसके लिए प्रतिबद्ध हैं और इसके लिए अभ्यास कर रहे हैं, यह ठीक है। द्रविड़ ने यह भी व्यक्त किया कि अफ्रीकी महाद्वीप पर खेलने के लिए शारीरिक दृढ़ता के बजाय मानसिक दृढ़ता की आवश्यकता होगी।

हम हर किसी से एक ही तरह से खेलने की उम्मीद नहीं करते हैं। हम चाहते हैं कि वे इस बारे में स्पष्ट रहें कि उनके लिए क्या काम करता है, और फिर उस पर अमल करने में सक्षम हों। लड़के, एक बार जब वे वहां पहुंच जाते हैं, तो इसका अधिकांश हिस्सा मानसिक होता है, और मुझे लगता है, आप जानते हैं, हम कोशिश करते

■ जीत के बावजूद भारत को आगे के मुकाबलों में गलतियों से बचना होगा

हैं और इस तथ्य पर जोर देते हैं कि अगर हम आगे बढ़ते हैं, अगर हमें सेट होने का अवसर मिलता है, तो वे ऐसा करने की कोशिश करते हैं यह मैच जिताने वाला योगदान है। भारत 26 दिसंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को कभी भी विदेशी धरती पर टेस्ट श्रृंखला में नहीं हराया है।

'कैप्टन साहब' शुभमन गिल ने राशिद खान से की मुलाकात

नई दिल्ली। भारत के बल्लेबाज शुभमन गिल ने ब्रिटेन में अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान से मुलाकात की और वह अपने गुजरात टाइटंस (जीटी) टीम के साथी को देखकर बहुत रोमांचित हुए, उन्होंने सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेने वाली पोस्ट साझा की। अफगान सनसनी ने गिल के साथ एक तस्वीर खिंचवाई, जिन्हें हाल ही में हार्दिक पांड्या की मुंबई इंडियंस में आश्चर्यजनक वापसी के बाद आईपीएल 2024 के लिए गुजरात टाइटन्स का नया कप्तान नामित किया था। राशिद ने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, कप्तान साहब द्वारा रोकने के लिए धन्यवाद। राशिद की पोस्ट पर माइकल वॉन और टाइटन्स दोनों की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रियाएं आईं और दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की मुलाकात देखकर खुश हुए। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, मुझे यह पसंद है। दूसरी ओर, टाइटन्स ने नज़र ना लगे लिखा, यह उम्मीद करते हुए कि उनके सितारों पर कोई बुरी नज़र नहीं होगी। राशिद की 24 नवंबर को यूनाइटेड किंगडम में पीठ के निचले हिस्से की एक छोटी सी सर्जरी हुई। अफगानिस्तान की क्रिकेट सनसनी भी पीठ की चोट के कारण आगामी बिग बैश लीग सीजन 13 से हट गए हैं, जिसके लिए एक छोटी सी सर्जरी की आवश्यकता है। उन्होंने अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 2023 वनडे विश्व कप में उनकी सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ मैचों में उनका प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा।

भारत ने न्यूजीलैंड को जू. महिला हॉकी विश्व कप के रोमांचक मैच में हराया

सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (देशबन्धु)। गोलरक्षक माधुरी किंडो के शूटआउट में लगातार तीन बचाव के बाद सडनडेथ में किए बेहतरीन बचाव सहित किए कुल चार गजब के बचावों और मुमताज खान के निर्णायक गोल की बदौलत अंतिम आठ की होड़ से बाहर हो चुके भारत ने न्यूजीलैंड को मंगलवार रात सांतियागो में एफआईएच महिला जूनियर हॉकी विश्व कप 2023 में नौंवे से 16 स्थान के लिए खेले गए मैच मे सडनडेथ शूटआउट में 3-2 से शिकस्त दी। दोनों टीमें निर्धारित समय तक तीन-तीन से बराबर थीं। निर्धारित समय में भारत के लिए रुपानी कुमारी (आठवें मिनट), ज्योति छत्री (17 वें मिनट) और सुनीलिता टोपो (53 वें मिनट) ने जबकि न्यूजीलैंड के लिए इजाबेल स्टोरी(11 वें मिनट), मेडलिन हैरिस(14 वें मिनट) और रियाना फो(49 वें मिनट) ने एक एकगोल किया।

इस सांस रोक देने वाले बेहद रोमांचक मुंकाबले में भारतीय जूनियर हॉकी टीम दो बार पिछडने के बावूजद गोल निर्धारित समय में बराबरी पाने में कामयाब रही और मैच शूटआउट में खिंच गया। शूट आउट में भारत के लिए साक्षी राणा और कप्तान प्रीति ने और न्यूजीलैंड की ओर से हाना कोटर और रिआना फो ने गोल किए और मैच सडनडेथ में खिंच गया। मुमताज ने सडनडेथ में गोल कर भारत 3-2 से जीत दिला दी। भारत की गोलरक्षक माधुरी किंडो ने शूटआउट में तीन बेहतरीन बचाव करने के बाद सडनडेथ में न्यूजीलैंड के पहले प्रयास को नाकाम किया। मुमताज खान ने सडनडेथ में अपने पहले प्रयास में गोल कर भारत को जीत दिला कर ही दम लिया।

भारत ने अपने पिछले मैच की तरह भारत की

■ गोलरक्षक माधुरी के चार बचाव व मुमताज के सडनडेथ में गोल से भारत जीता

जूनियर टीम ने बराबर न्यूजीलैंड के गोल पर दबाव बनाया। न्यूजीलैंड के जवाबी हमलों के बावजूद भारत की जूनियर टीम ने अपनी लय बनाए रखी। रूपानी कुमारी ने आठवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। इजाबेल स्टोरी ने तीन मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर न्यूजीलैंड को एक एक की बराबरी दिला दी। मेडलिन हैरिस ने तीन मिनट बाद बढ़िया मैदानी गोल कर न्यूजीलैंड को 2-1 से आगे कर दिया। ज्योति छत्री ने दूसरे क्वॉर्टर के छठे मिनट में बढ़िया मैदानी गोल से भारत को 2-2 की बराबरी दिला दी। रियाना ने चौथे और आखिरी क्वॉर्टर के चौथे मिनट में गोल कर न्यूजीलैंड को 3-2 से आगे कर दिया। सुनीलिता टोपो ने चार मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारत को 3-3 की बराबरी दिला मैच शूटआउट में खींच दिया।

मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ज्योति छत्री ने कहा, % हमने मैच में जिस तरह वापसी की उससे हमें खुद पर फख्र है। शूटआउट में दो गोल से पिछडने के बाद भी हमने हार नहीं मानी। खासतौर पर गोलरक्षक माधुरी किंडो के गजब के मुस्तैद प्रदर्शन को सलाम।

मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकता हूं : डुप्लेसी

अबु धाबी 6 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी ने कहा कि टी-20 विश्वकप से पहले वह एक बार फिर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं और उन्होंने टीम के रॉब वाल्टर के साथ इस संदर्भ में बात की हैं।

डुप्लेसी ने अबू धाबी टी-10 लीग में कहा, मुझे ऐसा लगता है कि मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिर से वापसी कर सकता हूं।

उन्होंने कहा, हम पिछले कुछ वर्षों से इस बारे में बात कर रहे हैं। हमने अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप के टीम संतुलन के बारे में बात की है। इसके अलावा नए कोच के साथ और कई चीज़ों के बारे में बात हुई है। उल्लेखनीय है कि डुप्लेसी ने आखिरी बार टी-20 में तीन साल पहले 2020 में और आखिरी अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच फरवरी 2021 में खेला था। डुप्लेसी घरेलू स्तर के साथ-साथ दुनिया भर की टी-20 लीगों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

इसी वर्ष आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स के लिए खेलते हुए डुप्लेसी ने 14 मैचों में 730 रन बनाए थे। वह इस साल आईपीएल में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। हालांकि सफेद गेंद के क्रिकेट से आधिकारिक तौर पर कभी संन्यास नहीं लेने के बावजूद टूर्नामेंट के पिछले दो संस्करणों के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किया गया। सोमवार को दक्षिण अफ्रीका के सफेद गेंद के कोच वाल्टर ने कहा था कि डुप्लेसी, क्विंटन डिकॉक और राइली रूसो जैसे खिलाड़ियों के नाम पर अगले साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले जाने वाले टी-20 विश्व कप के लिए विचार किया जाएगा।

रवि बिश्नोई बने आईसीसी टी-20 क्रिकेट में दुनिया के नंबर 1 गेंदबाज

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (देशबन्धु)। मेहमान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सम्पन्न पांच टी-20 मैचों की सीरीज में सबसे ज्यादा नौ विकेट चटका कर मैन ऑफ द सीरीज रहे भारत के बड़े दिल वाले नौजवान लेग स्पिनर रवि बिश्नोई आईसीसी टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में कुल 699 रेटिंग अंकों के साथ दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बन गए। 2022 में भारत के लिए टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज करने वाले लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने अब तक कुल 34 विकेट चटकाए।

भारत के रवि बिश्नोई दुनिया और अफगानिस्तान के सबसे अनुभवी और कंजूस लेग स्पिनर राशिद खान, श्रीलंका के वनिंदु हसरंगा, इंग्लैंड के आदिल राशिद और श्रीलंका के ऑफ स्पिनर महीश तीक्षणा को पीछे छोड़ कर अपने अब तक के छोटे से अंतरराष्ट्रीय करियर में पहली बार टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने हैं।

रवि बिश्नोई ने अपने घर में कुल सबसे ज्यादा नौ विकेट चटका कर भारत को मेहमान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की क्रिकेट सीरीज 4-1 से

■ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई टी-20 सीरीज में विश्नोई नहीं लिए थे 9 विकेट

■ टी-20 विश्वकप में विश्नोई ने ठोकी दावेदारी

जिताने में अहम भूमिका निभाई। रवि बिश्नोई ने भारत के लिए पावरप्ले में गेंदबाजी करने के साथ रनों पर लगाम लगाने के साथ विकेट चटकाए। रवि बिश्नोई ने ऑस्ट्रेलिया की भारत में ही सम्पन्न वन डे विश्व कप में सेमीफाइनल और फाइनल की जीत के हीरो ट्रेविज हेड, विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिश और ग्लेन मैक्सवेल जैसे धुरंधर बल्लेबाजों को अपना शिकार बना कर अपनी टीम को जिताने में अहम भूमिका निभाई। बिश्नोई ने भले ही लेग स्पिन की बजाय अपनी गुगली पर ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई विकेट चटकाए लेकिन अब अमेरिका और वेस्ट इंडीज की संयुक्त मेजबानी में 2024 के मध्य में होने वाले आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप से पहले अब बाकी छह टी-20 मैचों में स्पिन का जाल बुन कर विकेट चटका कर खुद का इसके लिए टीम इंडिया में लेग स्पिनर के रूप में अपना मजबूत दावा पेश कर सकते हैं। अब रवि बिश्नोई के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतरीन गेंदबाजी करने से अनुभवी लेग स्पिनर कुलदीप यादव पर आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप से पहले बाकी छह मैचों (तीन दक्षिण अफ्रीका व तीन अफगानिस्तान) में बढ़िया प्रदर्शन कर दबाव रहेगा।

दूसरे टेस्ट की पहली पारी में न्यूजीलैंड ने बंगलादेश को 172 रन पर समेटा

मीरपुर 6 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सैंटनर के तीन-तीन विकेट और एजाज पटेल के दो विकेट की बदौलत मेजबान बंगलादेश को आज यहां दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 172 रनों पर समेट दिया। शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश अपने चार शीर्ष बल्लेबाजों जाकिर हुसैन आठ रन, महमुदुल हसन जॉय 14 रन, मोमिनुल हक पांच रन और नजमुल शान्तो को नौ रन को 15 ओवर तक टीम के 47 स्कोर पर पवेलियन भेज दिया था। मुशफिकुर रहीम 35 रन पर गेंद को हाथ से रोकने के प्रयास में आउट हुए। इसे क्रिकेट की भाषा में 'हैंडलिंग द बॉल' कहा जाता हैं। इसके साथ ही वह इस तरह आउट होने वाले पहले बंगलादेशी क्रिकेटर हैं। वह जब 41ओवर की चौथी गेंद पर आउट हुये उस समय टीम का स्कोर 104 रन था। इसके बाद शहादत हुसैन 31 रन फिलिप्स के हाथों कैच आउट करा दिया। नुरुल हसन सात रन पर आउट

होने वाले बंगलादेश के सातवें बल्लेबाज थे। मेहदी हसन मिराज 20 रन बनाकर आउट हुये। तैजुल इस्लाम छह रन, शोरिफुल इस्लाम 10 रन बनाकर आउट हुये। नईम हसन 13 रन बनाकर नाबाद रहे। और बंगलादेश की पूरी टीम पहली पारी में 66.2 ओवर में 172 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सैंटनर ने तीन-तीन विकेट लिये। वहीं एजाज पटेल के दो बल्लेबाजों को आउट किया। टिम साउदी को एक विकेट मिला।

क्षेत्ररक्षण में बाधा पहुंचने पर आउट होने वाले पहले मुश्फिकुर बंगलादेशी बल्लेबाज

विकेटकीपर बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम क्षेत्ररक्षण में बाधा पहुंचाने के कारण आउट होने वाले बंगलादेश के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में आज बंगलादेश और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन के 41वें ओवर के दौरान काइल जेमीसन की गेंद को बल्ले से खेलने के बाद मुश्फिकुर ने अपने दाहिने हाथ से रोका। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों ने अपील की और टीवी अंपायर अहसान रजा ने मुश्फिकुर को आउट करार दिया। पहले ऐसे आउट होने को 'हैंडल्ड द बॉल' की श्रेणी में रखा जाता था।

टी-20 विश्वकप के मद्देनजर अधिक से अधिक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल में भाग ले : मैक्सवेल

सिडनी 6 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा है कि अगले साल होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अधिक से अधिक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भाग लेना चाहिए ताकि वे टी-20 विश्वकप की तैयारी कर सकें। मैक्सवेल ने कहा कि एकदिवसीय विश्वकप जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया की नजर अब अगले साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी-20 विश्वकप पर है। उन्होंने कहा कि जब तक उनके पैर चलेंगे वह आईपीएल खेलते रहेंगे। भारत से लौटकर एक सप्ताह आराम करने के बाद मैक्सवेल अब बिग बैश लीग (बीबीएल) में मेलबर्न स्टार्स के कप्तान के रूप में खेलेंगे। वह आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, आईपीएल में मैं अपने करियर के आखिर तक खेलता रहूंगा। संभवत: यह मेरे करियर का आखिरी टूर्नामेंट होगा। जब तक मैं चल-फिर सकता हूं, तब तक मैं आईपीएल खेलता रहूंगा। आईपीएल का मेरे करियर में बहुत अहम योगदान रहा है। इस टूर्नामेंट में स्तरीय खिलाड़ी और कोच हिस्सा लेते हैं, जिनसे आपको बहुत कुछ सीखने को मिलता है। आप इस टूर्नामेंट में दो महीने तक एबी डीविलियर्स और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेलते हैं, जो किसी के जीवन का भी सबसे बड़ा अनुभव होगा। मुझे उम्मीद है कि इस बार के आईपीएल में अधिक से अधिक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भाग लें ताकि उन्हें टी-20 विश्व कप की तैयारियों में मदद मिले। अब वेस्टइंडीज में भी लगभग वही परिस्थितियां होती हैं, जैसा कि भारत में है- सूखी, धीमी पिच और स्पिनरों को अधिक मदद।

नौ ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन ब्रिस्बेन इंटरनेशनल 2024 में खेलेंगे

ब्रिस्बेन, 6 दिसंबर (एजेंसियां) राफेल नडाल, एंडी मरे, नाओमी ओसाका, आर्यना सबालेंका, एलेना रिबाकिना, जेलेना ओस्टापेंको, विक्टोरिया अजारेंका, सोफिया केनिन और स्लोएन स्टीफंस ब्रिस्बेन में 2024 सीज़न की शुरुआत करने वाले विश्व स्तरीय लाइन-अप में शामिल हैं। चार शीर्ष-20 पुरुष ब्रिस्बेन के लिए बाध्य हैं, जिनमें विश्व नंबर 8 होल्गर रूण भी शामिल हैं। नेक्स्ट जेन सुपरस्टार के साथ विश्व नंबर 14 और ब्रिस्बेन इंटरनेशनल 2017 चैंपियन ग्रिगोर दिमित्रोव, विश्व नंबर 17 बेन शेल्टन और विश्व नंबर 20 उगो हम्बर्ट भी शामिल होंगे।

विश्व की शीर्ष 20 में से आठ महिलाएँ डब्लूटीए 500 प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। अविश्वसनीय लाइन-अप में पूर्व विश्व नंबर 1 और तीन बार की ब्रिस्बेन इंटरनेशनल चैंपियन कैरोलिना प्लिस्कोवा के साथ-साथ ब्रिस्बेन 2020 फाइनलिस्ट और विश्व नंबर 12 मैडिसन कीज़ भी शामिल हैं। प्लिस्कोवा अजारेंका, मरे और दिमित्रोव के साथ इस क्षेत्र के चार पूर्व चैंपियनों में से एक है।

स्थानीय प्रशंसक पुरुष एकल प्रतियोगिता में एलेक्सी

पोपिरिन, मैक्स परसेल और जॉर्डन थॉम्पसन का समर्थन करने में सक्षम होंगे, गोल्ड कोस्ट स्टार किम्बर्ली बिरेल को महिला एकल मुख्य ड्रॉ में वाइल्डकार्ड प्राप्त होगा। सितंबर में करियर की सर्वोच्च डब्ल्यूटीए रैंकिंग 100 पर पहुंचने वाले बिरेल ने कहा, मैं 2024 ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में खेलकर अपने साल की शुरुआत करने को लेकर रोमांचित हूं। मेरे पास टूर्नामेंट से बहुत सारी अविस्मरणीय यादें हैं, जिसमें जूनियर के रूप में अपने आदर्शों को खेलते हुए देखना और 2019 में अपनी पहली शीर्ष -10 जीत हासिल करना शामिल है।

मैं अपने घरेलू टूर्नामेंट में खेलने के अवसर के लिए बहुत आभारी हूं और अपने दोस्तों और परिवार के सामने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने का इंतजार नहीं कर सकता। हम रोमांचित हैं क्योंकि दुनिया के कई सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ब्रिस्बेन आना चाहते हैं। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टूर्नामेंट के निदेशक कैम पियर्सन ने कहा, यह टूर्नामेंट में पुरुष और महिला दोनों क्षेत्रों में देखे गए सबसे मजबूत क्षेत्रों में से एक है। नौ ग्रैंड स्लैम चैंपियन, 12 डब्ल्यूटीए/एटीपी शीर्ष-20 खिलाड़ियों के साथ-साथ इतने सारे ऑस्ट्रेलियाई पसंदीदा खिलाड़ियों का होना टूर्नामेंट और हमारे प्रशंसकों के लिए बहुत अच्छी खबर है।

सार संक्षेप

कमिंस, हेजलवुड और स्टार्क अब भी ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए अहम गेंदबाज : हैडिन

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ब्रैड हैडिन का मानना है कि पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क की तेज गेंदबाजी तिकड़ी के पास राष्ट्रीय टीम में बने रहने के लिए अभी काफी साल हैं। फॉक्स क्रिकेट पॉडकास्ट द फॉलो ऑन पर हैडिन ने कहा, यह तिकड़ी टेस्ट क्रिकेट में बड़ा प्रभाव छोड़ सकती है। मुझे अब भी लगता है कि उनमें काफी क्रिकेट बाकी है। मुझे लगता है कि वे टेस्ट मैच के मैदान पर एक बड़ी विरासत छोड़ना चाहते हैं और मुझे लगता है कि हम इन तीनों में बहुत कुछ देखने जा रहे हैं। कमिंस, हेजलवुड और स्टार्क ने खेल के कम से कम एक प्रारूप में शीर्ष रैंकिंग का दावा किया है और ये तिकड़ी वर्तमान में आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष 15 गेंदबाजों में शामिल हैं। हैडिन ने आगे कहा कि तेज गेंदबाजी तिकड़ी वास्तव में एक-दूसरे की अच्छी तारीफ करती है। मुझे नहीं लगता कि हम अन्य तीन को देखने जा रहे हैं जो इन तीनों की तरह एक-दूसरे की प्रशंसा करते हैं। जब उनके पास गेंद होती है तो उनमें कोई अहंकार नहीं होता। जब उन्हें ज़रूरत होती है तो वे अलग-अलग भूमिकाएं निभाते हैं। आपके पास मिचेल स्टार्क की बाएं हाथ की गति और स्विंग है। आपके पास हेज़लवुड की ऊंचाई और सटीकता है और आपको पैट कमिंस के रूप में कप्तान मिला है, जो टीम के लिए काफी सफल और चतुर गेंदबाज हैं।

होप्स पर टिकी है दिल्ली की होप

नई दिल्ली। देर से ही सही दिल्ली की फुटबॉल का ग्राफ दिन-पर-दिन और मैच-दर-मैच ऊपर चढ़ रहा है। सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाले दिल्ली के पुरुष खिलाड़ियों के बाद अब महिला खिलाड़ी भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं, जिसका बड़ा प्रमाण है 'होप्स' फुटबॉल क्लब। 'होप्स' क्लब ने 2022-23 की दिल्ली महिला प्रीमियर लीग का खिताब जीतकर बड़ी पहचान बनाई थी। होप्स देश के शीर्ष आठ महिला क्लबों में शामिल है, जिसे इंडियन वुमन लीग (आईडब्लूएल) में खेलने का सम्मान मिला है। साल 2023-24 की आईडब्लूएल के लिए होप्स ने दिल्ली के डॉ. अम्बेडकर स्टेडियम को अपना होम ग्राउंड बनाया है। नौ दिसम्बर को खेले जाने वाले पहले मैच में होप्स को कर्नाटक के किक स्टार्ट क्लब से खेलना है, जिसके लिए क्लब के अध्यक्ष संजय यादव और कप्तान अनुष्का सैमुअल आशावान हैं। संजय ने कहा कि उनकी टीम अपने मैदान का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। कप्तान अनुष्का के अनुसार हम अपने होम मैदान पर खेलकर विजयी शुरुआत करना चाहती हैं और किसी प्रकार का कोई दबाव महसूस नहीं कर रही है।